सुविचार
माता के समान सुख देने वाली कौन है- उत्तम विद्या, देने से क्या बढ़ती है- उत्तम विद्या।
शंकराचार्य

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
जल्द ही इंडस्ट्री को छोड़ना चाहती हैं कंगना रनौत

Ranchi ● Thursday, 11 January 2024 ● Year : 01 ● Issue : 351 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	71,657.71
निफ्टी	:	21,618.70

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अंडमान द्वीप समूह में 4.1 तीव्रता का भूकंप

CHENNAI : अंडमान द्वीप समूह में बुधवार सुबह 4.1 तीव्रता के भूकंप का झटका महसूस किया गया। इस भूकंप से कोई नुकसान होने की खबर नही है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार अंडमान द्वीप समूह में बुधवार सुबह सुबह करीब 7:53 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र 12.66 के अक्षांश और 93.02 के देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर स्थित था।

देश में कोरोना के 605 नए मामले, 4 की मौत

NEW DELHI : देश में कोरोना के नए मामले आने का सिलसिला जारी है। बुधवार को पिछले 24 घंटे में कोरोना के 605 नए मामले सामने आए हैं और इससे 04 मरीजों की मौत हुई है। इसके साथ 877 मरीज स्वस्थ हुए हैं। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3,643 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कोरोना के ज्यादातर मामले केरल और कर्नाटक में सामने आ रहे हैं। इन्हीं दोनों राज्यों में पिछले 24 घंटे में 2-2 मरीजों की मौत हुई है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं।

झारखंड में फिर घिरेंगे बादल पर नहीं होगी बारिश

RANCHI : झारखंड में गुरुवार को मौसम शुष्क बना रहेगा। राज्य के कई हिस्सों में तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने शहरी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 8 से 13 डिग्री के बीच होने की संभावना जाहिर की है। साथ ही आसमान में अब बादल भी नजर आ सकते हैं। बुधवार सुबह से राज्य के पश्चिमी भाग में बादल दिखने लगेंगे। पश्चिमी भाग से होते हुए काले बादल राज्य के मध्य भाग में भी आएंगे। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि काले बादल नजर आएंगे, लेकिन अब तक बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि तापमान में थोड़ी और गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम शुष्क रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में थोड़ी राहत मिल सकती है।

बिलकिस के 11 दोषी पुलिस के संपर्क में नहीं

NEW DELHI : बिलकिस बानो गैंगरेप के 11 दोषी पुलिस के संपर्क में नहीं है। गुजरात के दाहोद एसपी बलराम मीणा ने दावा किया है कि पुलिस के पास दोषियों के सरेंडर करने की जानकारी नहीं है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की कॉपी भी अब तक नहीं मिली है, जिसमें दोषियों को दो हफ्ते में सरेंडर करने को कहा गया है। दाहोद एसपी ने बताया कि सभी दोषी गुजरात के सिंगवाड के रहने वाले हैं।

सूखाग्रस्त क्षेत्र के किसानों को हेमंत सरकार देगी ₹3500

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में सुखाड़ की स्थिति पर हुई चर्चा

खुशखबरी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सीएम हेमंत सोरेन ने ऐसे किसानों को तत्काल राहत के रूप में 3,500 रुपए देने का आदेश दिया। यह रकम अनुग्रह राशि के रूप में दी जाएगी। सीएम ने बुधवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक में यह निर्देश दिए। सीएम को कृषि विभाग की ओर से बताया गया कि इस साल भी कम बारिश की वजह से 17 जिलों के 158 प्रखंडों में सुखाड़ की स्थिति है। इन क्षेत्रों को सुखाड़ग्रस्त घोषित करने की विभाग ने अनुशंसा की। इस पर सीएम ने आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया कि इन सभी 158 प्रखंडों को सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सूखाग्रस्त क्षेत्र के प्रत्येक किसान को तत्काल 3,500 रुपए की अनुग्रह राशि दी जाए।

- बारिश की वजह से 17 जिलों के 158 प्रखंडों में सुखाड़ की स्थिति
- सहायता राशि के लिए प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश

ऐसे किसानों को मिलेगी इनपुट अनुदान राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे किसान, जिनकी फसल कम बारिश की वजह से 33 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त हुई है, उन्हें इनपुट अनुदान राशि दी जाएगी। सीएम ने यह भी निर्देश दिया कि वे केंद्र सरकार को सहायता राशि उपलब्ध कराने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करके भेजें। इस राशि से सूखा प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि सुखाड़ से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए समुचित कदम उठाएं।

आजीवन की सजा काट रहे 56 कैदियों की रिहाई का रास्ता साफ, राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में मुहर

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 30वीं बैठक में 109 कैदियों की रिहाई के बिंदु पर समीक्षा के बाद राज्य के विभिन्न जेलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 56 कैदी रिहा किए जाएंगे, यह सहमति बनी। समीक्षा के क्रम में अदालतों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक और जिला प्रोबेशन पदाधिकारियों के मंतव्य पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जो कैदी जेल से रिहा किए जाते हैं, उनकी लगातार ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग होनी चाहिए। इसके अलावा उनके पुनर्वास की दिशा में भी पहल की जाए ताकि वे मुख्य धारा में बने रहें।

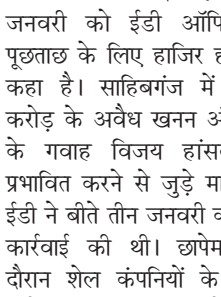

- रिहा होने वाले कैदियों के पुनर्वास की व्यवस्था हो : हेमंत सोरेन
- इनकी लगातार ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग होनी चाहिए
- अबतक 1831 कैदियों को किया गया है रिहा

वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन : विश्वमित्र के रूप में आगे बढ़ रहा भारत

प्रतिभाशाली युवाओं का पावरहाउस है भारत, स्थिरता के लिए अहम स्तंभ

बोले प्रधानमंत्री

AGENCY NEW DELHI : वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के 10वें संस्करण के उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के लिए भारत की पहचान स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में हैं। भारत को दुनिया एक भरोसेमंद दोस्त, वैश्विक अर्थव्यवस्था के वृद्धि के एक इंजन, समाधान खोजने के लिए प्रौद्योगिकी के एक केंद्र और प्रतिभाशाली युवाओं के पावर हाउस के रूप में देखती है। उन्होंने यह भी कहा कि तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में भारत विश्वमित्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। गुजरात के गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले भारत 11वें स्थान पर था। आज सभी प्रमुख एजेंसियों का अनुमान है कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में भारत भी शामिल होगा। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया भर के लोगों को अपना विश्लेषण करने दें लेकिन यह मेरी गारंटी है कि ऐसा होगा।

आजादी का अमृत काल बेहद अहम : पीएम मोदी

गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में भारत ने आजादी के 75 साल पूरे किए हैं। अब भारत अगले 25 साल के लक्ष्य पर काम कर रहा है। आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश विकसित हो जाता है। इसलिए ये 25 साल की अवधि भारत का अमृत काल है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि यूएई की कंपनियों की ओर से भारत के बंदरगाह बुनियादी ढांचे में अरबों डॉलर के नए निवेश के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सम्मेलन में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को स्थिरता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखती है। भारत एक ऐसा मित्र है, जिस पर भरोसा किया जा सकता है, एक ऐसा साझेदार है, जो जन-केंद्रित विकास में विश्वास करता है और एक ऐसी आवाज है, जो वैश्विक भलाई में विश्वास करता है और वह ग्लोबल साउथ की भी एक आवाज है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में वृद्धि का एक इंजन, समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी केंद्र और प्रतिभाशाली युवाओं के पावर हाउस के रूप में देखती है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया कई तरह की अनिश्चितताओं से घिरी हुई है, तब भारत दुनिया में विश्वास की एक नयी किरण बनकर उभरा है।

भारत-यूएई के बीच कई समझौतों पर हुए साइन

पीएम मोदी ने कहा- इस कार्यक्रम में मेरे भाई, और यूएई के प्रेसिडेंट का होना खुशी की बात है। भारत और यूएई ने अपने रिश्तों को जो नई ऊंचाई दी है, उसका श्रेय मेरे दोस्त और वअए के प्रेसिडेंट शेख मोहम्मद बिन जायद को जाता है। दोनों देशों के बीच कई बड़े समझौते हुए हैं। पोर्ट डेवलपमेंट के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। भारत की प्राथमिकता फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर है। इसकी झलक ट्रेड शो में देख सकते हैं। मेरा आग्रह है सभी लोग ट्रेड शो जरूर देखें। इन सेक्टर्स में इन्वेस्टमेंट के लिए लगातार नए अवसर बन रहे हैं। अगर भारत की ग्रोथ में इतना मोमेंटम दिख रहा है, तो इसकी वजह बीते 10 साल में किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर रिफॉर्म पर फोकस है। भारत लॉजिस्टिक्स पर भी तेजी से काम कर रहा है। 10 साल पहले भारत में 74 एयरपोर्ट थे आज भारत में 149 एयरपोर्ट हैं। नेशनल हाईवे नेटवर्क दो गुना और मेट्रो ट्रेन नेटवर्क 3 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है।

आज साहिबगंज डीसी से पूछताछ करेगी ईडी

छह जनवरी को एजेंसी ने भेजा था समन

CRIME REPORTER RANCHI : 1250 करोड़ के अवैध खनन घोटाला मामले ईडी साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव से गुरुवार को पूछताछ करेगी। बीते छह जनवरी को ईडी ने समन जारी करते हुए सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को 16 जनवरी, साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव को 11 जनवरी और विनोद सिंह को 15 जनवरी को ईडी ऑफिस में पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा है। साहिबगंज में 1250 करोड़ के अवैध खनन और ईडी के गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने से जुड़े मामले में ईडी ने बीते तीन जनवरी को बड़ी कार्रवाई की थी। छापेमारी के दौरान शेल कंपनियों के जरिये निवेश, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के साक्ष्य एजेंसी को मिले हैं। बरामदगी के आधार पर ही ईडी अब आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के आवास से आठ लाख कैश व 19 अवैध गोलियां बरामद हुई थी।

अवैध खनन मामला

गृह सचिव की पत्नी को ईडी ने भेजा दूसरा समन

RANCHI : गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार की पत्नी प्रीति कुमार को ईडी के द्वारा दूसरा समन जारी किया गया है। इससे पहले तीन जनवरी को प्रीति कुमार को बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने राज्य से बाहर होने का हवाला देते हुए ईडी को पत्र भेजा था और दूसरी तारीख की मांग की थी। जिसके बाद ईडी ने उन्हें दूसरा समन जारी किया। बीते मंगलवार को प्रीति कुमार ने ईडी को पत्र भेज कर यह बताया है कि वह अपने परिवार के साथ केरल में छुट्टियों पर आई हैं। ऐसे में 6 या 7 जनवरी को रांची लौटेंगी। गौरतलब है कि 28 दिसंबर को ईडी ने प्रीति कुमार को समन भेज कर 3 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन मंगलवार को ईडी के जांच पदाधिकारी को पत्र भेजकर उन्होंने बताया कि वह केरल में छुट्टियों पर हैं।

बेटी को गोद में लेकर 16वीं मंजिल से कूदी महिला, मौत

एक दिन पहले मनाया था बेटे का बर्थडे

AGENCY NEW DELHI : ग्रेटर नोएडा में एक महिला ने 6 महीने की बेटी के साथ सुसाइड कर लिया। वह अपार्टमेंट की 16वीं मंजिल से बेटी को गोद में लेकर कूद गई। मां-बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। एक दिन पहले महिला ने बेटे का बर्थडे मनाया था। पति अमेरिका में नौकरी करता है। महिला अपने भाई और मां के साथ लॉ रेजिडेंसिया सोसाइटी में रहती थी। पुलिस ने बताया कि महिला की शिनाख्त सारिका (33) के तौर पर हुई है। वह भाई-मां के साथ टॉवर-2 की 16 वीं मंजिल में रहती थी। महिला का एक 4 साल का बेटा और है। घटना मंगलवार रात करीब 12 बजे की है। महिला अपने कमरे से उठी और बालकनी से नीचे कूद गई।

निपेक्षा, मृतक बच्ची

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा में प्रत्याशियों पर मंथन शुरू

NEW DELHI : भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों पर मंथन शुरू कर दिया है। मोदी की गारंटी का नैरेटिव सेट कर रही पार्टी जीत पक्की करने के लिहाज से उन 48 लोकसभा सीटों पर कद्दावर नेताओं को उतारने की योजना बना रही है, जहां पिछली बार जीत-हार का अंतर 2 प्रतिशत से कम रहा था। भाजपा जिन सीटों पर 35-52 प्रतिशत से ज्यादा के अंतर से जीती थी, वहां नए प्रत्याशियों को मौका दिया जाएगा। पिछले चुनाव में 0.2 से 1.91 प्रतिशत तक कुल 48 लोकसभा सीटों पर पार्टी की हार-जीत हुई थी। इनमें 10 उत्तर प्रदेश से है, जहां भाजपा जीती थी। 48 में से 27 सीटें ऐसी थीं, जहां प्रत्याशी 1 प्रतिशत से कम अंतर से चुनाव जीते थे।

समुद्र में बढ़ेगा भारतीय नौसेना का दबदबा

मिला पहला स्वदेशी मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस दृष्टि-10 यूएवी

AGENCY NEW DELHI : नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने बुधवार को पहला स्वदेशी मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस दृष्टि-10 यूएवी नौसेना को सौंप दिया। इसे अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज ने हैदराबाद स्थित यूएवी कॉम्प्लेक्स में निर्मित किया है। हर्मीस यूएवी पर आधारित स्टारलाइनर दृष्टि-10 यूएवी जल्द ही नौसेना और सेना में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद यह यूएवी विकसित करके नौसेना को सौंपा जाना महत्वपूर्ण है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज में पहले स्वदेशी मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस यूएवी की प्रगति का जायजा लेने और समीक्षा करने के लिए आपके बीच आना वास्तव में सम्मान और गर्व की बात है।

- स्टारलाइनर दृष्टि-10 यूएवी जल्द ही नौसेना और सेना में शामिल होगा
- अडानी डिफेंस ने हैदराबाद के यूएवी कॉम्प्लेक्स में किया है विकसित

निगरानी क्षमताओं में होगा सुधार : सूरी

अदाणी डिफेंस द्वारा निर्मित दृष्टि 10 स्टारलाइनर ड्रोन पर भारतीय सेना विमानन के महानिदेशक एलटी जनरल अजय कुमार सूरी ने कहा कि शुरूआत में हमने दो दृष्टि 10 स्टारलाइनर का ऑर्डर दिया है। यह भारतीय सेना की निगरानी क्षमताओं में सुधार करेगा। यह स्वदेशी है, इसका लगभग 70 प्रतियात स्वदेशी है। वहीं मालवाहक जहाजों पर समुद्री डकैती के हमलों पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि अभी तक इसकी पहचान नहीं हो पाई है कि आखिर ये हमले कहां से हो रहे हैं।

3000 से अधिक उपहार, रामलला के चांदी के जूते, गहने और सीता माता के लिए खास साड़ी

प्रभु श्रीराम के ससुराल समेत देश-विदेश से आ रहे उपहार

AGENCY AYODHYA : अयोध्या में राम मंदिर के लिए उद्घाटन का कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 को तय किया गया है। इस दिन राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस वक्त अयोध्या नगरी राममय हो चुकी है। राम मंदिर उद्घाटन के लिए उत्सुकता सिर्फ देश ही नहीं नेपाल, श्रीलंका समेत दुनियाभर के कई देशों में भी है। राम मंदिर के लिए देश-विदेश से हजारों उपहार आ रहे हैं। इसमें चांदी के जूते, गहने और सीता माता के लिए खास साड़ी समेत नेपाल के जनकपुर में सीता जी की जन्मस्थली से भगवान राम के लिए 3000 से अधिक उपहार शामिल हैं। अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर दी गई हैं। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने ऐलान किया है कि 22 जनवरी के दिन स्कूल-कॉलेजों को बंद रखा जाएगा। साथ ही उस दिन शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी। सरकार की तरफ से सुरक्षा को लेकर भी तमाम व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। राम मंदिर उद्घाटन के लिए तमाम हस्तियां पहुंच रही हैं। मंदिर समिति की ओर से सभी दलों को भी न्योता दिया गया है। साथ ही दुनियाभर के हिन्दू मंदिरों के अलावा चारधाम समेत देश के प्रमुख मंदिरों को आमंत्रण दिया गया है।

त्रेता युग से चला आ रहा नेपाल व भारत का रिश्ता : चंपत राय

चंपत राय ने नेपाल और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते पर जोर दिया, जो त्रेता युग से चला आ रहा है। राय के मुताबिक, नेपाल से आए उपहार भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में बांटे जाएंगे। अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने जनकपुर के लोगों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। जनकपुर के लोग माता सीता के रिश्तेदार माने जाते हैं। राम मंदिर के लिए आ रहे अन्य उपहारों पर नजर डालें तो वडोदरा के विहा भरवाड द्वारा बनाई खास अगरबत्ती भी अयोध्या लाई गई है। यह इतनी बड़ी है कि करीब डेढ़ महीने तक जलती रहेगी। वहीं, सोने की परत चढ़ा 56 इंच का विशाल नगाड़ा भी राम मंदिर में स्थापित किया जाएगा।

कांग्रेस ने ठुकराया प्राण प्रतिष्ठा का न्योता

मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के न्योते को ठुकरा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और सदन में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में खड़गे, सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने स्पष्ट रूप से 'आरएसएस और बीजेपी कार्यक्रम' के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया।

मणिपुर सरकार ने राहुल की यात्रा को दी अनुमति

NEW DELHI : मणिपुर सरकार ने बुधवार को कांग्रेस की 14 जनवरी से प्रस्तावित भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सीमित संख्या में प्रतिभागियों के सा उस मैदान से शुरू करने की अनुमति दे दी जिसकी मांग पार्टी की ओर से की गई थी। कांग्रेस का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी और मणिपुर की सरकार उसकी यात्रा में अवरोध पैदा करना चाहते हैं, लेकिन वह किसी भी सूरत में अपनी यात्रा मणिपुर की राजधानी इंफाल से ही शुरू करेगी। आदेश में आगे बताया गया कि इंफाल ईस्ट जिले के पुलिस अधीक्षक ने एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि कार्यक्रम स्थल पर ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्न के उद्घाटन समारोह के दौरान भारी भीड़ होने की उम्मीद है। राज्य में मौजूदा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, भारी भीड़ होने से कानून एवं व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है।

महाराष्ट्र में CM शिंदे समेत 16 की विधायकी बरकरार

स्पीकर ने कहा- उनका गुट ही असली शिवसेना

AGENCY MUMBAI : महाराष्ट्र में शिवसेना की टूट के 18 महीने और 18 दिन बाद विधायकों की योग्यता से जुड़े विवाद पर विधानसभा स्पीकर ने फैसला दे दिया है। स्पीकर ने 10 जनवरी को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत उनके गुट के 16 विधायकों को अयोग्य करार देने की उद्धव गुट की अपील खारिज कर दी। यानी अब इन सबकी सदस्यता बरकरार रहेगी। इसके साथ ही स्पीकर ने कहा कि शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार शाम 5.11 से 6.57 तक कुल 106 मिनट (1 घंटा 46 मिनट) में 1200 पेज के फैसले से चुनिंदा अंश पढ़े। सुप्रीम कोर्ट ने 14 दिसंबर 2023 को इस मामले में आखिरी सुनवाई की थी। तब स्पीकर के लिए फैसला लेने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर से बढ़ाकर 10 जनवरी कर दी थी। यानी सुप्रीम कोर्ट में आखिरी सुनवाई के 28वें दिन स्पीकर ने अपना फैसला सुनाया।

BRIEF NEWS

समाजसेवी फरीद खान ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

RANCHI : झारखंड अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री हफीजुल हसन अंसारी से झामुमो अल्पसंख्यक रांची जिला अध्यक्ष सह समाजसेवी फरीद खान नेशिष्टाचार मुलाकात की। जिला अध्यक्ष बनने के बाद फरीद खान की मंत्री से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी। फरीद खान ने अपने मनोनयन पर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया। तथा दिए गए दायित्व का निर्वहन निष्ठा व समर्पण भाव से करने का संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता अल्पसंख्यक मोर्चा को मजबूत करना। फरीद खान के साथ मंत्री से मिलने वालो में परवेज आलम गुड्डू, अमन खान, परवेज पप्पू, एहसान, सोनू प्रिंस, आबिद अंसारी, नौशाद, अशफाक, आदि उपस्थित थे।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के लैडर फाउंडेशन ने कंबलों का किया वितरण

RANCHI : इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने पूरे देश में कड़ाके की ठंड को देखते हुए लैडर फाउंडेशन के द्वारा राष्ट्रव्यापी कंबल वितरण की मुहिम के तहत झारखण्ड के सभी जिलों में कंबल का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज मुस्लिम विमेंस लीग की प्रदेश कॉर्डिनेटर शहजादी खातून ने मिल्लत कॉलोनी, रांची में गरीब,बेसहारा और जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया। इस मौके पे शहजादी खातून ने बताया की मुस्लिम लीग हमेशा गरीबों और असहाय लोगों के लिए काम करती आई है और आगे भी करती रहेगी। इस अवसर पर मुस्लिम लीग के प्रदेश कोर्डिनेटर तबरेज अहमद, जिला कॉर्डिनेटर इरशाद रहमान, मो0 जावेद, प्रोफेसर सुजाउद्दीन, मो0 इम्तियाज, मो0 तबरेज उर्फ तब्बू आदि उपस्थित थे।

तीसरे दिन भी चला बुलडोजर हटाया गया अतिक्रमण

PALAMU : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर में अतिक्रमण कार्यों पर नगर निगम का बुलडोजर तेजी से चल रहा है। तीसरे दिन बुधवार को हॉस्पिटल चौक से साहित्य समाज चौक तक नगर निगम द्वारा कार्रवाई की गई। सोमवार को स्टेशन रोड, बेलवाटीका एवं चर्च रोड में कार्रवाई के बाद बाद मंगलवार को सरकारी बस डिपो, होते हुए छहमुहान, बड़ी मस्जिद, थाना रोड, गीता भवन तक अतिक्रमण हटाया गया था। प्रशासन की ओर से पूर्व में दिए गए नोटिस के बावजूद रोड को अतिक्रमण किये हुए लोगों ने गुमटी, खोमचा नहीं हटाया था, इस पर कार्रवाई करते हुए छज्जे, बैनर पोस्टर के अलावा, गुमटीनुमा दुकानों को सड़क किनारे से हटाया गया। साहित्य समाज के पास एक मंदिर कंस्ट्रक्शन का काम रुकवा दिया गया। इधर, साहित्य समाज के पास अतिक्रमण के दौरान एक भारी टेंपो पलट गया, जिसमें बैठे ड्राइवर को हल्की-फुल्की चोट आई।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की बैठक, बोले-

व्यक्तिगत लाभ के लिए मरीज को निजी अस्पताल में किया रेफर तो होगी कार्रवाई

PHOTON NEWS RAMGARH : जिले में स्वास्थ्य विभाग में मरीजों को हर वह सुविधा मिलेगी जो एक निजी अस्पताल में मिलती है। चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी के गायब होने की शिकायत पूरी तरीके से दूर हो जाएगी। डीसी चंदन कुमार ने बुधवार को स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की गई बैठक में स्पष्ट किया कि चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी बायोमेट्रिक मशीन से अपनी हाजिरी लगाएंगे। इस दौरान उपायुक्त में सर्वप्रथम सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद से विगत एक माह में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के तहत किए गए कार्यों की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने विगत एक माह में एंबुलेंस सेवा ₹108₹ के तहत किए गए कार्यों से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल सहित अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीज को अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में इलाज हेतु किए गए रेफर से संबंधित प्रतिवेदन भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सिविल सर्जन सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं से रेफर होने वाले मरीजों पर विशेष ध्यान रखने एवं किसी भी मामले में व्यक्तिगत लाभ लेने के उद्देश्य से बिना किसी ठोस कारण के मरीज को किसी निजी संस्थान आदि में रेफर करने संबंधित मामला सामने आने पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

रामगढ़ जिला अंतर्गत ग्रामीण व अन्य सुदूरवर्ती क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के हेतु उपायुक्त ने संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के संचालन हेतु जमीन चिन्हित कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त में सिविल सर्जन सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को सदर अस्पताल सहित अन्य सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मरीज को मिलेगी उच्च स्तरीय सुविधा

रामगढ़ जिला अंतर्गत सदर अस्पताल सहित अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में उच्च स्तरीय सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध कराने हेतु उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो को वर्तमान में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का आंकलन करते हुए रामगढ़ जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन को लेकर विशेष योजना बनाने का निर्देश दिया।

आयुष्मान भारत योजना की हुई समीक्षा

आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, आयुष्मान मित्रों के माध्यम से आसानी पूर्वक मरीज को लाभान्वित करने का निर्देश दिया वहीं उपायुक्त ने आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना पर विशेष ध्यान देते हुए नियमित रूप से इससे संबंधित बैठक आयोजित कर योजना का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

टीकाकरण के लिए कोल्ड चैन की हो व्यवस्था

नियमित टीकाकरण संबंधित कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने वर्तमान में कोल्ड चेन आदि की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए वैक्सीन स्टोरेज का कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रसव के दौरान महिलाओं व नवजात बच्चों के मृत्यु आदि की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने मृत्यु के कारणों का पता लगाते हुए संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।कुपोषण उन्मूलन अभियान अंतर्गत संचालित एमटीसी केंद्रों आदि की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पतरातू प्रखंड अंतर्गत एमटीसी केंद्र का संचालन पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर में करने को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा के क्रम में आवश्यक निर्देश दिए।

डीसी ने ईवीएम डेमोंस्ट्रेशन सेंटर का किया उद्घाटन, वैन को किया रवाना

बटन दबाकर ईवीएम सेंटर का उद्घाटन करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग के निदेर्शानुसार पूरे राज्य में मतदाताओं को ईवीएम के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 10 जनवरी से 28 फरवरी तक ईवीएम डेमोंसट्रेशन केंद्र एवं मोबाइल डेमोंसट्रेशन वैन के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना है। इसी क्रम में बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय स्थिति ईवीएम डेमोंसट्रेशन सेंटर का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही ईवीएम मोबाइल डेमोंसट्रेशन वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त एवं जिले के अन्य वरीय पदाधिकारियों ने मॉक पोल करते हुए डेमोंसट्रेशन का जायजा भी लिया।

ज्ञात हो कि पूरे जिले में डेमोंसट्रेशन के लिए दो ईवीएम डेमोंसट्रेशन सेंटर एक समाहरणालय एवं एक अनुमंडल कार्यालय में स्थापित किए गए हैं। वहीं लोगों को ईवीएम के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दो ईवीएम मोबाइल डेमोंसट्रेशन वैन है। जिसमें एक वैन पूरे रामगढ़ जिले के सभी बूथों में जाकर लोगों को जागरूक करेंगी। एक सिर्फ पतरातू तथा मांडू प्रखंड के बूथों को कवर करेगी। मौके पर उप विकास आयुक्त रामगढ़, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, अंचल अधिकारी पतरातू, आईटी मैनेजर सहित उपस्थित थे।

एनएच-98 को जाम करने के मामले में 13 गिरफ्तार, 38 नामजद व 150 अज्ञात पर केस

PHOTON NEWS PALAMU : 2-13 नेशनल हाईवे-98 डालटनगंज-औरंगाबाद मुख्य पथ को घंटों जाम रखने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। मंगलवार रात और बुधवार को की गई कार्रवाई के दौरान जहां 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं 38 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिक दर्ज की गई है। 150 अज्ञात के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। हिट एंड रन कानून के खिलाफ छतरपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे-98 बाईपास में उदयगढ़ मोड़ एवं सड़क के समीप वाहन चालकों एवं ग्रामीणों के द्वारा सड़क जाम किया गया था। मंगलवार सुबह से लेकर शाम तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया गया था। इस क्रम में सैकड़ो वाहन नेशनल हाईवे पर फंस गए थे। वहीं कई स्तरों पर प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद भी आंदोलनकारी चालकों एवं ग्रामीणों ने सड़क से जाम नहीं हटाया था।

एसपी रीष्मा रमेशन ने बुधवार को बताया कि नियम विरूद्ध भीड़ इकट्ठा कर राष्ट्रीय राजपथ को जाम कर वाहनों की आवाजाही रोकने, आगजनी कर राष्ट्रीय राजपथ को क्षति पहुंचाने, सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त करने और पुलिस बल पर जानलेवा हमला करने के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। 38 नामजद और 150 अज्ञात पर केस छतरपुर थाना में दर्ज हुआ है। घटनास्थल से चार नामजद आरोपी पीपरा थाना क्षेत्र के चपरवार निवासी प्रदीप कुमार यादव (26), विजेन्द्र यादव (22), लालबाबू यादव (24) व छत्तरपुर उदयगढ़ के प्रदीप कुमार सिंह (51) को गिरफ्तार किया गया। वहीं अनुसंधान के क्रम में घटना में शामिल नौ अन्य अभियुक्त नागबाबा निवासी मनीष प्रजापति (30), मंगलदीप कुमार (19), कउवल निवासी सनोज यादव (20), तेनुडीह का पवन कुमार यादव (22), रवि यादव (24), बगैया का प्रमोद यादव (35), रामगढ़ का दीपक जयसवाल (19), राकेश सिंह (21), गुड्डू पटेल (25) को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस की गिरफ्त में सभी 13 आरोपी। ● फोटोन न्यूज

पलामू में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर हुई प्रशासनिक बैठक

PHOTON NEWS PALAMU : जिले में गणतंत्र दिवस समारोह मनाये जाने को लेकर बुधवार को प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि आनंद ने कहा कि पलामू जिला मुख्यालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय पुलिस स्टेडियम मेदिनीनगर में आयोजित किया जाएगा। जहां मुख्य अतिथि सुबह 9.05 बजे झंडोतोलन करेंगे। परेड और झांकियों के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने सभी आवश्यक तैयारियों को ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही झांकियों को आकर्षण रूप देने की बात कही।

बैठक में निर्णय लिया गया कि मुख्य समारोह के बाद प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय एवं पुलिस उप महानिरीक्षक कार्यालय में पूर्वाहन 10 बजे, पलामू समाहरणालय में पूर्वाहन 10.20 बजे, पलामू क्लब में पूर्वाहन 10.45 बजे और रेड क्रॉस भवन में पूर्वाहन 11 बजे झंडोत्तोलन होगा। इसके बाद सभी संबंधित कार्यालय प्रधान अपने-अपने कार्यालयों में झंडोत्तोलन करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों जैसे खेल, सामाजिक, विकास सहित अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा। गणतंत्र दिवस परेड में आई.आर.बी, जिला बल,गृह रक्षा वाहिनी, एनसीसी आदि के टुकड़ी भाग लेंगे।

नगर निगम के द्वारा शहर की विशेष साफ-सफाई की जायेगी। महापुरुषों की प्रतिमा की विशेष सफाई होगी। गणतंत्र दिवस के दिन पूरे जिले में मांस-मदिरा की बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी।

बैठक में शामिल उप विकास आयुक्त रवि आनंद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

फातिमा ओल्ड बॉयज एंड गर्ल्स एलुमनी मेगा मीट का अयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : फातिमा गर्ल्स एंड बॉयज एकेडमी इटकी रांची (जैक) झारखंड एकेडमिक काउंसिल से मान्यता प्राप्त स्कूल हैं। इस स्कूल की स्थापना 8 जनवरी 1998 को डॉक्टर तबस्सुम फातिमा के द्वारा घर की जेवर बेचकर किया गया था। शुरूआती समय में स्कूल दो कमरों के किराए के मकान पर 17 बच्चों के साथ शुरू किया गया था। इस स्कूल का पहला ओल्ड बॉयज एंड गर्ल्स एलुमनी मेगा मीट की अयोजन आज फातिमा गर्ल्स एके-डमी ग्लोबल एलुमनी एसोसियेशन के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस आयोजन में देश दुनिया में रहने वाले स्कूल के 23 सत्र के 300 से ज्यादा छात्र एक जगह जमा हुए और अपनी-अपनी उपलब्धियां की चर्चा करते हुए छात्र जीवन से जुड़े अनुभवों को साझा किया। इस एलुमनाई मीट के मुख्य अतिथि मजलिसे उलेमा झारखंड के अध्यक्ष मौलाना साबिर हुसैन मजाहिरी, विशिष्ट अतिथि सैयद अबुदुल्लाह एकबाल झारखंड हेड एसोसियासन आफ मुस्लिम प्रोफेशनल, मजलिसे उलेमा झारखंड के सचिव मुफ्ती तल्हा नदवी, स्कूल के निदेशक मौलाना नसीम अहमद नदवी और स्कूल की संस्थापक और प्रिंसिपल डॉक्टर तबस्सुम फातिमा मौजूद थी।

गुमला में 14 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक धराया

GUMLA : पुलिस ने खोरा पतराटोली गांव में एक आरोपित को ब्राउन शुगर बेचते गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया है। उसके पास से 14 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन बरामद किया गया। गुमला के एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि खोरा पतराटोली गांव में एक लड़का नशीला पदार्थ बेच रहा है। इस पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष चंद्र लाल के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। दल ने आरोपी को पकड़ लिया। छापेमारी दल में गुमला थाना के पुअनि मो. मोज्जमिल, सअनि रविन्द्र मिश्रा व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सात साल बाद धनबाद-चंद्रपुरा पैसेंजर ट्रेन का परिचालन फिर हुआ शुरू, खुशी से झूमे लोग

PHOTON NEWS DHANBAD : करीब सात वर्ष बाद बुधवार से धनबाद चंद्रपुरा पैसेंजर ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया। 15 जून 2017 को आग का खतरा बताकर इसका परिचालन बंद कर दिया गया था। इसके बाद एक बार फिर से इस ट्रेन का परिचालन शुरू होने से लोगों में खुशी का माहौल है।

चंद्रपुरा स्टेशन से चलकर डीसी पैसेंजर ट्रेन जैसे ही कतरास गढ़ रेल स्टेशन पहुंची स्थानीय लोग खुशी से झूम उठे। वहीं मौके पर मौजूद सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने ट्रेन के चालक और गार्ड का स्वागत किया। इसके बाद विधायक ढुल्लू महतो और गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने उक्त ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर धनबाद के लिए रवाना किया।

कतरासगढ़ स्टेशन पर इस डीसी ट्रेन का ठहराव पूर्व की भांति ही रहेगा, जिससे लोगों में हर्ष का माहौल है। मौके पर मौजूद सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि इस डीसी रेल लाइन पर 26 जोड़ी ट्रेन बन्द होने के पूर्व चलती थी। अब धीरे धीरे उन सभी ट्रेनों का परिचालन फिर से शुरू किया जा रहा है। आज हम सभी को डीसी ट्रेन भी मिल गई है। इसके लिए उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री जन हित भावना को देखते हुए कार्य कर रहे है।

वहीं विधायक ढुल्लू महतो ने कहा कि जो लोग डीसी रेल लाइन पर खतरा बता इसके बन्द होने की आशंका जाहिर कर रहे है, जो लोग इस रेल लाइन के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे है। उनलोगों को यह पता होना चाहिए कि केंद्र सरकार कतरासगढ़ स्टेशन के सौंदीयकरण के लिये 50 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। इसके सौंदीयकरण को लेकर कार्य भी शुरू हो चुका है।

ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर धनबाद के लिए रवाना करते सांसद व विधायक। ● फोटोन न्यूज

भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल व सिंचाई उपलब्ध कराने के लिए मिली योजना की स्वीकृति

पलामू जिले के आठ प्रखंडों को मिलेगा पानी

PHOTON NEWS PALAMU : अल्पवृष्टि से हर वर्ष जूझने वाले पलामू जिले को भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से विभिन्न जलाशयों-जल निकायों में आवश्यकता अनुसार पेयजल एवं सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने के लिए योजना की स्वीकृति दी गयी है। 456 करोड़ 62 लाख 61 हजार में इस योजना को तैयार किया जायेगा। दो वर्ष के भीतर इस योजना को पूर्ण कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

उतरी कोयल, औरंगा एवं सोन नदी से 31.397 एमसीएम जल लिफ्ट कर भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से पलामू जिले के 8 प्रखंडों को पानी दिया जाएगा। इनमें से 1.926 एमसीएम जल पेयजल के लिए उपलब्ध कराया जायेगा। राज्य सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह जानकारी सांसद वीडी राम ने सुदना स्थित आवास पर बुधवार को पत्रकारों को दी।

मीडिया को जानकारी देते सांसद बीडी राम। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि वे पिछले पांच वर्ष से इस योजना के लिए प्रयास कर रहे थे। पलामू एवं गढवा अकाल और सुखाड़ से प्रभावित रहता है। पलामू प्रमंडल में औसत वर्षापात 1163 एमएम है। ऐसे में भूमिगत पाइपलाइन योजना से जलाशयों को भरकर सिंचाई एवं पेयजल के लिए पानी उपलब्ध कराया जायेगा। योजना से चैनपुर, मेदिनीनगर, सतबरवा, विश्रामपुर, हुसैनाबाद, हैदरनगर एवं मोहम्मदगंज प्रखंड लाभांवित होंगे।

सांसद ने कहा कि सोन नदी से 7.47 एमसीएम पानी देवरीकला से लिफ्ट किया जायेगा और छतरपुर के बतरे एवं सुखनदिया व करमाकलन डैम विश्रामपुर के धनकई और तालीडैम को पानी मिलेगा। साथ ही पाइपलाइन के मार्ग में पड़ने वाले छोटे बड़े जलाशय को भी पानी दिया जायेगा। उतरी कोयल से चैनपुर के कल्याणपुर में पानी लिफ्ट कर रानीताल, टेमराइन एवं बुटनडूबा डैम के अलावा पाइपलाइन के मार्ग में आने वाले मेदिनीनगर के छोटे बड़े जलाशय को पानी मिलेगा।

इसी तरह से औरंगा नदी से

युवा मोर्चा ही भारतीय जनता पार्टी का ब्रांड एंबेसडर : दुर्गेश

PALAMU : भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) डालटनगंज विधानसभा की बैठक बीजेपी जिला कार्यालय में हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ज्योति पांडेय ने की। बैठक में मुख्य अतिथि युवा मोर्चा बिहार प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान में झारखंड प्रभारी दुर्गेश कुमार उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। बैठक में अध्यक्ष पांडेय ने बताया कि आगामी 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को युवा मोर्चा युवा दिवस के रूप में देश भर में मना रहा है। इसको लेकर मंडल स्तर पर कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगामी 24 जनवरी को जिले के पांचों विधानसभा में नव मतदाताओं का सम्मेलन प्रस्तावित है, इसको लेकर कई स्तर की तैयारी की जा रही है। बैठक में झारखंड प्रभारी दुर्गेश कुमार ने बताया कि युवा मोर्चा ही भारतीय जनता पार्टी का ब्रांड एंबेसडर है। मोर्चा कार्यकर्ता आगामी नव मतदाता सम्मेलन को सफल करने के लिए शिक्षण संस्थान संपर्क, डोर टू डोर संपर्क करते हुए नव मतदाता सूची बनाकर सम्मेलन को सफल बनाएं। युवा मोर्चा 24 जनवरी को देश भर में एक साथ सभी विधानसभाओं में नव मतदाता सम्मेलन आयोजित कर रहा है। मोर्चा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने के लिए संकल्प बद्ध हैं।

फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

झारखंड राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन हो : दीपेश निराला

PHOTON NEWS RANCHI : फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला ने अपने पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ राजभवन में माननीय राजपाल सीपी राधाकृष्णन को झारखंड राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन के लिए एक मांग पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि उनका संगठन राज्य के व्यापारियों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और सर्विस प्रोवाइडर्स के कल्याणार्थ कार्य कर रहा है। झारखंड में व्यापारियों और उनके समुदाय से जुड़ी अनेकों समस्याएं हैं, जिससे दिन प्रतिदिन व्यापारी जूझ रहे हैं। जिनके लिए राज्य में कोई भी विशेष प्राधिकार का गठन अब तक नहीं हुआ है, इसलिए वे उक्त आलोक में झारखंड राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की मांग करते हैं। वर्तमान में राजधानी रांची सहित धनबाद जिले और राज्य भर के जो व्यापारी लगातार विभिन्न आपराधिक हमले के शिकार हो रहे हैं, जिसके कई उदाहरण भी सामने आए हैं, जिसमें व्यापारियों की दिनदहाड़े हत्याएं कर दी गई है और उन्हें लगातार धमकी दे रंगदारी मांगने की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने बताया है कि कई मामलों में तो देखा गया है कि उक्त व्यापारियों ने पुलिस को इसकी पूर्व सूचना भी लिखित रूप में दी हैं, लेकिन फिर भी घटनाएं घटित हो जा रही हैं, ऐसे मामलों में कठोरता से रोक लगवाते हुए इन्हें नियंत्रित करवाने की मांग की। व्यापारी समाज राज्य और देश के आर्थिक विकास की धुरी हैं और इनके बिना कोई भी प्रांत आर्थिक रूप से विकसित नहीं हो सकता है, ऐसे में अगर व्यापारी समुदाय को भयमुक्त वातावरण प्रदान नहीं किया जाएगा तो राज्य का आर्थिक विकास जितना होना चाहिए उतना हो पाना संभव नहीं होगा।

पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला के साथ उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, महासचिव सत्येंद्र प्रसाद सिंह, लॉ एंड ऑर्डर कमेटी के को-चेयरमैन हरीश नागपाल और कार्यकारिणी सदस्य संगीता अग्रवाल सम्मिलित हुए।

राज्यपाल को ज्ञापन देते व्यापार संगठन का प्रतिनिधि मंडल। ● फोटोन न्यूज

जमीन विवाद में फायरिंग, पुलिस ने 5 अपराधियों को किया गिरफ्तार

पांच आरोपी फरार, दस अपराधियों ने छह राउंड की थी फायरिंग

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र के इंसलरी चौक के पास मंगलवार देर रात जमीन विवाद को लेकर फायरिंग की वारदात को आजम दिया गया है। इस गोलीबारी में हालांकि कोई घायल नहीं हुआ है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सौरभ कुमार सिंह, अमन मिश्रा, प्रखर रंजन, अश्विनी रजवार उर्फ जट्टू व सन्नी सिंह शामिल हैं। इसके साथ ही तीन कार (हुंडई क्रेटा, महिंद्रा एक्यूवी, महिंद्रा स्कार्पियो) जब्त किये हैं। इसके अलावा पुलिस ने तीन जिंदा गोलियां भी बरामद की गई है। हालांकि जिस हथियार से फायरिंग की गयी है, वह नहीं मिल पायी है। पूरे मामले की जानकारी रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता।

- घटना के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया
- फरार अपराधियों की तलाश में छापेमारी जारी
- तीन जिंदा गोलियां बरामद, तीन गाड़ियां भी जब्त
- जिस हथियार से फायरिंग हुई, वो नहीं हो सकी है बरामद

मंगलवार रात 11 बजे की घटना : इंसलरी चौक के पास मंगलवार देर रात 11 बजे आनंद कुमार सिंह उर्फ कालू के घर पर पांच काली चार पहिया वाहन गाड़ियों पर सवार होकर लगभग दस अपराधियों ने जानलेवा हमला करते हुए छह राउंड फायरिंग किया गया था। गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से कई खोखा बरामद किये। घटना के 12 घंटे के अंदर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पांच अपराधी अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि आनंद कुमार सिंह व अमन मिश्रा के बीच जमीन को लेकर में पुराना विवाद चल रहा था। इसी कारण से घटना को अंजाम दिया गया।

बढ़ते रंगदारी मामलों के लिए पुलिस ने बनाया एक्शन प्लान

रांची में एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वॉड का गठन

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची सहित आसपास के जिलों में हाल के दिनों में एक्सटॉर्शन के मामले बढ़े हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि रांची में रहने वाले कारोबारी को अगर रांची से बाहर धमकी मिल रही है तो उसकी सूचना रांची पुलिस के पास नहीं रहती है। ऐसे में पुलिस के द्वारा रांची में वैसे लोगों को सुरक्षा उपलब्ध करवा पाना मुश्किल भरा काम रहता है। इस तरह के मामलों में सुरक्षा में चूक होती है जिसकी वजह से हाल के दोनों कई कारोबारियों पर हमले हुए, जिसमें कुछ की मौत तक हो गई। ऐसे मामलों पर ब्रेक लगाने के लिए पुलिस के द्वारा प्रयास शुरू कर दिया गया है। रांची डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति को चतरा में धमकी मिल रही है और वहां के किसी थाने में उसके द्वारा मामला दर्ज करवाया गया है और वह व्यक्ति अगर रांची का रहने वाला हो, तो चतरा पुलिस की यह जिम्मेदारी होगी कि वह रांची पुलिस को भी इस मामले की पूरी जानकारी दें। ताकि रांची में स्थानीय थाने को अलर्ट किया जा सके। वहीं दूसरी तरफ राजधानी रांची में एक्सटॉर्शन की बढ़ती वारदातों पर ब्रेक लगाने के लिए एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड का गठन किया गया है। पुलिस आदेश में यह बताया गया है कि विगत कुछ दिनों से यह देखा जा रहा है कि आए दिन अज्ञात अपराधियों के द्वारा व्हाट्सएप से वीडियो कॉल, मोबाइल कॉल, मैसेज तथा पत्र के माध्यम से किसी बड़े अपराधी और सक्रिय उग्रवादी के नाम पर जमीन कारोबारी, कोयला कारोबारी तथा अन्य से रंगदारी मांगी जा रही है। रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी और जानलेवा हमले तक किए जा रहे हैं।

सिटी डीएसपी करेंगे टीम को लीड

एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड को रांची के सिटी एसपी दीपक कुमार लीड करेंगे। वहीं, टीम के बाकी सदस्यों में डोरंडा थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद, अरगोड़ा थाना प्रभारी बृज कुमार, सुखदेव नगर थाना प्रभारी विनोद कुमार, रातू थाना प्रभारी आभाष कुमार, रातू थाना प्रभारी सपन कुमार महता के साथ साथ एसएसपी क्यूआरटी और टेक्निकल सेल के अफसरों और जवानों को शामिल किया गया है।

BRIEF NEWS

हाईकोर्ट के वकील पिछले 48 घंटों से लापता, पैसा लेने गए थे हटिया

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता सतीश कुमार सिंह लगभग 48 घंटों से लापता हैं। वह डोरंडा थाना क्षेत्र के साउथ ऑफिस पाड़ा के आनंदम अपार्टमेंट में रहते हैं। अधिवक्ता सतीश कुमार सिंह के लापता होने के बाद उनके परिजनों ने डोरंडा थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया है। जिसपर पुलिस जांच कर रही है। उनके परिजनों के मुताबिक, सतीश सिंह किसी उपेंद्र नाम के व्यक्ति के पास पैसा लेने के लिए घर से करीब 4:30 बजे निकले, जिसके बाद करीब 6.30 बजे शाम उन्होंने घर पर फोन कर बताया कि वे हटिया में हैं और पैसा मिलते ही घर आ जाएंगे। लेकिन उसके बाद फोन ऑफ हो गया और वह अब घर नहीं लौटे।

अधिवक्ता हत्याकांड के आरोपियों को नहीं मिली बेल

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट के दिवंगत अधिवक्ता मनोज झा की हत्या के आरोपी अफसर आलम ऊर्फ छोटू उर्फ लंगड़ा और शोभराज महतो को बेल देने से हाईकोर्ट ने तीसरी बार इनकार कर दिया है। लंगड़ा ने अपने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। जिसपर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद अदालत ने लंगड़ा की याचिका खारिज कर दी। बता दें कि वर्ष 2021 में रांची सिविल कोर्ट के वकील मनोज झा की तमाड़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में कई लोगों को आरोपी है। सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। दिवंगत अधिवक्ता मनोज झा के परिजनों की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता हेमंत शिकरवार ने बहस की। इस केस में बहस के लिए अधिवक्ता हेमंत शिकरवार कोई फीस नहीं ले रहे हैं।

बिस्कोमान एमडी झारखंड हाईकोर्ट में हुए हाजिर

RANCHI : कर्मी को सेवानिवृत्ति लाभ नहीं दिये जाने मामले में बुधवार को बिस्कोमान एमडी वर्चुअल रूप से झारखंड हाईकोर्ट में उपस्थित हुए। न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की कोर्ट ने बिस्कोमान के मैनेजिंग डायरेक्टर को पुनः 12 जनवरी को वर्चुअली उपस्थित होने का निर्देश दिया। साथ ही प्रार्थी को बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित करने एवं मामले में जवाब दायर करने का भी निर्देश दिया। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान एमडी बिस्कोमान की ओर से कोर्ट में सशरीर उपस्थिति की बजाय वर्चुअल उपस्थित सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट में पिटीशन दाखिल किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें अगली सुनवाई में वर्चुअल रूप से उपस्थित रहने को कहा है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन राममय होगी राजधानी

RANCHI : इन दिनों सभी की जुबान पर अयोध्या धाम की चर्चा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अयोध्या धाम में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोर शोर से चल रही है। पूजन प्रक्रिया का शुभारंभ 16 जनवरी से ही हो जाएगा। इस विश्व प्रसिद्ध अनुष्ठान को यादगार बनाने के लिए रांची के तमाम धार्मिक संगठनों ने भी तैयारी शुरू कर दी है। विश्व हिन्दू परिषद के झारखंड प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद ने बताया कि 21 जनवरी से ही राज्य के सभी मंदिरों में भजन कीर्तन शुरू हो जाएगा। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मंदिरों में रामकथा, आरती के बाद प्रसाद वितरण का भी आयोजन होगा। इसके बाद शाम के वक्त दीपोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता घर-घर जाकर दीपोत्सव के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। सभी लोगों के बीच अक्षत का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा 22 जनवरी को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर कारसेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

अपहृत नाबालिग कोलकाता से सकुशल बरामद, दो गिरफ्तार

नाबालिग को प्रेम जाल में फंसा किया था अपहरण

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के बरियातू थाना क्षेत्र से 30 दिसंबर को स्कूली छात्रा का अपहरण हुआ था। मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग छात्रा को कोलकाता से बरामद कर लिया है। साथ ही अपहरण में संलिप्त अरबाज और माजिद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि इस मामले में एक महिला आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से दूर है। जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। जानकारी के अनुसार बरियातू थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग छात्रा को पहले प्रेम जाल में फंसाया गया और फिर उसका अपहरण किया गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई और दो आरोपियों अरबाज को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस मामले में एक महिला के भी संलिप्त होने की बात सामने आई है। जिसकी तलाश पुलिस फिलहाल कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार माजिद ने इस पूरे अपहरण की साजिश रची थी। साथ ही इसमें अरबाज और एक महिला का भी सहयोग लिया गया था। अरबाज के माध्यम से नाबालिग लड़की को महिला के पास पहुंचाया गया था। जिसके बाद महिला नाबालिग लड़की को कार में बिठाकर कोलकाता ले गई थी।

गिरफ्तार आरोपी।

सेवा से गायब रहने वाले डॉक्टरों का रद्द होगा रजिस्ट्रेशन

RANCHI : स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के उन सरकारी डॉक्टरों पर गाज गिराने की तैयारी कर ली है, जो झारखंड स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति के बाद बिना किसी सूचना के सेवा से गायब हो गये या फिर किसी कारण से सेवा नहीं दी। डॉक्टरों को न सिर्फ नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा, बल्कि उनके मेडिकल लाइसेंस भी रद्द कर दिए जाएंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, लाइसेंस रद्द करने के लिए पहले चरण में झारखंड के स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे 24 डॉक्टरों के नामों की सूची भी झारखंड राज्य मेडिकल बोर्ड को भेज दी है। झारखंड सरकार द्वारा भेजे गए पत्र के आलोक में झारखंड राज्य मेडिकल काउंसिल ने उन सभी डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिनका लाइसेंस रद्द करने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग ने दिया है। झारखंड राज्य मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे कुल 24 डॉक्टरों के नामों की सूची भेजी थी।

हाजत में युवक की खुदकुशी के विरोध में आदिवासी संगठनों ने लालपुर चौक फिर किया जाम, हंगामा

हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रर्दशन, 4 घंटे यातायात रही बाधित

CRIME REPORTER RANCHI : उत्पाद विभाग कार्यालय में युवक की संदिग्ध मौत मामले में आदिवासी समाज के विभिन्न संगठनों ने बुधवार को फिर लालपुर चौक जाम किया। विभिन्न आदिवासी संगठनों के लोगों ने सुबह 9 बजे से ही लालपुर चौक में विरोध-प्रदर्शन किया और नितेश लोहरा के हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग की। विरोध-प्रदर्शन की वजह से करीब चार घंटे तक सड़क जाम रहा। लालपुर चौक से जेल चौक, कोकर रोड, डंगरा टोली रोड और अलबर्ट एक्का चौक तक गाड़ियां रेंगती रही। हालांकि एंबुलेंस को जाम से मुक्त रखा गया। नितेश लोहरा की बहन प्रभा लोहरा ने उत्पाद विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि परिजनों का इंतजार किये बिना ही शव को सदर अस्पताल भेज दिया गया। राजेश लिंडा ने कहा कि आबकारी विभाग आदिवासी समाज के गरीब परिवार को घर से उठाने का काम कर रहा है।

लालपुर चौक को जाम कर हंगामा करते लोग।

आश्वासन के बाद पीछे हटे प्रदर्शनकारी

सड़क जाम करने की सूचना पर सिटी डीएसपी दीपक कुमार और थाना प्रभारी लालपुर चौक पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। लेकिन आदिवासी संगठनों के लोग नहीं माने। इसके बाद सिटी एसपी राजकुमार मेहता वहां पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों से बात की। सिटी एसपी ने नितेश लोहरा के परिजनों को तीन लाख का मुआवजा देने का आश्वासन दिया। साथ ही लोहरा की मौत की जांच कराने की बात कही। इसके बाद 1.30 बजे प्रदर्शनकारी पीछे हटे और प्रदर्शन समाप्त किया। बता दें कि सात जनवरी को भी नितेश लोहरा के शव के साथ परिजनों ने लालपुर चौक को जाम कर दिया था और प्रशासन और सरकार से न्याय की मांग कर रहे थे।

क्या है पूरा मामला

इससे पहले सात जनवरी को परिजनों ने नितेश लोहरा के शव के साथ लालपुर चौक को जाम कर दिया था। मालूम हो कि शनिवार को उत्पाद विभाग की टीम ने उसे गिरफ्तार किया था। डंगरा टोली के रहने वाले नितेश लोहरा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चार लोगों को पाइन लेने के बाद छोड़ दिया गया। नितेश को उत्पाद भवन के हाजत में बंद कर दिया गया। कथित तौर पर उसने शनिवार की शाम को हाजत के बाथरूम में लगे हुक में फंदा डालकर उससे झूल गया। बताया गया कि उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने आनन-फानन में नितेश लोहरा को सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रांची के सहायक उत्पाद आयुक्त ने विभाग के दो पदाधिकारियों की अगुवाई में एक जांच टीम का गठन कर दिया।

सुप्रीमो दिनेश गोप की संपत्ती की राज उगलवाएगी ईडी, कोर्ट से मांगा रिमांड

CRIME REPORTER RANCHI : मनी लांड्रिंग के आरोप में पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी निवेश कुमार से पूछताछ के लिए ईडी ने बुधवार को पांच दिनों की रिमांड ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय से मांगी है। बुधवार को ईडी की रिमांड पिटीशन पर आंशिक सुनवाई हुई। इस दौरान निवेश की ओर से उपस्थित अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप ने पांच दिनों की रिमांड मांगे जाने का विरोध किया जबकि ईडी की ओर से उपस्थित विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने कहा कि निवेश से पूछताछ जरूरी है। इसलिए पांच दिनों की रिमांड की मंजूरी दी जानी चाहिए। इससे पूर्व गत आठ जनवरी को ईडी ने कोर्ट के माध्यम से ईडी ने निवेश को मेमो ऑफ अरेस्टिंग दिया था। इसके बाद बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया था। एनआईए ने पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया उग्रवादी संगठन के खिलाफ झारखंड सहित चार राज्यों में 15 दिसंबर को छापेमारी की थी। इस दौरान एनआईए ने दो आरोपियों निवेश कुमार और सोनू पंडित उर्फ रमण को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने पीएलएफआई उग्रवादी संगठन से जुड़े झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश और नई दिल्ली में कुल 23 स्थानों की तलाशी ली थी। इनमें झारखंड में 19 स्थान (गुमला, रांची, खूंटी, सिमडेगा, पलामू और पश्चिमी सिंहभूम जिले), बिहार और मध्य प्रदेश में एक-एक स्थान और नई दिल्ली में दो स्थान शामिल हैं। एनआईए ने जिन आरोपितों और संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई की, वे सभी झारखंड में पीएलएफआई के कैडर और समर्थक थे। वे हिंसक वारदातों और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में शामिल थे।

बैठा की इलेक्शन पिटीशन पर आज भी होगी सुनवाई

RANCHI : 2019 विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा सीट पर कांग्रेस की टिकट से उम्मीदवार रहे सुरेश बैठा की इलेक्शन पिटीशन पर बुधवार को हाईकोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी सुरेश बैठा की ओर से अदालत को बताया गया कि किसी भी व्यक्ति को आरक्षण का लाभ उसी राज्य में मिलता है, जिसमें उसका जन्म हुआ है,समरी लाल के नामांकन के समय ही आपत्ति की गई थी और किसी भी गवाह ने अपने बयान में इस बात का समर्थन नहीं किया कि वे यहां के निवासी हैं। अब इस मामले में अदालत गुरुवार को सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता सुरेश बैठा की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता विभास सिन्हा और अविनाश अखौरी ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा। वहीं समरी लाल की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष और सूरज किशोर प्रसाद ने पक्ष रखा।

जस्टिस एलपीएन शाहदेव की पुण्यतिथि पर नेता प्रतिपक्ष ने दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस मुक्त भारत की परिकल्पना के सबसे बड़े सूत्रधार हैं राहुल गांधी : अमर

PHOTON NEWS RANCHI : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सूचना भवन कांके के पास जस्टिस एलपीएन शाहदेव की पुण्यतिथि पर बुधवार को उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद कहा कि वास्तव में कांग्रेस की यह यात्रा न्याय यात्रा नहीं, बल्कि अन्याय यात्रा है। राहुल गांधी ने जब पिछली बार भारत जोड़ो यात्रा की थी तो उसका लगभग 90 प्रतिशत का लाभ भाजपा को हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कांग्रेस मुक्त भारत की परिकल्पना के सबसे बड़े सूत्रधार राहुल गांधी ही हैं। असल में कांग्रेस की न्याय यात्रा अपने अन्याय को छिपाने के लिए है। यदि कांग्रेस चाहती तो वर्षों पहले झारखंड राज्य अलग हो गया होता लेकिन कांग्रेस ने ऐसा होने नहीं दिया। कांग्रेस अपने अन्याय, करतूतों को छिपाने के लिए ही यह न्याय यात्रा कर रही है। बाउरी ने झारखंड के पुत्र और झारखंड आंदोलन में अपनी अग्रिम भूमिका निभाने वाले जस्टिस एलपीएन शाहदेव की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया।

जस्टिस एलपीएन शाहदेव को श्रद्धांजलि देते नेता प्रतिपक्ष व अन्य।

इंडिया आकार भारत के खिलाफ ही खेलना हमारे लिए बेहतरीन मौका : कोच वैलेंटिन अल्टबर्ग

जर्मनी ने दूसरे अभ्यास मैच में भारत को 4-2 से हराया

PHOTON NEWS RANCHI : मोरहाबादी के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में 13 जनवरी से एचआइएफ हॉकी ओलिंपिक क्वालिफायर के मैच होना है। रांची पहुंच चुकी सारी टीमें अपनी तैयारी में जुट चुकी हैं। खुद को बेहतर बनाने के लिए टीमें जहां अभ्यास कर रही हैं, वहीं खुद को परखने के लिए टीमें आपस में अभ्यास मैच खेल रही हैं। मंगलवार को इस कड़ी में दो मैच खेले गये। पहला मैच जापान और यूएसए के बीच एक बजे से खेला गया। पूरे समय तक दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ कोई गोल नहीं कर सकीं। वहीं दूसरे अभ्यास मैच में जर्मनी ने भारत को 4-2 से हराया। जर्मनी की टीम ने बुधवार को मीडिया के साथ बातचीत की और अभ्यास मैच के दौरान आई कठिनयों और चुनौतीयों के बाते में सभी को बताया। वहीं जर्मनी के कोच ने कहा भारत आकार भारत के खिलाफ ही खेलना हमारे लिए बेहतरीन मौका है। जब भारतीय टीम जर्मनी आई थी तब हमने बेहतरीन मैच खेला था और डांस किया था। ऐसे ही बेहतरीन मैच की उम्मीद हम इस टूनार्मेंट में भी करते हैं। एफआईएच हॉकी ओलंपिक्स क्वालीफाईइंग मैच खेलने के लिए रांची पहुंची जर्मनी की टीम के कोच वैलेंटिन अल्टबर्ग और कैप्टन नाइक लौरेंज ने मीडिया से बातचीत की। वहीं अपने भारत आने के अनुभव पर कोच कहते हैं कि 'भारत आकर भारत के खिलाफ ही खेलना हमारे लिए बेहतरीन मौका है। हालांकि यहां आने से हमारे समय और मौसम में काफी बदलाव हुआ है, जो हमारे लिए चैलेंज हैं। लेकिन पिछली गर्मियों में टीम इंडिया जर्मनी आई थी। हमने बेहतरीन मैच खेला था और डांस किया था। ऐसे ही बेहतरीन मैच की उम्मीद हम इस टूनार्मेंट में भी करते हैं।'

पत्रकारों के बातचीत करते जर्मनी के कोच व कैप्टन नाइक लौरेंज।

नई जगह नई चुनौती लेकर आती है : नाइक

पिच पर खेलने में आ रही कठिनाइ पर कैप्टन कहती हैं यह पिच बहुत बाउंसी है। कई बार बॉल डाइवर्ट हो जाती है। लेकिन हम धीरे-धीरे इसके आदि हो रहे हैं। वह आगे कहती है कि हर नई जगह एक नई चुनौती लेकर जरूर आती है। हमारे लिए भी है लेकिन प्रैक्टिस के साथ हम इससे निकल जाएंगे। वहीं, कोच कहते हैं कि हमारे लिए ये मायने नहीं रखता है कि हमने पहले के और टूनार्मेंट में कितना बेहतर प्रदर्शन किया हो। हमारे लिए ये क्वालिफाइंग टूनार्मेंट जरूरी है। तो हम बिल्कुल नए सिरे से ये टूनार्मेंट खेलना चाहते हैं। कोच आगे कहते हैं कि टूनार्मेंट में जीत को लेकर हम पूरी तरह से आस्वस्त नहीं हैं। हम बस बेहतर गेम खेलना चाहते हैं और बाकी टीमों को कड़ी टक्कर देना चाहते हैं।

नारकोटिक्स जांच के लिए दूसरे लैब पर निर्भरता होगी कम

गृह विभाग से ₹37.68 लाख की मिली स्वीकृति

CRIME REPORTER RANCHI : नारकोटिक्स जांच के लिए झारखंड पुलिस की दूसरे लैब पर निर्भरता कम होगी। ड्रग्स को पकड़ने के बाद पुलिस मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों पर तुरंत और सख्त कार्रवाई कर सके, इसलिए झारखंड में नारकोटिक्स लेबोरेट्री को अपग्रेड किया जाएगा। इसे लेकर झारखंड गृह विभाग की ओर से 37.68 लाख रूपया स्वीकृत किया गया है। केंद्रीय गृह सचिव के साथ नवंबर 2022 को नारकोटिक्स मामले को लेकर झारखंड पुलिस की बैठक हुई थी। इस बैठक में झारखंड पुलिस ने नारकोटिक्स लैब के लिए रुपये की वापसी का भी आग्रह किया था। जो उपयोग नहीं होने के चलते गत वित्तीय वर्ष में लौट गई थी। इस राशि से नारकोटिक्स जांच से संबंधित उपकरणों की खरीद होनी है, जिसे राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला परिसर में ही स्थापित किया जाना है। नारकोटिक्स लैब बनने से यह होगा कि जब्त पदार्थों की फॉरेंसिक जांच के लिए झारखंड पुलिस को दूसरे लैब पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। झारखंड के पास वैज्ञानिक पर्याप्त हैं, उपकरणों की खरीद होने से लैब सुचारू हो जाएगा।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

BRIEF NEWS

सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न वन रेंजों में पक्षियों की गिनती जारी

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के वन प्रखंड में पक्षी गणना शुरू हो गई है। प्रखंड के बणई, तमारा, कुलीपोष, कोइडा, यरडा समेत 7 रेंजों में शुरू हुई पक्षी गणना में वन अधिकारी जुटे हुए हैं। इस पक्षी गणना में रेंजर, वनपाल, वन रक्षक सहित 62 कर्मचारी लगे हुए हैं। इसी तरह राउरकेला डिवीजन बांकी रेंज के विभिन्न स्थानों पर इस पक्षी की गिनती चल रही है। यह जानकारी बणई डीएफओ ललित कुमार पात्र ने दी।

सड़क दुर्घटना में एक पुलिस अधिकारी की मौत

ROURKELA : बीजू एक्सप्रेस वे के भस्मा थाना अंतर्गत पटिया में बुधवार एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृत युवक का नाम हेमंत सागर कुआ (40) है।उनका घर लेफ्रिपाड़ा थाना अंतर्गत कुलबीरा गांव है, वह झारसुगुड़ा ओएसएपी की दूसरी बटालियन में कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार वाहन क्रमांक ओडी 14ए-4827 होंडा बाइक से हेमंत सागर जा रहे थे। वाहन क्रमांक ओडी 15यू-3690 ने उसे टक्कर मारने से सागर हाईवा ट्रक का पिछला पहिया नीचे गिर गया। उनके मौके पर मौत हो गया। उसके टूटे और क्षत-विक्षत शरीर को देखना हृदय विदारक था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस नेता के भतीजे की मौत मामले की जांच की मांग

JAMSHEDPUR : पिछले दोनों सोनारी थाना अंतर्गत दोमुहानी के निकट अमन भारद्वाज (27) का शव मिला था। उसके सिर और हाथ-पैर में गहरे जख्म के निशान पाए गए थे। पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया था, जबकि परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई थी। अमन के चाचा सह कांग्रेस के प्रदेश सचिव रजनीश सिंह ने भी इस घटना पर सवाल उठाये थे। इस मामले को लेकर बुधवार को कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से भेंट की। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों पर कारवाई की जाए।

वीमेंस यूनिवर्सिटी में कैंपस प्लेसमेंट के लिए आयेंगी कई कंपनियां

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में टेक महिन्द्रा, विस्ट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स (टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स) एवं वेदांत लिमिटेड हायरिंग पार्टनर का आगमन होने वाला है। यूनिवर्सिटी की ओर से बताया गया है कि 11 जनवरी (गुरुवार) को टेक महिंद्रा विश्वविद्यालय के बिष्टुपुर परिसर में प्लेसमेंट ड्राइव के लिए आ रही है। यह विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए एक बड़ा अवसर है। ई-कॉमर्स तकनीकी सहायता के रूप में नए स्नातकों के लिए भुवनेश्वर और अहमदाबाद से 18 जनवरी को कंपनियां आ रही हैं।

कदमा से 13 को निकलेगी 'एक शाम प्रभु श्री राम के नाम' शोभा यात्रा

JAMSHEDPUR : जय महाकाल सेवा संघ की ओर से 'एक शाम प्रभु श्री राम के नाम' शोभा यात्रा 13 जनवरी को कदमा गणेश पूजा मैदान से निकाली जाएगी। यह शोभा यात्रा सह झांकी कदमा गणेश पूजा मैदान से दोपहर 3 बजे शुरू होगी जो रंकिणी मंदिर चौक, कदमा बाजार, उलियान होते हुए रामनगर काली मंदिर में पहुंच कर समाप्त होगी। इस कार्यक्रम की जानकारी मीडिया से साझा करते हुए जय महाकाल सेवा संघ के मुख्य संरक्षक नीरज सिंह ने बताया कि लगभग 550 वर्षों के बाद पूरे सनातन धर्म प्रेमियों के बीच बहुत ही सुखद पल आने वाला है। जब 22 जनवरी को श्री रामलला अयोध्या में निर्मित भव्य मंदिर में विराजेंगे। इसमें तीन भव्य रथ होंगे जिसमें एक रथ पर राम दरबार की झांकी, दूसरे में प्रभु श्री राम के गुरुजन और तीसरे रथ में माता सीता के साथ लव-कुश विराजमान होंगे। इसके साथ झांकी में जामबंध, सुग्रीव, नल-नील, माता सीता के हरण के समय रावण से लड़ने वाले विशाल पक्षी जटायु के साथ सिंदूरी हनुमान, 20 की संख्या में वानर सेना मौजूद रहेंगे।

सुरक्षा बलों ने पांच किलो का आईईडी बरामद कर किया नष्ट

नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए थे बम

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिला अंतर्गत कोल्हान जंगल में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को एक पांच किलो का आईईडी बम बरामद किया है। नक्सलियों ने पूर्व के दिनों में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी बम लगाए थे। जिसे बरामद कर जवानों ने नक्सलियों के मंसूबे पर एक बार फिर पानी फेर दिया। सुरक्षा बलों ने बुधवार की सुबह अभियान के दौरान मुफस्सिल थानान्तर्गत ग्राम हेसाबांध एवं जोजोहातु के बीच

बरामद आईईडी बम। ● फोटोन न्यूज

जंगल पहाड़ी क्षेत्र से अभियान के दौरान एक 5 किलो का आईईडी बम बरामद किया है। बरामद बम को सुरक्षा की दृष्टि से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहयोग से विस्फोट कर नष्ट कर दिया।

मालूम हो कि कोल्हान जंगल में बड़े माओवादी नेता सक्रिय हैं, जिनकी तलाश में सुरक्षाबल के जवान लगातार अभियान चला रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ माओवादी पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी प्लांट कर रहे हैं। बता दें कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील होने की सूचना मिली है। जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 इठ, 203 इठ, 205 इठ, झारखण्ड जगुआर एवं सी०आर०पी०एफ० 60 इठ, 197 इठ, 157 इठ, 174 इठ, 193 इठ, 134 इठ, 26 इठ की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

नाबालिग का शव जंगल से बरामद, परिवार ने दुष्कर्म व हत्या का लगाया आरोप

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के बड़गांव थाना अंतर्गत इतमा गांव से मंगलवार को लापता हुई नाबालिग लड़की का शव कुस्तुना जंगल से लटका हुआ मिला। पुलिस वैज्ञानिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और जांच जारी रखी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इतमा गांव की एक 17 वर्षीय लड़की कल से लापता थी। जब परिवार उन्हें नहीं ढूंढ सका, तो उन्होंने बड़गांव पुलिस थाना को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद आज सुबह पुलिस ने कुस्तुना जंगल से नाबालिग का शव बरामद किया। कल कुछ लोगों ने लड़की को पास के गांव के एक लड़के के साथ देखा था।परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई है। उधर, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण पता चलेगा।

नक्सलियों ने अपने पुराने साथी की गोली मारकर कर दी हत्या

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित गोइलकेरा थाना क्षेत्र के समठा गांव के ईचापीढ़ी गांव में मंगलवार की रात नक्सलियों ने निमार्णाधीन पुल के नाईट गार्ड की गोली मार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान पूर्व नक्सली नेल्सन भेंगरा के रूप में की गई है।

जानकारी अनुसार मृतक नेल्सन भेंगरा पूर्व में नक्सलियों का साथी था। दो माह पूर्व ही वह जेल छूट कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ कर अपना गुजर बसर कर रहा था। जेल से छुटने के बाद वह निमार्णाधीन पुल में एक नाइट गार्ड के रूप में काम कर रहा था। मंगलवार के शाम को प्रत्येक दिन की तरह वह घर से खाना खाने के बाद ड्यूटी के लिए चला गया था। मंगलवार की रात लगभग 10:30 बजे नक्सलियों का एक दस्ता अचानक आ पहुंचा और मुखबिरी का आरोप लगाते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी। पिटाई के बाद वह अधमरा सा हो गया। जिसके बाद नक्सलियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। नक्सली जाते-जाते घटना स्थल पर कई पर्चा पोस्टर भी फेंका और हत्या की जिम्मेदारी भी ली। नक्सलियों के द्वारा फेंके गए पर्चा में पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाया है।

मृतक की पत्नी ने बताया कि नेलशन भेंगरा घर से कुछ दूर स्थित निमार्णाधीन पुल में नाईटगार्ड का काम किया करता था। घर वालों को जब पता चला तो उन्होंने घटना स्थल पहुंच कर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस जांच शुरू कर रही दी है।

मंझारी प्रखंड के तोरलो नदी पर पुलिया निर्माण का विधायक ने किया भूमि पूजन

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिला अन्तर्गत मंझारी प्रखंड के पंचायत रोलाडीह के बिरूवा टोंन्टो से पड़सी जाने वाली पथ में तोरलो नदी पर पुल निर्माण का भूमि पूजन हुआ। भूमि पूजन में मुख्य अतिथि मंझगाव विधानसभा क्षेत्र के विधायक निरल पूर्ति मौजूद थे। इस मौके पर विधायक ने कहा कि तोरलो नदी में पुल निर्माण की मांग काफी समय से हो रहा था। इसको देखते हुए इसका निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

इस पुलिया के बन जाने से खास पोखरिया और उड़ीसा से सीधा संपर्क हो जाएगा। आने वाले दिनों में इस सड़क को आईसीडी सड़क के तहत निर्माण भी कराया जा सकेगा। जिससे

सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास के अवसर पर विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

स्थानीय लोगों को उड़ीसाझझारखंड आने-जाने में बहुत सुविधा हो जाएगी। खासकर बरसात के दिनों में पूल निर्माण नहीं होने से कई गांव प्रखंड मुख्यालय से कट जाते थे। लेकिन अब पुलिया निर्माण होने से लोगों को सभी प्रकार की सुविधा होने लगेगी।

इस मौके पर तांतनगर प्रखंड अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य जवाहर बोयपाई, मंझारी प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र पुरती, चंद्र मोहन बिरूवा, मतला बिरूवा, गुरु बिरूवा, देव कुमार बानरा, उदय पूर्ति समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न

70 आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित जमीन की समस्याओं को जल्द निष्पादन कर निर्माण कार्य शुरू करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार मे उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति (राजस्व एवं विकास) की बैठक हुई । बैठक में उपायुक्त ने जिला अंतर्गत राजस्व संग्रहण तथा विकासात्मक कार्यों का विभाग वार समीक्षा करते हुए बीडीओ एवं सीओ को सभी लाभदायी योजनाओं से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन करने, योग्य लाभुकों तक योजना का लाभ पहुंचाने तथा जिला अंतर्गत नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्देश दिए।

अधिकारियों संग बैठक करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

उपायुक्त ने बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यालय निर्माण तथा योजनाओं की क्रियान्वयन हेतु आवश्यक जमीनों की उपलब्धता आगामी एक सप्ताह में सुनिश्चित करने का निर्देश अंचल अधिकारी को दिया है। साथ ही जिला अंतर्गत डीएमएफटी से स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्रों में से 70 केंद्रों से संबंधित जमीन की समस्याओं को जल्द से जल्द निष्पादन कराते हुए निर्माण कार्य को शुरू करवाने का भी निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिला समन्वय समिति की बैठक में विकास के तहत मनरेगा योजना और आवास योजना की समीक्षा की। इस क्रम में अबुआ आवास योजना अंतर्गत सभी सत्यापन कार्यों को पूर्ण करते हुए लाभुक सूची तैयार करने तथा मनरेगा अंतर्गत प्रत्येक दिन योजना का संचालन एवं ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजन के संदर्भ में निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि खेल विभाग अंतर्गत सिद्धो-कान्हो युवा खेल क्लब निर्माण के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया गया है।

श्रमिक कल्याण योजना में 1.27 करोड़ का हुआ वितरण

PHOTON NEWS ROURKELA : मुख्यमंत्री श्रमिक कल्याण योजना द्वारा बुधवार बणई में सहायता वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक शामिल हुए। सम्मानित अतिथि के रूप में बणई उपजिलापाल सुरंजन कुमार साहू, सुंदरगढ़ जिला बीजू मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष प्रद्युम्न कुमार त्रिपाठी, जिला श्रम पदाधिकारी दिब्याजित नायक प्रमुख शामिल हुए। श्रम

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

मंत्री ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि सुंदरगढ़ जिले के श्रमिक भाई-बहन कैसे युगांतकारी श्रमिक योजना से लाभान्नित हुए इसके वारे में अवगत कराए। राज्य सरकार ने हाल ही में सामान्य प्रशासन विभाग में 155 नये सहायक श्रम अधिकारियों की भर्ती की है। मंत्री ने कहा कि सुंदरगढ़ जिले में 7 अधिकारियों को तैनात किया गया है। आज 200 लोगों को श्रमिक कार्ड, 5 लोगों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता, 25 लोगों को विवाह सहायता, 14 लोगों को प्रसव सहायता, 57 लोग को मृत्यु सहायता दी गयी है।मृत्यु के समय सहायता प्राप्त करने के लिए 54 लोगों की सहायता के लिए कुल 1 करोड़ 27 लाख 75 हजार रुपये प्रदान किए गए हैं।

साकिर हुसैन बने कांग्रेस नगर ब्लॉक अध्यक्ष

बोले लोगों को संगठन से जोड़ने का काम करूंगा

PHOTON NEWS ROURKELA : कांग्रेस की और से ब्लॉक अध्यक्ष की घोषणा की गई। माता प्रसाद जयसवाल, हरप्रसाद सामल, एमडी साकिर हुसैन, भीम महतो, ब्रजबन्धु त्रिपाठी, रघुनाथ दास, प्रफुल्ल कुमार प्रधान, सुनील पटनायक, रबिन्द्र सिक्का, सर्वेश सिंह को संगठन को मजबूत करने के लिए ब्लॉक टाउन अध्यक्ष पद पर नियुक्ति किया गया । सभी कांग्रेसी कार्यकताओं ने अपने अपने स्तर पर बधाई और स्वागत किए।

वहीं एमडी साकिर हुसैन ने ब्लॉक अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शरत

पटनायक और राउरकेला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि पाढ़ी प्रति अपना आभार व्यक्त किए। साकिर हुसैन ने कहा उनके विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा, उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ जनता की समस्याओं का समाधान कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को संगठन से जोड़ने के लिए कोशिश करूंगा।

गांव-गांव घूम रहा श्रीजगन्नाथ अर्पण रथ, सर्वत्र रही श्रीजगन्नाथ ध्वनि गूंज

PHOTON NEWS SUNDARGARH : इस वर्ष 17 जनवरी को तीर्थस्थल पुरी में श्री मंदिर परिक्रमा परियोजना का उद्घाटन होने जा रहा है। इसके लिए प्रदेश भर में लोगों में गहरी भक्ति और उत्साह है। इसी सिलसिले में जिला प्रशासन की ओर से जय जगन्नाथ अर्पण रथ का उद्घाटन किया गया है। जो गांव-गांव जाकर अरवा चावल और सुपारी संग्रह किया जा रहा है। पिछले 6 तारीख से शुरू हुए इस कार्यक्रम के लिए अब कुल 81 रथ जिले के गांव-गांव जाकर लोगों से सुपारी और चावल एकत्र कर रहे हैं।

श्रीजगन्नाथ अर्पण रथ के साथ झूमते भक्त। ● फोटोन न्यूज

यह रथ अब तक 88 ग्रामपंचायत के 413 गांव के लोगों तक पहुंच चुकी है। प्रत्येक रथ को सजाया गया है, वहीं रथ पर जगन्नाथ के भजन भी बजाए जाते हैं, जिससे माहौल भक्तिमय हो जाता है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक रथ के साथ एक स्थानीय अधिकारी रहता है, जो लोगों को परिक्रमा परियोजना के बारे में जानकारी देता है। इससे लोगों में परिक्रमा परियोजना के प्रति रुचि बढ़ी है और लोग पुरी जाने के लिए तैयार हो रहे हैं।

कोल्हान का ऐतिहासिक सेरेंगसिया घाटी शहीद दिवस दो फरवरी को

भव्य रूप से मनाया जाएगा शहीद दिवस : विधायक

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान का ऐतिहासिक सेरेंगसिया घाटी शहीद दिवस दो फरवरी को आयोजित होगा। इसकी तैयारी की पहली बैठक सेरेंगसिया घाटी शहीद स्मारक समिति ने बुधवार को सेरेंगसिया फुटबॉल मैदान में की। इसमें मुख्य रूप से चाईबासा विधायक दीपक बिरुवा उपस्थित थे।

विधायक ने ग्रामीणों साथ शहीद दिवस तैयारी की समीक्षा की। हालांकि इस बार शहीद दिवस प्रशासनिक या शहीद स्मारक समिति के स्तर से होगा, इस पर अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। विधायक दीपक बिरुवा ने कहा कि चाहे प्रशासनिक स्तर से हो या

बैठक में शामिल ग्रामीण व समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

शहीद स्मारक समिति स्तर से, दोनों ही स्थिति में शहीद दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा। शहीद दिवस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आने की भी संभावना है। लेकिन इसपर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करने के बाद ही अंतिम जानकारी मिल सकेगी। विधायक बिरुवा ने आश्वस्त किया कि इस बार भव्य तरीके से शहीद दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस मौके पर कोल्हान के मानकी-मुंडा और आमजन भी उपस्थित रहेंगे। बैठक में आयोजन समिति ने कहा कि यदि शहीद दिवस का आयोजन सरकारी स्तर पर किया जाना है तो प्रशासन इसका जल्द स्पष्ट करें। ताकि उस हिसाब से तैयारी की जाएगी। वहीं आयोजन समिति ने शहीद स्थल की साफ सफाई समेत रंग रोगन आदि को लेकर चर्चा की। कहा कि शहीद दिवस के दिन शहीद वेदी पर परंपरागत पूजा-अर्चना के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। मौके पर फुटबॉल प्रतियोगिता समेत अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। फुटबॉल खेल प्रतियोगिता 30 एवं 31 जनवरी को होगी, जिसका फाइनल सह समापन शहीद दिवस के मौके पर दो फरवरी को होगी।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में 8वीं अशोक जैन नाक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

स्टूडेंट क्लब ने जी एंड एस क्लब को 59 रनों से दी मात

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में बुधवार से 8वीं अशोक कुमार जैन जिला नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हुआ। उद्घाटन मैच में स्टूडेंट क्लब चाईबासा ने गोप एवं सिंह क्लब बड़ा जामदा को 59 रनों से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टूडेंट क्लब की टीम ने निर्धारित तीस ओवर में सात विकेट खोकर 216 रनों का स्कोर खड़ा किया। मनीष कुमार ने बारह चौकों एवं एक छक्का की मदद से 75 रनों की बेहतरीन पारी

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी दिलीप खलखो। ● फोटोन न्यूज

खेली जबकि कैफ जमील ने पाँच चौकों की सहायता से 52 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर छठे विकेट के लिए 82 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचाया। अन्य बल्लेबाजों में मोईब साकिब एवं सोएब अहमद ने 19-19 रनों का योगदान दिया। जामदा की ओर से सरोज महतो ने 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

जीत के लिए निर्धारित तीस ओवर में 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोप एंड सिंह क्लब बड़ा जामदा की पूरी टीम 157 रन बनाकर आल आउट हो गई। गेंदबाजी में अपना दम दिखाने वाले सरोज महतो ने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाया और सात चौकों एवं तीन छक्कों की मदद से 49 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली पर अन्य बल्लेबाजों की असफलता ने टीम की लुटिया डुबो दी। एन एम राहुल ने 29 तथा करण ने 18 रन बनाए। स्टूडेंट क्लब चाईबासा की ओर से कैफ जमील, मनीष कुमार, फरदीन आलम एवं कप्तान मो० वसीम ने दो-दो विकेट हासिल किए।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी सदर चाईबासा श्री दिलीप खलखो ने की। उन्होंने झंडोतोलन कर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा दोनों कप्तानों के बीच टॉस करवाकर अनुशासन में रहकर खेलने की सलाह दी। मुख्य अतिथि ने जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह की गेंद पर शानदार शाट लगाकर प्रतियोगिता के प्रारंभ होने की घोषणा की। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के महासचिव के अलावे संयुक्त सचिव ओम प्रकाश गुप्ता, मैच के दोनों अंपायर विमलेश नाग, जयंत श्रीवास्तव एवं स्कोरर संदीप रॉय, गुरमीत सिंह आदि उपस्थित थे।

हाथियों से परेशान ग्रामीणों ने फिर किया सड़क जाम, अधिकारियों को बनाया बंधक

PHOTON NEWS ROURKELA : हाथियों के उत्पात से परेशान ग्रामीणों ने फिर से सड़क जाम कर दिया और वन विभाग के अधिकारियों को बंधक बना के रखा। हाथियों को भगाने में वन विभाग की अक्षमता को जिम्मेदार ठहराते हुए बणई उप-जिले के जाकेईकला के ग्रामीणों ने ऐसा चरम कदम उठाया। सुंदरगढ़ जिले के बणई रेंज के जाकेईकला गांव में पिछले कुछ दिनों से दो हाथी उत्पात मचा रहे हैं। वे रात में गांव में घुसकर फसलों को नष्ट कर रहे हैं। वे दिन में भी गांव में प्रवेश कर रहे हैं। लोग दहशत में हैं। जकईकला गांव के रंगमटिया साही में मंगलवार रात दो हाथी ने घुस कर व्यापक क्षति करने के साथ घर ध्वस्त किया। दो दिन से भी कम समय में हाथी भोजन की

तलाश में गांव में घुस आए और घरों को नष्ट कर दिया। कल लोगों ने सड़क जाम कर दी और वन अधिकारियों को बंधक बना लिया। वहीं फिर कल रात हाथी के घर में घुसने के बाद से गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया और वनपाल, रेंजर और एसीएफ को बंधक बना लिया। एम्बुलेंस, स्कूल वैन और अन्य आपातकालीन वाहनों को ही छोडा जा रहा है। वन विभाग से जल्द से जल्द समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग की जारही हैं।

भीम आर्मी के कार्यकताओं पर पुलिस का लाठीचार्ज

कानून व्यवस्था को लेकर निकाल रहे थे पैदल मार्च, बोले-जज बनकर फैसले कर रही पुलिस

गया । गया में भीम आर्मी के सदस्यों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। जिले में भीम आर्मी के सदस्य लगातार अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या लोग बुधवार को शहर के गांधी मैदान परिसर से पैदल मार्च निकाल रहे थे। यह पैदल मार्च गांधी मैदान से निकल गया। इस बीच बड़ी संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी। इस दौरान पुलिस और भीम आर्मी के सदस्यों के बीच झड़प भी हुई। भीम आर्मी सेना सैकड़ों की संख्या में ररढ कार्यालय पहुंचे हैं, लेकिन गेट अंदर से बंद कर दिया गया है।अपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं पैदल मार्च गांधी मैदान से निकाल गया जो शहर के चर्च रोड, राय काशीनाथ मोड़, जिला परिषद कार्यालय, कचहरी रोड, डीएम गोलंबर से होते हुए ररढ कार्यालय को पहुंचा। इस संबंध में भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष नीतीश रंजन ने बताया जिले में आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। बहुजन समाज के लोगों के साथ-साथ आम नागरिक और मीडिया को भी निशाना बनाया जा रहा है। इनके साथ कोई घटना-दुर्घटना होती है तो संबंधित थाना केस तो दर्ज कर लेती है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहींथानेदार खुद जज बनकर फैसला करते हैंभीम आर्मी के जिला अध्यक्ष नीतीश रंजन ने यह भी कहा कि जिस थाने में बहुजन समाज के लोग एससी-एसटी में या आम नागरिक केस करते हैं।

राजद नेताओं का बहिष्कार करें मंदिर जाएं तो खदेड़ें

लखीसराय। लखीसराय में बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सह स्थानीय विधायक विजय कुमार सिन्हा ने आरजेडी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। आरजेडी कोटे से बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर के मंदिर को गुलामी का प्रतीक बताने पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राजद के नेताओं का बहिष्कार करें। तेजस्वी बाल मुंडवाकर बालाजी से आए हैं। ये कैसा दोहरा चरित्र है, अपने पूजा करते हो, मंदिर जाते हो, सनातन के संस्कृति के हिसाब से धर्म-कर्म करते हो और जनता को बरगलाते हो। हर बिहारी जो सनातन का संतान है खुल के राजद का सामाजिक बहिष्कार करे। मंदिर जाए तो खदेड़े। जब तक वो सार्वजनिक माफी नहीं मांगे माफ नहीं करें।जिले के सर्किट हाउस में रजद के खिलाफ प्रतिक्रिया दीउन्होंने कहा कि सनातन के संस्कार और संस्कृति, देवी-देवता और सनातन के धर्म गुरुओं पर आपत्तिजनक बयान देने वाले का बहिष्कार करें। मालूम हो कि बिहार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिंह दो दिवसीय दौरे पर लखीसराय पहुंचे। जहां वे बुधवार यानी आज मकर संक्रांति भोज का आयोजन करेंगे।सेविका और सहायिका को दस हजार मानदेय मिलेविजय सिन्हा ने कहा कि सदन में हमने बोला हर स्टेट सेविका और सहायिका को दस हजार रुपए मानदेय दे रहा। पांच हजार केंद्र देती है।

उसका डबल करना है। जब सब स्टेट दे रहा है तो बिहार सरकार को क्यों आपत्ति है। कमिशनखोरी पूरे विभाग में है।

गांधी मैदान से हटा सरकारी बस स्टैंड

पटना । पटना के गांधी मैदान कारगील चौक से सरकारी बस स्टैंड को हटा दिया गया है। यह फैसला गांधी मैदान और उसके आस-पास मेट्रो कार्य के निर्माण और रोज लगने वाले जाम को लेकर लिया गया है। इन दिनों 26 जनवरी की तैयारी के कारण भी गांधी मैदान के आसपास बसों के परिचालन पर रोक लगा दिया गया है। अब सरकारी बसों और सीटी बसों का ठहराव गंगा पथ पर किया जाएगा। अब यहीं से सरकारी बसें अलग अलग जगहों के लिए मिलेंगी।सरकारी बस स्टैंड की शिफ्टिंगगांधी मैदान के आसपास लगने वाले भीषण जाम को देखते हुए कारगील चौक से सरकारी बस स्टैंड को शिफ्ट करके गंगा पथ पर ले जाया गया है।

साथ ही अब सीटी बसें भी गांधी मैदान नहीं जा सकेगी। इन बसों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किया गया है। अब जो भी बस गोरीया टोली भट्टाचार्या होते हुए रामगुलाम चौक से जेपी गोलम्बर होते हुए कारगील चौक से बस स्टैण्ड में पार्किंग होती थी

होटल में ऑर्केस्ट्रा डांसर को मारी गोली

मुजफ्फरपुर ।मुजफ्फरपुर में मंगलवार रात होटल के कमरे में एक ऑर्केस्ट्रा डांसर को उसके साथ ठहरे युवक ने गोली मार दी। गोली लगने के बाद युवक तो भाग निकला, लेकिन लड़की जैसे-तैसे होटल के रिसेप्शन तक आई। इसके बाद वो वहीं गश खाकर गिर गई। गंभीर हालत में लड़की का इलाज जारी है।दोनों ने पति-पत्नी बताकर 3 घंटे के लिए रूम बुक किया था। फायरिंग से पहले चिकन लॉलीपॉप और मटन कोरमा ऑर्डर किया था। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक भाग निकला, लेकिन होटल के सीसीटीवी में उसकी तस्वीरें कैद हुई हैं। गोली प्रेमिका के गाल में लगी है। होटल के रूम से पिस्टल, गोली और खोखा बरामद किया गया है।लड़की ऑर्केस्ट्रा में डांस करती है और वो सिलीगुड़ी की रहने वाली है। होटल के सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। मामला जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र का है।घटना के बाद दर्द से कराहती हुई लड़की रिसेप्शन पर पहुंची। वो दर्द से चिल्ला रही थी। रिसेप्शन पर पहुंचते ही लड़की बेहोश हो गई। होटल कर्मियों ने मामले की जानकारी पुलिस और संचालक को दी। आनन फानन में घायल लड़की को बैरिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। नाजुक स्थिति में उसका इलाज चल रहा है। एएसपी टाउन अवधेश दीक्षित, मिठनपुरा थाना प्रभारी राकेश कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।दरअसल, जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के कल्याणी इलाके के एक होटल में एक युवक ने महज तीन घंटा के लिए कमरा बुक किया।

उसने होटल के रजिस्टर में लिखवाया की वो डॉक्टर से दिखाने आया है। दोनों पति-पत्नी हैं।

ट्रक ने महिला-2 बच्चियों को कुचला

पानीपत । हरियाणा के पानीपत में तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क क्रॉस करते वक्त महिला और उसकी 2 बेटियों को कुचल दिया। जिसमें महिला और उसकी 2 महीने की बेटी की मौत हो गई। हादसे के वक्त बच्ची मां की गोद में थी। वहीं दूसरी 4 वर्षीय बेटी को सिर में गंभीर चोट आई है।उसे रोहतक रेफर किया गया है। हादसे में महिला का पति बाल-बाल बच गया। आरोपी ड्राइवर ट्रक सहित मौके से फरार हो गया है। मृतकों की पहचान निशा (21) और सुनैना के रूप में हुई है। वह बिहार के जिला लालनंदा के गांव सदरपुर की रहने वाली थीं। व्यक्ति बोला मेरा परिवार उजड़ गया। तीनों को पीछे से मारी टक्कर महिला के पति विकास ने इसराना थाना पुलिस को शिकायत दी है। विकास ने बताया कि वह करीब 1 साल पहले ही पानीपत आया था। यहां गांव नौल्था की एक फैक्ट्री में काम करता है। जिस फैक्ट्री में काम कर रहा है, उसी में परिवार सहित रहता था। 9 जनवरी की शाम 6 बजे वह पत्नी निशा, बेटी नैना और सुनैना के साथ दुकान से घरेलू सामान लेकर फैक्ट्री लौट रहा था। विकास ने बताया कि फैक्ट्री से कुछ दूर पहले वह सड़क पर पहुंचे तो पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक ने पत्नी और बेटियों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही निशा दोनों बच्चियों सहित सड़क पर गिर गई।टक्कर लगने के बाद चढ़ा टायरइसके बाद ट्रक का टायर निशा और गोद में 2 माह की बेटी सुनैना के ऊपर से उतर गया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसकी 4 साल की बेटी नैना को भी गंभीर चोट लगी है। जबकि वह बाल-बाल बच गया।विकास ने कहा कि वह पानीपत में काम के लिए ही आया था। यहीं पर उसकी बेटी सुनैना ने जन्म लिया था।

जीप से उतारकर चोरों की पिटाई

जहानाबाद । जहानाबाद में बीच सड़क पर चोरी के 2 आरोपियों पर भीड़ टूट पड़ी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को जीप में बैठा। भीड़ दोनों को जीप से खींचकर फिर पीटने लगी। बचाने आए पुलिस जवानों को धक्का दे दिया। पुलिस के सामने भीड़ 10 मिनट तक दोनों को पीटती रही। पुलिस किसी तरह से दोनों को बचाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना निजामुद्दीन पर मोहल्ले की है। मंगलवार की रात मोहल्ले के शैलेंद्र कुमार के टेंपो से बैटरी चोरों ने चोरी कर ली थी। वहीं, विवेक कुमार के घर से समरसेबल मोटर चोरों ने चुरा लिया। आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को लोगों ने देखा तो दो लोग चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे। बुधवार को सीसीटीवी कैमरे में जिन चोरों का चेहरा नजर आ रहा था, उन्हीं चेहरों से मिलते-जुलते लोग बाइक से मोहल्ले से निकल रहे थे। लोगों की नजर उन पर पड़ गई।लोगों ने उसे पकड़ लिया। बीच सड़क पर गिराकर लात-घूंसों से पीटने लगे।

संक्षिप्त डायरी

देसी कट्टा, गोली के साथ तीन शराब तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी । मोतिहारी में पुलिस ने कार से शराब की खेप ले कर जा रहे तीन शराब तस्कर को देसी कट्टा और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। तीनों तस्कर की गिरफ्तारी कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बखरी बैरागी गांव के पास से गिरफ्तार किया है।एसपी कांतेश मिश्रा को गुप्त सूचना मिली कि शराब कर से शराब तस्कर विदेशी शराब की खेप ले कर जा रहा है। शराब की खेप ले कर जा रहा हैं। सूचना मिलने के साथ ही चकिया एडीपीओ सतेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम बना कल्याणपुर थानाध्यक्ष द्वारा सघन वाहन जांच शुरू की गई। इस दौरान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बखरी बैरागी के पास से एक कार की तलाशी ली गई। कार से तीन युवक को हिरासत में लिया गया।उसके पास से 60 लीटर विदेशी शराब के साथ देसी कट्टा, गोली बरामद हुआ, जेब कार का पेपर चेक किया गया तो टाटा इंडिका कार और मोटरसाइकिल चोरी की निकली। तीनों गिरफ्तार लिया गया।पूछताछ के बाद तीनों के खिलाफ कल्याणपुर थाना में अलग से प्राथमिकी दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।गिरफ्तार तस्करों में मुजफ्फरपुर के कांटी थाना के पंकज कुमार, अजीत साह और कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नीरज कुमार शामिल है। छापेमारी टीम में एसडीपीओ के साथ कल्याणपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार शामिल थे।

डंपर ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन में मारी जोरदार टक्कर

किशनगंज । किशनगंज में भीषण सड़क हादसा की वारदात सामने आई है। इसमें एक डंपर चालक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसकी हालात नाजुक बताई जा रही है। ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र के मैगल पुल के पास एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर सड़क में पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त रखे वाहन बीच टक्कर हो गई है। इस हादसे में डंपर चालक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है।घटना के बाद घटनास्थल पर लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी है, जहां स्थानीय लोगो ने उक्त वाहन चालक को आनन-फानन में नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे सदर अस्पताल किशनगंज रेफर कर दिया गया है। फिलहाल व्यक्ति की हालत नाजुक बताई जा रही है।बीते दिनों इसी जगह दो वाहनों में भीषण टक्कर हो गई थी, जिसकी वजह से दोनों क्षतिग्रस्त हो चुका है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि अक्सर घटना के बाद प्रशासन घटना ग्रस्त वाहनों को सड़क पर ही छोड़ देते है, जो की गलत है।

पेट्रोल पंप से गन पॉइंट पर 50 हजार की लूट

मोतिहारी । मोतिहारी में मंगलवार रात एक पेट्रोल पंप से 50 हजार रुपए की लूट हुई है। बाइक पर आए तीन युवकों ने पहले 300 रुपए का पेट्रोल भरवाया। इसके बाद एक ने पिस्टल निकालकर स्टाफ के ऊपर तान दी। अपराधियों ने कहा कि बहुत कमा लिया है। कर्मचारी घबरा गए। मौके का फायदा उठाकर तीनों भाग निकले। ये पूरी वारदात पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। घटना पचपकड़ी ओपी क्षेत्र के सोरपणिया एसएन पेट्रोल पंप की है।गोली मारने की धमकी भी दीनोजल मैन ने बताया कि एक बाइक पर तीन लड़के आए थे। पहले तीन सौ रुपए पेट्रोल देने की बात कही। एक लड़का बाइक से उतरकर दूसरे नोजल पर चला गया। वहां जाकर कहा कि बहुत बेच लिए हो। इतना कहने के बाद पैसे छीन लिए। विरोध किए तो बंदूक निकाल कर तान दी और गोली मारने की धमकी देने लगे। मैं डर गया था। लूट के बाद वे तीनों बाइक से ढाका की तरफ फरार हो गए।सीसीटीवी से अपराधी की हो रही पहचान

घटना की सूचना जैसे ही पचापकड़ी ओपी प्रभारी अंजन कुमार को लगी, वैसे ही घटना स्थल पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरों की पहचान में जुट गए। ओपी प्रभारी ने बताया कि जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

50 अवैध टिकट के साथ दलाल अरेस्ट

मुजफ़्फरपुर । रेल यात्रियों की रेलयात्रा को सुगम और सहज बनाने को लेकर रेलवे सुरक्षा बल मुजफ़्फरपुर ने रेल टिकट की उपलब्धता को लेकर इन दिनों ऑपरेशन उपलब्ध शुरू किया गया है। जिसमें ई टिकट के अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए छापेमारी अभियान को शुरू किया गया है। जिसमे आरपीएफ की टीम को एक अहम कामयाबी हाथ लगी। जहां बड़ी संख्या में अवैध रेल टिकट के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है।एक लाख का टिकट जब्तरेलवे सुरक्षा बल मुजफ़्फरपुर ने एक गुप्त सूचना के आधार पर जिले के अमैठा पंचायत के रेपुरा रामपुर में छापेमारी की गई। जहां एयरटेल टावर के समीप बने एक कमरे में चल रहे अवैध ई रेल टिकट के कारोबार का खुलासा किया गया। इस दौरान इस ठिकाने से आपीएफ की टीम ने पचास अवैध ई रेल टिकट के साथ टिकट बनाने में प्रयुक्त होने वाले तीन विशेष साफ्टवेयर नेक्सा,गदर और तेज को सीज किया गया। जब्त किए गए टिकट की कीमत एक लाख तीस रुपये बताया जा रहा है। इसके अलावा मौके से कंप्यूटर लैपटॉप और प्रिंटर भी और बड़ी संख्या में लोगों का पर्सनल आईडी के दस्तावेज भी बरामद हुआ है।

लव मैरिज बनी ट्रिपल मर्डर के पीछे की वजह

भागलपुर । भागलपुर के नवगछिया में एक पिता ने अपनी विवाहित बेटी, दामाद और नातिन की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद से आरोपी के पिता और भाई फरार हैं। ट्रिपल मर्डर के पीछे की इनसाइड स्टोरी के बारे में जानते हैं। घटना के दिन पिता ने रास्ते में दामाद को पकड़कर पीटना शुरू किया उसके बाद बेटे को कॉल कर बुलाया। मौके पर पहुंचते ही भाई ने जीजा पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। चंदन- चांदनी ने की थी लव मैरिज मृतका के पड़ोसी बताते हैं कि चंदन और चांदनी की प्यार दो साल से था। दोनों ने इस प्यार को शादी में बदलने का फैसला किया। घर से भाग कर चंदन और चांदनी ने 20121 में सात फेरे लिए। इधर, चांदनी के पिता पप्पू सिंह ने गोपालपुर थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया था, पुलिस ने इसी दौरान चांदनी को बरामद कर लिया और कोर्ट में पेशी के लिए लाया। चांदनी ने 164 के बयान में चंदन के साथ रहने की बात कही। बीमार माता-पिता से मिलने आया था चंदनबताया जाता है कि चंदन शादी के बाद गांव से बाहर रहता था। वो मंगलवार को अपने बीमार माता-पिता से मिलने आया था। माता-पिता से मिलने के बाद घर लौटने के दौरान चांदनी के पिता पप्पू सिंह ने चंदन को पिटना शुरू कर दिया। उसके बाद पप्पू ने अपने बेटे धीरज सिंह को फोन कर बुलाया। इसी दौरान धीरज पिस्टल लेकर आया लेकर आए और चंदन पर फायरिंग शुरू कर दी। चंदन को सीने और सिर एवं दाहिने आंख में गोली लगी। गोली लगने के बाद चंदन ने मौके पर दम तोड़ दिया। इधर, पिता पप्पू सिंह ने अपनी बेटी चांदनी की रॉड से पीट कर हत्या कर दी। चंदन के मासूम बेटी को भी मामा धीरज सिंह ने गाल में गोली मार दी। पुलिस ने मौके से चार खोखा बरामद किया है।मामले को लेकर नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि प्रेम विवाह से नाराज पिता व मृतिका चांदनी के भाई धीरज सिंह ने वारदात को अंजाम दिया है। चंदन अपने परिवार संग पुराने वाले घर पर बीमार माता-पिता के हाल-चाल जानने के लिए गए हुए थे, वापस लौटने के दौरान पप्पू सिंह ने पहले रड से मारकर चंदन का हाथ तोड़ा और उसके बाद अपने पुत्र धीरज को फोन कर बुलाया, इसी दौरान धीरज ने आकर फायरिंग शुरू कर दी। मामले को लेकर एसआईटी टीम का गठन किया गया है। देर रात से ही घटनास्थल पर चार थाने की पुलिस कैंप कर रही है। डॉग स्क्वायड और एफएसएल टीम पहुंची घटना के बाद डॉग स्क्वायड और एफएसएल के टीम मौके पर पहुंची। एफएसएल की टीम ने खून का सैंपल लिया ।

भारत की संस्कृति है हिन्दी

हमारी संस्कृति के कई बिन्दु ऐसे हैं, जिसे सुनकर या देखकर हम सभी को गौरव की अनुभूति होती है। उसमें से एक है हमारी हिन्दी भाषा। जो हमारे मूल से प्रस्फुटित है। सही मायनों में हिन्दी भारत की संस्कृति भी है और गौरव गान भी है। जिसे हम जितना आचरण में लाएंगे, उतना ही हम सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होते जाएंगे। यह सार्वकालिक सत्य है कि कोई भी देश अपनी भाषा में ही अपने मूल स्वत्व को प्रकट कर सकता है। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता, वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया, उसका अंत हो जाता है। भारत का परिवेश निःसंदेह हिन्दी से भी जुड़ा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि हिन्दी भारत का प्राण है, हिन्दी भारत का स्वाभिमान है, हिन्दी भारत का गौरवगान है। आज हम जाने-अनजाने में जिस प्रकार से भाषा के साथ मजाक कर रहे हैं, वह अभी हमें समझ में नहीं आ रहा होगा, लेकिन भविष्य के लिए यह अत्यंत दुखदायी होने वाला है। वर्तमान में प्रायः देखा जा रहा है कि हिन्दी की बोलचाल में अंग्रेजी और उर्दू शब्दों का समावेश बेखटके हो रहा है। इसे हम अपने स्वभाव का हिस्सा मान चुके हैं, लेकिन हम विचार करें कि क्या यह हिन्दी के शब्दों की हत्या नहीं है? हम विचार करें कि जब भारत में अंग्रेजी नहीं थी, तब हमारा देश किस स्थिति में था। हम अत्यंत समृद्ध थे, इतने समृद्ध कि विश्व के कई देश भारत की इस समृद्धि से जलन रखते थे। इसी कारण विश्व के कई देशों ने भारत की इस समृद्धि को नष्ट करने का तब तक षड्यंत्र किया, जब तक वे सफल नहीं हो गए। हमें एक बात ध्यान रखनी होगी कि हम अंग्रेजी को केवल एक भाषा के तौर पर स्वीकार करें। भारत के लिए अंग्रेजी केवल एक भाषा ही है। जब हम हिन्दी को मातृभाषा का दर्जा देते हैं तो यह भाव हमारे स्वभाव में प्रकट होना चाहिए। हिन्दी हमारा स्वत्व है। इसलिए कहा जा सकता है कि हिन्दी हृदय की भाषा है। भाषाओं के मामले में भारत को विश्व का सबसे बड़ा देश निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। भारत दक्षिण के राज्यों में अपनी एक भाषा है, जिसे हम विविधता के रूप में प्रचारित करते हैं। कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि राजनीतिक कारणों के प्रभाव में आकर दक्षिण भारत के कुछ लोग हिन्दी का विरोध करते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जो भाषा बोली जाती है, उसका हिन्दी भाषियों ने सदैव सम्मान किया है। भाषा और बोली तौर पर भारत की एक विशेषता यह भी है कि चाहे वह दक्षिण भारत का राज्य हो या फिर उत्तर भारत का, हर प्रदेश का नागरिक अपने शब्दों के उच्चारण मात्र से यह प्रदर्शित कर देता है कि वह किस राज्य का है। प्रायः सुना भी होगा कि भाषा को सुनकर हम उसका राज्य या अंचल तक बता देते हैं। यह भारत की बेहतरीन खूबसूरती ही है। जहां तक राष्ट्रीयता का सवाल आता है तो हर देश की पहचान उसकी भाषा भी होती है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। दक्षिण के राज्यों के नागरिकों की प्रादेशिक पहचान के रूप में उनकी अपनी भाषा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय पहचान की बात की जाए तो वह केवल हिन्दी ही हो सकती है। हालांकि आज दक्षिण के राज्यों में हिन्दी को जानने और बोलने की उत्सुकता बढ़ी है, जो उनके राष्ट्रीय होने को प्रमाणित करता है। आज पूरा भारत राष्ट्रीय भाव की तरफ कदम बढ़ा रहा है। हिन्दी के प्रति प्रेम प्रदर्शित हो रहा है। आज हमें इस बात पर भी मंथन करना चाहिए कि भारत में हिन्दी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। भारत में अंग्रेजी दिवस और उर्दू दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। इसके पीछे यूं तो कई कारण हैं, लेकिन वर्तमान का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि आज हम स्वयं ही हिन्दी के शब्दों की हत्या करने पर उतारू हो गए हैं। ध्यान रखना होगा कि आज जिस प्रकार से हिन्दी के शब्दों की हत्या हो रही है, कल पूरी हिन्दी भाषा की भी हत्या हो सकती है। हम विचार करें कि हिन्दी भारत के स्वर्णिम अतीत का हिस्सा है। हिन्दी हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसा हम अंग्रेजी के बारे में कदापि नहीं बोल सकते। आज हिन्दी को पहले की भांति वैश्विक धरातल प्राप्त हो रहा है। विश्व के कई देशों में हिन्दी के प्रति आकर्षण का आत्मीय भाव संचरित हुआ है। वे भारत के बारे में गहराई से अध्ययन करना चाह रहे हैं। विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिन्दी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाने लगे हैं। विश्व के कई देशों के नागरिक हिन्दी के प्रति अनुराग दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं आज विश्व के कई देशों में हिन्दी के संस्करण प्रकाशित हो रहे हैं। जो वैश्विक स्तर पर हिन्दी की समृद्धि का प्रकाश फैला रहे हैं। भारत के साथ ही सूरीनाम फिजी, त्रिनिदाद, गुआना, मॉरीशस, थाईलैंड व सिंगापुर में भी हिन्दी वहां की राजभाषा या सह राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी है। इतना ही नहीं आबूधाबी में भी हिन्दी को तीसरी आधिकारिक भाषा की मान्यता मिल चुकी है। आज विश्व के लगभग 44 ऐसे देश हैं जहां हिन्दी बोलने का प्रचलन बढ़ रहा है। सवाल यह है कि जब हिन्दी की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब हम अंग्रेजी के पीछे क्यों भाग रहे हैं। हम अपने आपको भुलाने की दिशा में कदम क्यों बढ़ा रहे हैं।

राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आधार बनेगा श्रीराम मंदिर

ANALYSIS

प्रो. संजय द्विवेदी

एक समय था जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। श्रीराम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानी वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छुपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है।

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। श्रीराम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानी वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छुपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका। इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही अशोक सिंघल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आज तक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरूर लगा देती हैं। दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक-सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरूरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं। राम शब्द संस्कृत की रम क्रीड़ायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चैतन्य-स्वरूप आत्मा का प्रकाश विद्यमान है, वही राम है। राम को शील-सदाचार, मंगल-मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सद्गुणों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंतःकरण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा,

मोको कहां ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में
ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।

राम, दशरथ और कौशल्या के पुत्र थे। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है- दस रथों का मालिक। अर्थात पांच कर्मेंद्रियों और पांच ज्ञानेंद्रियों का स्वामी। कौशल्या का अर्थ है- कुशलता। जब कोई अपनी कर्मेंद्रियों पर संयम रखते हुए अपनी ज्ञानेंद्रियों को मयार्दापूर्वक सन्मार्ग की ओर प्रेरित करता है, तो उसका चित्त स्वाभाविक रूप से राम में रमने लगता है। पूजा-अर्चना की तमाम सामग्रियां उसके लिए गौण हो जाती हैं। ऐसे व्यक्ति का व्यक्तित्व इतना सहज और सरल हो जाता है कि वह जीवन में आने वाली तमाम मुश्किलों का स्थितप्रज्ञ होकर मुस्कुराते हुए सामना कर लेता है। भारतीय जनमानस में राम का महत्व इसलिए नहीं है कि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं, बल्कि उनका महत्व इसलिए है, क्योंकि उन्होंने उन तमाम कठिनाइयों का सामना बहुत ही सहजता से किया। उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम भी इसलिए कहते हैं, क्योंकि अपने सबसे मुश्किल क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को बेहद गरिमापूर्ण रखा। राम का होना मयार्दाओं का होना है, रिश्तों का होना है, संवेदना का होना है, सामाजिक न्याय का होना है, करुणा का होना है। वे सही मायनों में भारतीयता के उच्चादर्शों को स्थापित करने वाले नायक हैं। उन्हें ईश्वर कहकर हम अपने से दूर करते हैं। जबकि एक मनुष्य के नाते उनकी उपस्थिति हमें अधिक प्रेरित करती है। एक आदर्श पुत्र, भाई, सखा, न्यायप्रिय नायक हर रुप में वे संपूर्ण हैं। उनके राजत्व में भी लोकतत्व और लोकतंत्र के मूल्य समाहित हैं। वे जीतते हैं किंतु हड़पते नहीं। सुग्रीव और विभीषण का राजतिलक करके वे उन मूल्यों की स्थापना करते हैं जो विश्वशांति के लिए जरुरी हैं। वे आक्रामणकारी और विध्वंशक नहीं है। वे देशों का भूगोल बदलने की आसुरी इच्छा से मुक्त हैं। वे मुक्त करते हैं बांधते नहीं। अयोध्या उनके मन में बसती है। इसलिए वे कह पाते हैं, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। यानि जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है। अपनी माटी के प्रति यह भाव प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी नागरिक का भाव होना चाहिए। वे नियमों पर चलते हैं। अति होने पर ही शक्ति का आश्रय लेते हैं। उनमें अपार धीरज है। वे समुद्र की तीन दिनों तक प्रार्थना करते हैं।

विनय न मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति
बोले राम सकोप तब भय बिनु होहिं न प्रीति।

यह उनके धैर्य का उच्चादर्श है। वे वाणी से, कृति से किसी को दुख नहीं देना चाहते हैं। वे चेहरे पर हमेशा मधुर मुस्कान रखते हैं। उनके धीरोदात्त नायक की छवि उन्हें बहुत अलग बनाती है। वे जनता के प्रति समर्पित हैं। इसलिए तुलसीदास जी रामराज की अप्रतिम छवि का वर्णन करते हैं-

दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज काहुंहिं नहीं व्यापा।

राम ने जो आदर्श स्थापित किए उस पर चलना कठिन है। किंतु लोकमन में व्याप्त इस नायक को सबने अपना आदर्श माना। राम सबके हैं। वे कबीर के भी हैं, रहीम के भी हैं, वे गांधी के भी हैं, लोहिया के भी हैं। राम का चरित्र सबको बांधता है। अनेक रामायण और रामचरित पर लिखे गए महाकाव्य इसके उदाहरण हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्वयं लिखते हैं-

राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है
कोई कवि बन जाए, सहज संभाव्य है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी पावन छाया में मानव युग-युग तक जीवन की प्रेरणा और उपदेश लेता रहेगा। जब तक श्रीराम जन-जन के हृदय में जीवित हैं, तब तक भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अजर-अमर रहेंगे। श्रीराम भारतीय जन-जीवन में धर्म भावना के प्रतीक हैं, उनमें मानवोचित और देवोचित गुण थे, इसीलिए वे मयार्दा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र भारत की सीमाओं को लांघकर विदेशियों के लिए भी शांति, प्रेरणा और नवजीवनदायक बनता जा रहा है। श्रीराम धर्म के साक्षात स्वरूप हैं, धर्म के किसी अंग को देखना है, तो राम का जीवन देखिये, आपको धर्म की असली पहचान हो जायेगी। धर्म की पूर्णता उनके जीवन में आद्यन्त घटित हुई है।

लेखक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं।

वैश्विक स्तर पर हो रहा हिन्दी का विस्तार

विश्व में करीब तीन हजार भाषाएं हैं। इनमें से हिन्दी ऐसी भाषा है, जिसे मातृभाषा के रूप में बोलने वाले दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं। मातृभाषा की दृष्टि से पहले स्थान पर चीनी है। बहुभाषी भारत के हिन्दी भाषी राज्यों की जनसंख्या 46 करोड़ से अधिक है। 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की 1.2 अरब जनसंख्या में से 41.03 प्रतिशत की मातृभाषा हिन्दी है। हिन्दी को दूसरी भाषा के तौर पर उपयोग करने वाले अन्य भारतीयों को मिला लिया जाए तो देश के लगभग 75 प्रतिशत लोग हिन्दी बोल सकते हैं। भारत के इन 75 प्रतिशत हिन्दी भाषियों सहित पूरी दुनिया में लगभग 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो इसे बोल या समझ सकते हैं। भारत के अलावा हिन्दी को नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, यूगांडा, दक्षिण अफ्रीका, कैरिबियन देशों, ट्रिनिदाद एवं टोबेगो और कनाडा आदि में बोलने वालों की अच्छी खासी संख्या है। इसके अलावा इंग्लैंड, अमेरिका, मध्य एशिया में भी इसे बोलने और समझने वाले लोग बड़ी संख्या में हैं। हिन्दी भारत की सीमाओं से बाहर निकलकर ह्यसबकी हिन्दीह्न बन गई, इसके पीछे भाषा का अपना संस्कार है। भारतीय संस्कृति की तरह हिन्दी उदार भाषा है। अन्य भाषाओं के प्रति सहिष्णु है। हिन्दी में प्रवाह है। वह सदैव बहती रही है। इसी कारण तमाम झंझावातों के बाद आज जिन्दा है और समृद्ध भी। सर्वसमावेशी भाषा होना हिन्दी का सबसे बड़ा सौन्दर्य है। हिन्दी ने बड़ी सहजता और सरलता से, समय के साथ चलते हुए कई बाहरी भाषाओं के शब्दों को भी अपने आंचल में समेट लिया। पहले से ही समृद्ध हिन्दी का शब्द भण्डार और अधिक समृद्ध हो गया है। हिन्दी को कभी भी अन्य भाषाओं के शब्दों से परहेज नहीं रहा। भारतीय भाषाएं तो उसकी अपनी सगी बहनें हैं, उनके साथ तो हिन्दी का लेन-देन स्वाभाविक ही है। लेकिन, हिन्दी ने बाहरी भाषाओं के शब्दों को भी बिना किसी फेरबदल के, उनके स्वाभाविक सौंदर्य के साथ स्वीकार किया है। वास्तव में, हिन्दी जीवंत भाषा है। वह समय के साथ बही है, कहीं ठहरी नहीं। जीवंत भाषाएं शब्दों में छुआछूत नहीं मानती हैं। शब्द जिधर से भी आए, हिन्दी ने आत्मसात कर लिए। हिन्दी के पास भारतीय भाषाओं और बोलियों की अपार संपदा है। भारतीय भाषाओं के शब्द सामर्थ्य का मुकाबला कोई भी बाहरी भाषा नहीं कर सकती। अंग्रेजी में जितने शब्द हैं, उससे कई गुना शब्द अकेली हिन्दी में हैं। फिर, अन्य भारतीय भाषाओं को हिन्दी के साथ मिला लिया जाए तो अंग्रेजी ही क्या, दुनिया की अन्य भाषाएं भी बौनी नजर आएंगी। अंग्रेजी में केवल 10 हजार के करीब शब्द हैं जबकि हिन्दी की शब्द सम्पदा ढाई लाख से भी अधिक है। यही नहीं, हिन्दी का व्याकरण भी सर्वाधिक वैज्ञानिक है। हिन्दी की पांच उप भाषाएं और 17 बोलियां हैं। प्रमुख बोलियों में अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, छत्तीसगढ़ी, गढ़वाली, हरियाणवी, कुमाऊंनी, मगधी और मारवाड़ी शामिल हैं। अपने उदार हृदय और सर्वसमावेशी प्रकृति के कारण हिन्दी जगत का निरंतर विस्तार होता जा रहा है। अब हिन्दी, हिन्द तक ही सीमित नहीं है। दुनिया के 40 से अधिक देश और उनकी 600 से अधिक संस्थाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। आज हिन्दी मात्र साहित्य की भाषा नहीं है। बल्कि विज्ञान और तकनीक की भी भाषा बन गई है। गूगल ने कई महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और सेवाएं जारी की हैं, जिनके माध्यम से विभिन्न तकनीकी युक्तियों में हिन्दी पाठ्य का उपयोग आसान हो गया है। एंड्राइड युक्तियों में बोलकर लिखने की प्रणाली (गूगल वॉयस इनपुट) सेवा का आगमन सुखद भी है और क्रांतिकारी भी। इससे पहले गूगल ने हिन्दी हस्तलिपि पहचान सॉफ्टेवयर जारी किया था। गूगल मैप्स और सर्च में भी बोलकर हिन्दी लिखी जा सकती है और हिन्दी में ही परिणाम देखे जा सकते हैं। ऑनलाइन हिन्दी के शब्दकोश मौजूद हैं। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय ने हिन्दी का प्रथम ओपन सोर्स यूनिकोड वर्तनी परीक्षक एवं शोधक सॉफ्टवेयर ह्यमालाह्न तैयार किया है, जिसमें दो लाख से अधिक हिन्दी के शब्द हैं। इस बीच, देवनागरी में डोमेन नेम का पंजीकरण शुरू हो गया है, जिनका डोमेन विस्तार ह्य.भारतह्न है। अब आप देवनागरी लिपि में भी अपनी वेबसाइट का पता रजिस्टर्ड करा सकते हैं। मोबाइल फोन में हिन्दी आने से हिन्दी जगत का और अधिक विस्तार हो गया है। अब तक मोबाइल फोन में रोमन लिपि में हिन्दी लिखी जा रही थी लेकिन टेक्नोलॉजी की मदद से अब सभी मोबाइल डिवाइस में हिन्दी लिखना-पढ़ना आसान हो गया है। आईफोन बनाने वाली एप्पल सरीखी कंपनी भी हिन्दी को ध्यान में रखकर अपने उपकरण तैयार कर रही है। एक भ्रम यह खड़ा किया जाता है कि अंग्रेजी रोजगार की भाषा है, हिन्दी नहीं। जबकि स्थितियां इसके उलट हैं। भारत दुनिया के लिए सबसे बड़ा बाजार है। इसलिए यहां व्यापार के लिए हिन्दी जरूरी हो गई है। विज्ञापन की दुनिया को हम देख सकते हैं- किस तरह वहां हिन्दी का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। विज्ञापन क्षेत्र के विशेषज्ञ मानते हैं कि हिन्दी में आते ही विज्ञापन की पहुंच 10 गुना बढ़ जाती है। बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने अपने शोरूमों के नाम हिन्दी साहित्य से उठा रहे हैं। खादिम, मोची, बुनकर ऐसे ही नाम हैं। मनोरंजन के क्षेत्र में तो हिन्दी का मुकाबला ही नहीं है। भारतीय बाजार में हिन्दी के मनोरंजन वाहनियों (चैनल्स) की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत है। बॉलीवुड दुनिया में सबसे अधिक फिल्में बनाने का ठिकाना है। बॉलीवुड के जरिए हिन्दी की दुनिया का दायरा भी बढ़ा है। हिन्दी का आकर्षण इतना है कि दुनिया के प्रभावशाली मीडिया घरानों को भी हिन्दी में अपनी सेवाएं शुरू करनी पड़ी।

वैश्विक भाषा बने हिन्दी

विश्व हिन्दी दिवस सिर्फ एक भाषा का उत्सव नहीं बल्कि भारत की विविधता में एकता का भी उत्सव है। 10 जनवरी इसी भावना को समर्पित दिन है जिसे भारतवासी विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाते हैं। यह दिन हमें देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिन्दी को अपनाने की याद दिलाता है। विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरुकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिन को विशेष रूप से मनाते हैं। सभी सरकारी कार्यालयों में विभिन्न विषयों पर हिन्दी में व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं। विश्व में हिन्दी का विकास करने और इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरूआत की गई। विश्व में पहला हिन्दी दिवस 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित किया गया था। इस महासम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। तब से ही इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी का एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में संवर्द्धन करने और विश्व हिन्दी सम्मेलनों के आयोजन को संस्थागत व्यवस्था प्रदान करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना का निर्णय लिया गया था। विश्व हिन्दी सचिवालय मॉरीशस के मोका गांव में 11 फरवरी, 2008 से कार्यरत है। विश्व हिन्दी दिवस को मनाने की शुरूआत पहली बार साल 1953 में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के सुझाव पर की गई थी। इस दिन को मनाने के पीछे का कारण हिन्दी के महत्व को बढ़ाना था। विश्व हिन्दी दिवस का उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार करना, हिन्दी के प्रति अनुराग पैदा करना, हिन्दी की दशा के लिए जागरुकता पैदा करना तथा हिन्दी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करना है। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन किया था। हिन्दी नाम फारसी शब्द हिंद से लिए गया है, जिसका अर्थ सिंधु नदी की भूमि से जुड़ा हुआ है। 11वीं शताब्दी के आसपास फारसी बोलने वाले लोगों ने सिंधु नदी के किनारे रहने वाले लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को हिन्दी नाम दिया था। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी लिपि है, जिसमें 14 स्वर और 33 व्यंजन सहित 47 प्राथमिक वर्ण हैं। हिन्दी दुनिया में चैथी सबसे व्यापक रूप से अपनाई जाने वाली लेखन प्रणाली है, जिसका उपयोग 120 से अधिक भाषाओं के लिए किया जा रहा है। हिन्दी एक महत्वपूर्ण भाषा है। विश्व पटल पर यह सिद्ध हो चुका है कि हिन्दी भाषा अपनी लिपि और उच्चारण के अनुसार सबसे शुद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। हर साल विश्व हिन्दी दिवस देश को एक साथ लाता है और हमें हमारी असली पहचान की याद दिलाता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि हम जहां भी जाएं हमें अपनी भाषा, संस्कृति और मूल्यों को अपने साथ रखना चाहिए। हिन्दी दिवस हमारे अंदर देशभक्ति की भावना जगाता है। आजकल लोग हिन्दी के बजाय अंग्रेजी सीखना पसंद करते हैं क्योंकि यह व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा है। अंग्रेजी भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। लेकिन हिन्दी दिवस अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लगातार याद दिलाता है कि हिन्दी हमारी आधिकारिक भाषा है। हिन्दी संस्कृत भाषा की वंशज है जो एक प्राचीन भारतीय भाषा है। यह अरबी, फारसी, तुर्की, पुर्तगाली और अंग्रेजी जैसी भाषाओं से प्रभावित है और यह उस भाषा परिवार का हिस्सा है जिसे इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार के रूप में जाना जाता है। संविधान के अनुच्छेद 343 के खंड (1) के अनुसार देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी संघ की राजभाषा है। संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

ढाका में फिर शेख हसीना

बांग्लादेश में 7 जनवरी को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को मिली भारी विजय के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी समेत एक दर्जन से भी अधिक राजनीतिक दलों के चुनाव बहिष्कार और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों के विरुद्ध विशेष वीजा नीति जैसे दवाबकारी अमेरिकी कदमों के बावजूद बांग्लादेश के मतदाताओं ने 12वीं संसद के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है और अपने भविष्य की डोर अवामी लीग को सौंप दी है। 300 सदस्यों वाली जातीय संसद में 222 सीटें जीतने वाली अवामी लीग की मुखिया शेख हसीना पांचवीं बार अपने देश की बागडोर संभालेंगी और यह एक ऐसी उपलब्धि है, जिससे किसी भी लोकतांत्रिक देश के नेता को रश्क होगा। भारत हमेशा से एक स्थिर और समर्थ बांग्लादेश का हिमायती रहा है, ऐसे में स्वाभाविक ही था कि चुनाव नतीजे आने के फौरन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शेख हसीना व बांग्लादेश के अवाम को अपनी मुबारकबाद देते हुए दोनों देशों के रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाने का इरादा जताया। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री पहले ही सबसे करीबी पड़ोसी भारत के प्रति आभार जता चुकी थीं। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि शेख हसीना को मिली इस लगातार चौथी जीत में बांग्लादेश की सुधरती आर्थिक स्थिति का बड़ा योगदान है। इसके कारण ही मानव विकास की विभिन्न कसौटियों पर इसका प्रदर्शन सुधरा है। जो बांग्लादेश एक समय विश्व के सबसे पिछड़े.देशों में शुमार था, पिछले दो दशकों में उसने शानदार तरक्की की है और इसका अंदाजा सिर्फ इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि जीडीपी के आधार पर वह आज दुनिया की 35वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। जाहिर है, इन दो दशक में से डेढ़ दशक सत्ता शेख हसीना के हाथों में रही।

Social Media Corner

सच के हक में...

अयोध्या नगरी में श्री रामजी के पधारने को लेकर हर ओर उमंग और उल्लास है। उस्मान मीर जी का यह मधुर राम भजन सुनकर आपको इसी की दिव्य अनुभूति होगी।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

लोक सभा चुनाव की तैयारियों व देश के सबसे बड़े जन-आंदोलन के दूसरे अध्याय - 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को सफल बनाने के लिए आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विभिन्न विभागों व अग्रिम संगठनों से गहन चर्चा जारी है।

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

राम मंदिर निर्माण के लिए पिछले 32 वर्षों से मौन धारण की हुई धनबाद की सरस्वती देवी (मौनी माता) आधुनिक युग की 'शबरी माता' हैं। प्रभु श्रीराम में अपार श्रद्धा एवं आस्था रखने वाली सरस्वती देवी जी विश्व के कोने-कोने में बसे सनातनियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, उनको मेरा प्रणाम!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गुजरात आधुनिक भारत की वृद्धि का प्रवेश द्वार: अंबानी

-उदयोगपति ने कहा- रिलायंस हमेशा गुजरात की कंपनी रहेगी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा गुजरात आधुनिक भारत की वृद्धि का प्रवेश द्वार है। अंबानी ने कहा, मैं आज दोहराता हूं कि रिलायंस हमेशा गुजरात की कंपनी रहेगी। जानेमाने उदयोगपति अंबानी आज वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के 10वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी का कहना है कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट आत्मनिर्भर भारत के लिए समृद्ध गुजरात की परिकल्पना के साथ नई ऊंचाइयां हासिल करता रहेगा। श्री अंबानी ने आगे कहा- रिलायंस ने भारत में 12 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसमें से एक तिहाई निवेश गुजरात में किया है। वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में गुजरात में गीगा फैक्टरी शुरू करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, गुजरात वर्ष 2047 तक 3000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा; भारत को 2047 तक 35000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। अंबानी ने कहा कि हम नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से साल 2030 तक गुजरात की आधी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लक्ष्य में मदद करेंगे। इसके लिए जामनगर में 5,000 एकड़ में हमने धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू कर दिया है।इससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी और हरित उत्पादों का उत्पादन संभव हो सकेगा और गुजरात को हरित उत्पादों का अग्रणी निर्यातक बना देगा। इसे हम इसे 2024 की दूसरी छमाही में ही चालू करने के लिए तैयार हैं। आज गुजरात पूरी तरह से 5G सक्षम है ,जो दुनिया के अधिकांश देशों के पास अभी तक नहीं है। यह गुजरात को डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म और एआई अपनाने में वैश्विक नेता बना देगा। उन्होंने कहा कि 5त्न-सक्षम,ढ्ढ क्रांति गुजरात की अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादक, और अधिक कुशल बनाएगी। लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा करने के अलावा यह एआई सक्षम उत्पादन करेगा। गुजरात राज्य में शिक्षा और कृषि उत्पादकता, डॉक्टर, एआई सक्षम शिक्षक और एआई सक्षम खेती, जो स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाएगी। मुकेश अंबानी ने गुजरात और वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन का स्वागत किया। इसे वैश्विक स्तर पर सबसे प्रतिष्ठित निवेशक शिखर सम्मेलनों में से एक माना जाता है। यह शिखर सम्मेलन दो दशकों से जारी है। मुकेश अंबानी ने मोदी है तो मुमकिन है इन शब्दों के साथ संबोधन की शुरुआत की।

देश के कई हिस्सों में मात्र 1799 रुपए में कर सकते हैं ट्रैवल

एयर इंडिया ने लॉन्च किया स्पेशल प्रमोशनल कैंपेन

नई दिल्ली ।

स्वदेशी टाटा समूह की स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उडान से देश के कई हिस्सों में आप मात्र 1799 रुपए में ट्रैवल कर सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए एक स्पेशल प्रमोशनल कैंपेन लॉन्च किया है। इस कैंपेन का नाम है टाइम टू ट्रैवल। एयरलाइंस का यह ऑफर 11 जनवरी 2024 से 11 जनवरी 2025 तक वैलिड रहने वाला है। ऐसे में यह स्पेशल ऑफर पूरे एक साल के लॉन्च किया गया है। इस ऑफर के तहत यात्रियों को केवल 1799 रुपए में बेंगलुरु-चेन्नई, दिल्ली-जयपुर, बेंगलुरु-कोच्चि, दिल्ली-ग्वालियर और कोलकाता-बागडोगरा के लिए सस्ती कीमतों पर सफर करने का मौका मिल रहा है। टाटा ग्रुप की एयरलाइंस कंपनी विस्तारा ने भी अपने ग्राहकों के लिए 9वीं सालगिरह पर एक स्पेशल एनिवर्सरी सेल का ऐलान किया है। इस सेल के मुताबिक पैसेंजर्स को कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर स्पेशल छूट का लाभ मिल रहा है। एयरलाइंस ने 9 जनवरी 2015 को पहली बार अपना ऑपरेशन शुरू किया था। अपने अधिकारिक एक्स/ट्विटर हैंडल पर इस बारे में जानकारी साझा करते हुए एयरलाइंस ने बताया है कि यह ऑफर 9 जनवरी, 11 जनवरी 2024 से लेकर 30 सितंबर 2024 तक वैलिड है। इस ऑफर के मुताबिक घरेलू एयरलाइंस में इकोनॉमी क्लास में 1809 रुपए, प्रीमियम इकोनॉमी में 2309 रुपए और बिजनेस क्लास में 9909 रुपए प्रति टिकट के हिसाब से शुल्क देना होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय टूर के लिए इकोनॉमी क्लास में 9999 रुपए, प्रीमियम इकोनॉमी में 13,499 रुपए और बिजनेस क्लास में 29,999 रुपए में टिकट ऑफर किया जा रहा है।

एयरलाइंस द्वारा चलाए जाने वाले स्पेशल प्रोग्राम के जरिए ऐसे मेंबर्स को 8 फीसदी न्यू कॉइन्स भी मिलता है। इसके साथ ही मेंबर्स को खाने, सीट के चुनाव, फ्लाइट टिकट कैंसिल करने, बैगेज रूल्स आदि में कई तरह की विशेष छूट का लाभ मिलता है। एयर इंडिया एक्सप्रेस नियूपास रिवाड्र्स प्रोग्राम के तहत कई मेंबर्स को फ्री में प्रॉयोरिटी सर्विस मिल रही है। यह सुविधा हाईफ्लायर और जेटसेटर बैज को ही मिल रही है।

हर तीन दिन में एक नया स्टोर शुरु करेगा टाटा स्टारबक्स

2028 तक स्टोरों की संख्या 1,000 करने की योजना

नई दिल्ली । टाटा स्टारबक्स प्राइवेट लिमिटेड ने हर तीन दिन में एक नया स्टोर शुरु करेगा। साथ कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या भी दोगुनी करने की योजना बनायी है। कंपनी ने भारत में 2028 तक अपने स्टोरों की संख्या 1,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि इससे पहले नवंबर में लंबी अवधि की ट्रिपल शॉट रीइंवेन्शन स्ट्रैटेजी पेश की गई थी। इस रणनीति का पूरा ध्यान स्थानीय पार्टनरों को रोजगार के लिए तैयार करने, बेहतर अनुभव के साथ ग्राहकों को सेवाएं देने वाले नए स्टोरों की शुरुआत करने की ओर है। साथ ही कंपनी दुनिया भर में स्टारबक्स के ग्राहकों के बीच भारतीय मूल की कॉफी को बढ़ावा देना चाहती है। उसने कहा कि पूरी दुनिया में भारत स्टारबक्स के सबसे तेज़ी से वृद्धि करते बाज़ारों में से एक है। इसी रणनीतिक महत्व की वजह से कंपनी आने वाले दिनों में भारत में अपनी उपस्थिति को दोगुना करने वाली है। स्टारबक्स कॉफी कंपनी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम द्वारा 2012 में शुरू किया गया टाटा स्टारबक्स अब 54 भारतीय शहरों में 390 से ज़्यादा स्टोर का संचालन करता है जहां लगभग 4,300 कर्मचारी कार्यरत हैं।कंपनी की योजना टियर 2 और टियर 3 भारतीय शहरों तक पहुंचने, ड्राइव-थ्रू, एयरपोर्ट और अपने 24 घंटों वाले स्टोर का विस्तार करना है, ताकि ग्राहकों को हर जगह सेवाएं दी जा सकें। 2028 तक अपने स्टोरों की संख्या 1,000 तक ले जाने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या को दोगुना करके 8,600 करेगी।

यामाहा मोटर ने नये उन्नत मॉडल पेश किये

चेन्नई ।

इंडिया यामाहा मोटर ने नये मॉडल पेश किये हैं। याहमा ने आरटी 15 , एफसी-एस एफजेड प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी मोटरसाइकिल लाइन-अप में बड़े बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने यू-ट्यूब प्लेटफॉर्म पर अपने वर्चुअल लाइव इवेंट में आर15 वर्जन 4.0 और एफजेड सीरीज के मॉडल्स को नए रंग और नये डिजाइन ग्राफिक्स और कॉस्मेटिक बदलावों के साथ लॉन्च किया है। इसमें एफजेड-एसएफन वी4.0 डीएलएक्स, एफजेड-एस एफ वी 3.0, एफजेड एफवन वी3.0 और एफजेड-एक्स शामिल हैं।

कंपनी का मानना है कि नए रंग और ग्राफिक्स के साथ आ रह इन मोटरसाइकिलों से कंपनी की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा और युवा ग्राहकों के साथ ही तगड़ा संबंध स्थापित करेगी। कंपनी का कहना है कि यामाहा की सभी अपडेटेड बाइक्स ई-20 कंप्लाइंट पेट्रोल से चलती हैं और इनमें टेक्शन कंट्रोल और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसे

फीचर्स मिलते हैं। कंपनी की यामाहा आर15 वर्जन 4.0, एफजेडएफवन वर्जन 4.0 और 2024 एफजेड-एक्स डिलक्स बाइकों के साथ वाय-कनेक्ट एप मिलेगा। इस एप से बाइक और मोबाइल एक-दूसरे से कनेक्ट रहेंगे। इसमें बाइक के इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर स्क्रीन पर फोन के नोटिफिकेशन देखे जा सकेंगे। इसमें कॉल एलर्ट, एसएमएस, ई-मेल, एप कनेक्टिविटी स्टेटस और फोन बैटरी लेवल स्टेटस शामिल हैं।

टैक्स छूट की सीमा को बढ़ाकर 7.5 लाख रुपये कर सकती है केन्द्र सरकार

नई दिल्ली ।

केन्द्र सरकार आने वाले समय में आयकरदातों को राहत देते हुए टैक्स छूट की राशि को 7 से बढ़ाकर 7.5 लाख कर सकती है। अनुमान है कि एक फरवरी को पेश वाले अंतरिम बजट में नई व्यवस्था के तहत ही इसे सात लाख रुपये से बढ़ाकर 7.5 लाख रुपये किया जा सकता है। इस बदलाव के लिए वित्त विधेयक पेश किया जा सकता है।

वहीं विशेषज्ञों के अनुसार यदि सरकार यह फैसला लेती है तो करदाताओं को नई कर व्यवस्था में आठ लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं देना होगा। इस छूट में 50 हजार रुपये की मानक कटौती भी शामिल है। इससे पहले सरकार ने 2023 के बजट में नई कर व्यवस्था के तहत इसे पांच लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये किया था। गौरतलब है कि सरकार ने बजट 2023 में नई कर व्यवस्था में कई बदलाव करते हुए राहत दी थी। इसके मुताबिक, पहले नई कर व्यवस्था में किसी भी तरह के निवेश या कटौती का दावा नहीं किया जा सकता था, लेकिन बजट में इसमें मानक कटौती को शामिल कर लिया गया है। इसके तहत, करदाताओं को 50,000 रुपये तक की कर

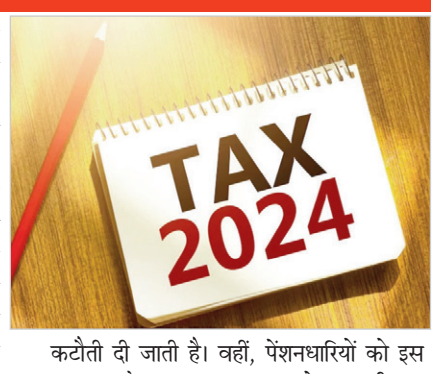

कटौती दी जाती है। वहीं, पेंशनधारियों को इस व्यवस्था के तहत 15,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है।

आज इतना सस्ता हो गया सोना, चांदी के भी गिरे भाव

नई दिल्ली । सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को गिरावट है। सर्राफा बाजारों में अब 10 ग्राम 2कैरेट गोल्ड सस्ता होकर 62247 पर आ गया है। जबकि, चांदी का भाव अब 545 रुपये प्रति किलो गिरकर 71295 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। सोना अपने 4 दिसंबर 2023 के ऑल टाईम हाई 63805 रुपये से 1558 रुपये सस्ता है। सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में सोना-चांदी 1000 से 2000 रुपये महंगा मिल रहा हो।

डेल्टा कॉर्प, आईईएक्स, बंधन बैंक सहित 12 स्टॉक्स एफएंडओ बैन लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा बुधवार, 10 जनवरी को वायदा और विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट के तहत ट्रेड के लिए 12 शेयरों को प्रतिबंध किया गया है। इन सिक्युरिटीज को एफएंडओ सेगमेंट के तहत प्रतिबंध पर रखा गया है, क्योंकि यह मार्केट-वाइड पोजीशन लिमिट का 95 फीसदी पार कर गया है। हालांकि, स्टॉक कैश मार्केट में ट्रेड के लिए उपलब्ध होंगे। डेल्टा कॉर्प, आईईएक्स, बंधन बैंक, बलरामपुर चीनी मिल्स, बंधन बैंक, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, डेल्टा कॉर्प, एस्कॉर्ट्स, जीएनएफसी, हिंदुस्तान कॉपर, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज लिमिटेड (आईईएक्स), इंडिया सीमेंट्स, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, पीरामल एंटरप्राइजेज और सेल पर प्रे तिबंध लग गया है। एनएसई हर दिन ट्रेड के लिए एफ एंड ओ बैन में सिक्युरिटिज की लिस्ट को अपडेट करता है। एनएसई ने कहा प्रतिभूतियों में डेरिवेटिव के 95 फीसदी को पार कर गए हैं। इस संबंध में एनएसई ने कहा` कि इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि सभी ग्राहक/सदस्य उक्त सुरक्षा के डेरिवेटिव अनुबंधों में केवल ऑफसेटिंग पोजीशन के माध्यम से अपनी स्थिति कम करने के लिए ट्रेड करेंगे। ओपन पोजीशिन में किसी भी वृद्धि पर उचित दंडात्मक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा एफएंडओ बैन अवधि के तहत रखे जाने पर किसी विशेष स्टॉक में किसी भी एफएंडओ अनुबंध के लिए किसी भी नई स्थिति की अनुमति नहीं दी जाती है। शेयर बाजार की बात करें तो सेंसेक्स और निफ्टी 50 मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स शुरू में तेजी से चढ़ा, लेकिन बाद में कारोबार समाप्ति से पहले बिकवाली दबाव से इसके लाभ में कमी आई। अंत में यह 30.99 अंक की मामूली बढ़त के साथ 71,386.21 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 680.25 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी भी कारोबार के दौरान हुए ज्यादातर लाभ को गंवाते हुए अंत में 31.85 अंक की हल्की बढ़त के साथ 21,544.85 अंक पर बंद हुआ।

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले रॉकेट बना इस कंपनी का शेयर

मुंबई । अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। इस कार्यक्रम को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। वहीं, शेयर बाजार में भी अयोध्या से कनेक्शन वाले शेयरों के लिए निवेशक उत्साहित नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक शेयर अपोलो सिंदुरी होटल्स का है। बीते कारोबारी दिन 1996.65 रुपये के भाव पर बंद होने वाला यह शेयर बुधवार को 15 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 2300 रुपये पर पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। शेयर ने पिछले साल फरवरी महीने में 1020 रुपये के 52 हफ्ते के लो को टच किया था। मुख्य तौर पर यह शेयर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़ी हुई है। अपोलो सिंदुरी होटल्स अयोध्या में एक मल्टीलेवल पार्किंग फैसलिटीज है। अयोध्या के टेढ़ी बाजार में इस फैसलिटीज में रेस्तरां के लिए एक रूफटॉप एरिया है, जो 1000 से अधिक पर्यटकों की मेजबानी करने में सक्षम है। यह 3,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का बहुप्रतीक्षित प्रतिष्ठा समारोह है। इस समारोह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए निवेश की घोषणा ने कई शेयरों को बूस्ट दिया है। मंदिर के खुलने और भविष्य में निवेश के बाद पर्यटन में संभावित वृद्धि के कारण अयोध्या और उसके आसपास हॉस्पिटैलिटी में तेजी आने की उम्मीद है।

अगले 5 वर्षों में अदाणी समूह गुजरात में 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करेगा : गौतम अदाणी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि अगले पांच वर्षों में अदाणी समूह गुजरात में 2 लाख करोड़ रुपये (25 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करेगा, जिससे 1 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। नई दिल्ली, 10 जनवरी (आईएएनएस)। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि अगले पांच वर्षों में अदाणी समूह गुजरात में 2 लाख करोड़ रुपये (25 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करेगा, जिससे 1 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

अदाणी ने अहमदाबाद में 10वें वाइब्रेंट गुजरात समिट में कहा, आज, मैं आगे निवेश के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम कच्छ के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े 725 वर्ग किलोमीटर में फैले 30 गीगावॉट क्षमता वाले हरित ऊर्जा पार्क का निर्माण कर रहे हैं, जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देगा। हम आत्मनिर्भर भारत के लिए हरित सप्लाई चेन का विस्तार कर रहे हैं और सबसे बड़ा एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं। इसमें सौर पैनल, पवन टरबाइन, हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइज़र, हरित अमोनिया, पीवीसी और तांबे-सीमेंट उत्पादन में विस्तार शामिल हैं। अदाणी ने कहा कि पिछले शिखर सम्मेलन में उन्होंने 2025 तक 55,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की थी। मैंने पहले ही विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया था और 25,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है। ÷वाइब्रेंट गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असाधारण दृष्टि की अद्भुत अभिव्यक्ति है। इसमें आपके सभी हॉलमार्क सिग्नेचर्स, मर्जिंग ग्रैंड एम्बिशन, विशाल पैमाने, सावधानीपूर्वक शासन और त्रुटिहीन निष्पादन शामिल हैं। इसने एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को प्रज्वलित किया क्योंकि हमारे सभी राज्य भारत के औद्योगिक परिदृश्य को मौलिक रूप से फिर से तैयार करने के लिए प्रतिस्पर्धा और सहयोग करते हुए आगे बढ़े हैं। उन्होंने जिक्र किया, पिछले दशक के आंकड़े उल्लेखनीय हैं। साल 2014 के बाद से भारत ने जीडीपी में 185 फीसदी की वृद्धि और पर-कैपिटा इनकम में 165 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जो कि जियो पॉलिटिकल और महामारी से संबंधित चुनौतियों को देखते हुए अद्वितीय है। अदाणी ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आपकी उपलब्धियां भी उतनी ही उल्लेखनीय हैं, आप हमें विश्व मंचों पर आवाज उठाने वाले देश से एक ऐसे देश में ले गए हैं, जो अब ग्लोबल मंच बनाता है। सोलर अलायंस प्लेटफ़ॉर्म एक पहल है, जिसकी आपने संकल्पना की और जी20 प्लेटफ़ॉर्म पर आपके नेतृत्व ने अधिक समावेशी विश्व व्यवस्था के लिए एक मानदंड स्थापित किया। ग्लोबल साउथ को जी20 में जोड़ना आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक पल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आप केवल भविष्य की भविष्यवाणी नहीं करते हैं, आप इसे आकार भी देते हैं। आपने भारत को दुनिया का सबसे तेजी से विकास करने वाला राष्ट्र बनने के लिए फिर से तैयार किया है। इतना ही नहीं उसे 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'विश्व गुरु' के दोहरे दर्शन से प्रेरित वैश्विक सामाजिक चैंपियन के रूप में स्थापित किया है।' उन्होंने आगे कहा, सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के युवाओं का उपयोग करने और 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने में आपकी दूरदर्शिता के साथ, आपने यह सुनिश्चित किया है कि आज का भारत कल के वैश्विक भविष्य को आकार देने के लिए तैयार है।

पटेल इंजियिरिंग के शेयरों में तीन साल बाद 600 प्रतिशत का उछाल आया

दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया ने बड़ा दांव लगाकर खरीदे हैं 1.3 करोड़ शेयर

नई दिल्ली । पटेल इंजियिरिंग के शेयरों में भारी उछाल आया है। इसको 98 फीसदी टूटने के बाद अच्छी तेजी मिली है। इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सर्विसेज कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 700 रुपये से लुढ़ककर 9 रुपये पर आ गए थे। इधर, पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 600 पर्सेंट का उछाल आया है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 10 जनवरी 2024 को 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया ने इस मल्टीबैगर स्टॉक पर बड़ा दांव लगाया है। विजय केडिया के पास कंपनी के 13000000 शेयर हैं। बता दें कि पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 4 जनवरी 2008 को 705.74 रुपये पर थे। इसके बाद कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 6 नवंबर 2020 को 9.06 रुपये पर पहुंच गए। ऑल टाइम हाई से कंपनी के शेयरों में 98 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। इधर, पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी लौटी है। यही वजह रही कि पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 10 जनवरी 2024 को 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में इस अवधि में 600 पर्सेंट का उछाल आया है। एक साल में कंपनी के शेयरों में 285 फीसदी का उछाल देखा गया है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले एक साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 285 पर्सेंट चढ़ गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 10 जनवरी 2023 को 16.52 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 10 जनवरी 2024 को 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 70 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। पिछले 3 महीने में पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 30 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 49.23 रुपये से बढ़कर 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं।

दाल और आटे के बाद सस्ता भारत ब्रांड के नाम से चावल बेचेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

देश में इनदिनों चावल-दाल की कीमत कुछ ज्यादा ही है। इससे आम आदमी परेशान नहीं हो, इसके लिए मोदी सरकार ने कई कदम उठाने की घोषणा की है। पहले मोदी सरकार ने देश के करीब 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने की योजना को पांच साल के लिए और बढ़ा दिया। अब भारत ब्रांड के तहत सस्ते चावल बेचने की तैयारी है। इसके पहले मोदी सरकार भारत ब्रांड के तहत सस्ती दाल और सस्ते आटे भी बेचने की शुरुआत कर चुकी है। यूं अभी भारत ब्रांड चावल की कीमत तय नहीं हुई है, लेकिन बताया जाता है कि इसका दाम 25 रुपये किलो हो सकता है। इस चावल को सरकारी दुकानों से बेचने की तैयारी है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मध्यमवर्गीय को महंगे चावल से राहत दिलाने के लिए भारत ब्रांड चावल बेचने की तैयारी है। इसी तरह से पहले से भारत ब्रांड दाल और आटे की बिक्री की जा रही है। भारत ब्रांड चावल बेचने की जिम्मेदारी नेफेड और एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार जैसे संगठनों को दी जाएगी। कोशिश की जा रही है कि इस चावल को पैककर जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों यानी राशन डीलरों के जरिये भी बिकवायी जाए। बीते कुछ समय से चावल की कीमत में लगतार बढ़ोतरी हो रही है।

इस साल चावल की कीमतों में 14.1 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है। नॉर्मल नॉन ब्रांडेड चावल की कीमत औसत रूप से 43.3 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। इसके बाद चावल के दामों में आई तेजी को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने भारत ब्रांड के तहत सस्ता चावल बेचने का फैसला किया।

एफसीआई से मिलेगा सस्ते चावल

एनसीसीएफ (एनसीसीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से सस्ते चावल की सप्लाई होगी। इसकी छोटी पैकिंग करा के चावल को रिटेल स्टोर या राशन डीलरों के जरिए बेचा जा सकता है। छोटी पैकिंग कितने किलो की होगी, इस सवाल पर उन्होंने बताया कि अभी इसका फैसला नहीं हुआ है। हो सकता है कि चावल की पैकिंग पांच किलो की हो या 10 किलो की हो।

प्रबंधन परियोजना को विश्व बैंक से मिलेंगे करोडों रुपए

-विश्व बैंक और वित्त मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली । बाढ़ प्रबंधन और अतिरिक्त पानी को सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्रों में स्थानांतरित करने महाराष्ट्र के कोल्हापूर और सांगली जिलों में विश्व बैंक से करोडों रुपए मिलेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विश्व बैंक और वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दी है। यह परियोजना की लागत 3,300 करोड़ रुपये की है, जिसमें विश्व बैंक 2,328 करोड़ रुपये और राज्य सरकार 998 करोड़ रुपये का योगदान देगी। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने दी। इसके अलावा, एकीकृत जल प्रबंधन और निगरानी प्रणाली के माध्यम से अतिरिक्त पानी को सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में ले जाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह परियोजना कोल्हापूर और सांगली जिलों में बाढ़ से राहत प्रदान करने और मराठवाड़ा में सूखे की समस्या को दूर करने में मदद करेगी। यह परियोजना महाराष्ट्र के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। यह परियोजना कोल्हापूर और सांगली जिलों में बाढ़ के जोखिम को कम करने और मराठवाड़ा में सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने में मदद करेगी।इस परियोजना के तहत कृष्णा और भीमा नदी घाटी में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके विविध काम पूरे किए जाएंगे। इनमें बाढ़ रेखाओं का निर्धारण, नदियों की गहराई बढ़ाना, गाद निकालना आदि शामिल हैं।

इतिहास से भी पुराना

बनारस

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

***य**ह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान षिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।*

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

क्यों देखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

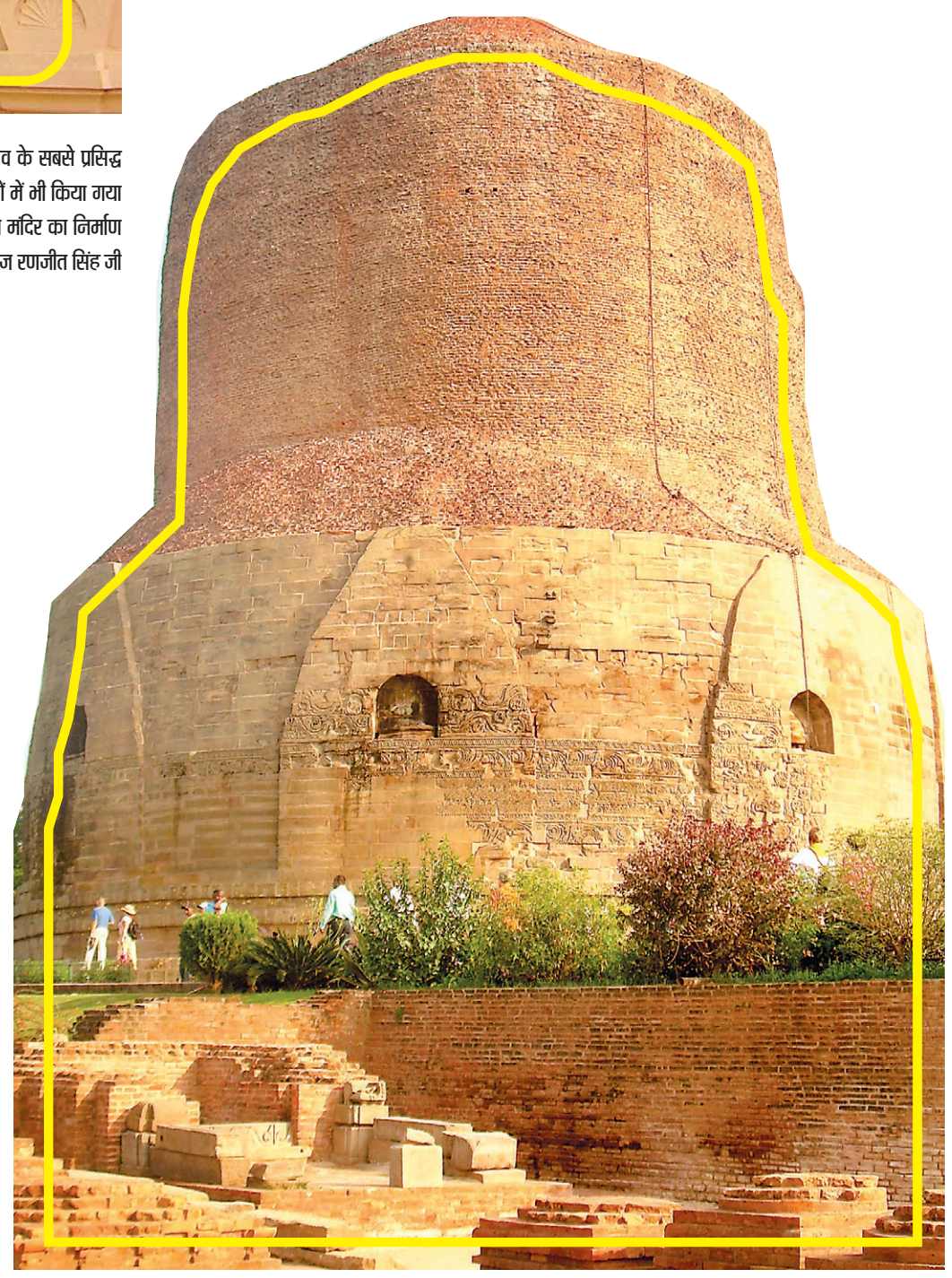

गणतंत्र दिवस की परेड देखने ऑनलाइन बुक होगी टिकट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कर्तव्यपथ पर चलने वाली परेड देखने के लिए ऑनलाइन टिकटें मिलेंगी। यह भारत की समृद्ध संस्कृति और इतिहास को प्रदर्शित करती है। पूरे देश से लोग यहां परेड देखने आते हैं, जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, सैन्य प्रदर्शन और बहुत कुछ शामिल होता है। भारतीय नागरिक आरक्षित या अनारक्षित सीट ले सकते हैं। जिसकी कीमत 20 रुपये और 100 रुपये है ।गणतंत्र दिवस पर विजय चौक पर खास परेड का आयोजन होता है। गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10 बजे विजय चौक से शुरू होगी और 5 किलोमीटर की दूरी तक, नेशनल स्टेडियम पर परेड का अंतिम पड़ाव होगा। अगर आप भी परेड देखना चाहते हैं तो टिकट बुक करवा सकते हैं। भारतीय नागरिक आरक्षित या अनारक्षित सीट ले सकते हैं। जिनकी कीमत 20 रुपये और 100 रुपये है। हालांकि, टिकटों की बुकिंग आज यानी 10 जनवरी से शुरू हो गई। टिकट 25 जनवरी तक उपलब्ध रहेंगे लेकिन हर दिन टिकट सीमित संख्या में ही उपलब्ध होंगे। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक वेब पोर्टल पर जाकर टिकिट बुक की जा सकती है। इसके लिए लॉगिन करें या नया अकाउंट बनाएं। फिर व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर आदि भरें। मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी से वेरिफाई करें। विकल्पों में से एक कार्यक्रम चुनें जिसमें एफडीआर गणतंत्र दिवस परेड, गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग द रिट्रीट शामिल हैं। सत्यापन उद्देश्य के लिए, सहभागी जानकारी प्रदान करें और एक मूल फोटो आईडी अपलोड करें। ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया पूरी करके टिकट डाउनलोड करें। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड के लिए ऑफलाइन टिकट भी उपलब्ध रहेंगे जो भारत सरकार पर्यटक कार्यालय और डीटीडीसी काउंटर व आईडीटीसी ट्रैवल काउंटर पर उपलब्ध होंगे। विभागीय बिक्री काउंटर रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक टिकट बेचेंगे, जबकि संसद भवन का रिसेप्शन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक टिकट बेचेगा।

चारमीनार एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, 5 हुए घायल

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इसमें पांच लोगों के घायल होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार को चारमीनार एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर जाने की घटना सामने आई है। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब सवा नौ बजे हुई। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन एक टर्मिनल स्टेशन है जहाँ रेलगाड़ियाँ समाप्त होती हैं। हालांकि ट्रेन को समाप्ति से पहले रुकना चाहिए था, लेकिन ट्रेन आगे निकल गई। इस घटना में ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े करीब पांच लोगों को मामूली चोटें आईं। इनका इलाज रेलवे अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि हैदराबाद डेक्कन रेलवे स्टेशन ट्रेन का अंतिम गंतव्य है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, तो वह धीमी गति से चल रही थी और अंतिम बिंदु से आगे निकल गई, जिसके कारण तीन डिब्बे – एस 2, एस 3 और एस 6 – पटरी से उतर गए। इस पटरी से उतरे झटके के कारण छह यात्री घायल हो गए। इधर तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान किया जाए। ट्रेन मंगलवार शाम को चेन्नई से चलकर हैदराबाद पहुंची थी। अधिकारी ने बताया कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। एससीआर के एक अधिकारी ने बताया कि घायल यात्रियों का इलाज नजदीकी अस्पताल में किया जा रहा है।

मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की पहली बार एक साथ हुई पेशी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला केस में पहली बार मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की एक साथ पेशी हुई। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की आज न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म हो रही है। यही वजह है कि उन दोनों को पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया है। दरअसल, कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया फिलहाल जेल में हैं। उन्हें पिछले साल फरवरी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था और बाद में उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कथित शराब घोटाला 2021-22 में आबकारी नीति से संबंधित है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे लागू किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसके तुरंत बाद 2022 में आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया था। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला केस में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने और लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को रिश्वत के बदले लाभ हुआ। हालांकि, संजय सिंह ने इस आरोप का खंडन किया है जबकि आप ने आरोप लगाया है कि उसके नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

दम घुटने से हुई आरोपी महिला सीईओ के संतान की मौत

-चार वर्षीय पुत्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आरोपी मॉ को 6 दिन की पुलिस हिरासत

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। गोवा की हत्या आरोपी अधिकारी ने जिस चार वर्षीय बच्चे की हत्या की थी, उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट दम घुटने का कारण बताया गया है। मंगलवार को एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि बच्चे की मौत दम घुटने से हुई। जानकारी के अनुसार एक स्टार्ट-अप कंपनी की 39 वर्षीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सूचना सेठ ने अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर गोवा में हत्या कर दी और फिर उसके शव को बैग में भरकर टैक्सी से पड़ोसी राज्य कर्नाटक चली गई, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गोवा पुलिस ने आरोपी सूचना सेठ को सोमवार रात कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि उसे मंगलवार को गोवा लाया गया और मापुसा शहर की एक अदालत ने उसे छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के मकसद का अभी तक पता नहीं चला है। महिला छह जनवरी को अपने बेटे के साथ उत्तरी गोवा के कैंडोलिम में एक किराए के फ्लैट में आई थी और दो दिनों तक वहां रहने के बाद सोमवार को टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि जब आरोपी वहां से निकली, तो उनका चार वर्षीय बेटा उनके साथ नहीं दिखा। हिरियुर तालुक अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमार नाइक ने मीडिया को बताया कि उसकी मौत मुंह और नाक दबाने से दम घुटने से हुई होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए किसी कपड़े या तकिए का इस्तेमाल किया गया। नाइक ने बताया कि ऐसा नहीं लगता कि हाथों से गला घोंटकर बच्चे को मारा गया होगा।

कर्नाटक विधानसभा के सामने परिवार के 8 सदस्यों ने आत्मदाह का किया प्रयास, शरीर पर तेल छिड़का और...

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बुधवार को कर्नाटक विधानसभा के सामने एक ही परिवार के आठ सदस्यों ने आत्मदाह का प्रयास करने के बाद अपनी जान देने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने यह हताशापूर्ण कदम उठाया क्योंकि वे बैंक द्वारा बकाया ऋण की वसूली के लिए उनके घर की नीलामी से परेशान थे। विधान सौधा (कर्नाटक विधानसभा) के बाहर महिलाओं और बच्चों समेत परिवार के सदस्यों ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़क लिया। हालाँकि, पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से यह त्रासदी टल गई, जिससे इसमें शामिल परिवार के सदस्यों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी परिवार को पुलिस वाहनों में ले जाते दिख रहे हैं। अपनी परेशानी साझा करते हुए, परिवार ने कहा कि उन्होंने अदरक की खेती का व्यवसाय शुरू करने के लिए 2016 में बैंगलोर सिटी कोऑपरेटिव बैंक से 50 लाख रुपये का ऋण लिया था। हालाँकि, उनके उद्यम को काफी घाटा हुआ, जिससे उन्हें उधार ली गई राशि चुकाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

कांग्रेस के न्याय यात्रा पर जेपी नड्डा का तंज,

70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, ओबीसी के मुद्दे पर भी घेरा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 'भारत न्याय यात्रा' को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ओबीसी को संवैधानिक दर्जा दिया। लेकिन वे (कांग्रेस) केवल वोट चाहते हैं। नेहरू ने अम्बेडकर को संसद में प्रवेश करने से रोक दिया था। ओबीसी के साथ इतना अन्याय करने के बाद अब ये 'न्याय यात्रा' निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 356 का इस्तेमाल कर 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। ये लोग 'न्याय यात्रा' निकाल रहे हैं? अगर कल कोई हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार गिरा दे तो क्या होगा?...जब राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान यहां आएं तो आपको उनसे 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में पूछना चाहिए।

नड्डा ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व तरीके से बदल रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि आप उस पार्टी से हैं जिसने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारतीय राजनीति की परिभाषा भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले घोषणा पत्र छापो, वादे करो, सरकार में आओ, पांच साल मौज करो और फिर सरकार में आने के लिए लोगों को सपने दिखाओ, लोगों को लुभाओ और फिर सरकार में आओ... यही कल्चर था। आज मोदी जी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स सिखाई है, जो कहा वो किया और जो नहीं कहा वो भी किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के लिए सिर्फ चार ही जातियां हैं- महिला, युवा, किसान और गरीब। अगर इन चारों का उत्थान होगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी भी अपने किसी भी वादे को याद नहीं किया या उसके बारे में बात नहीं की। उनकी पार्टी की संस्कृति घोषणापत्र प्रकाशित करना, वादे करना, सत्ता में आना, 5 साल तक आनंद लेना है... और फिर इस चक्र को दोहराना है... वे नए वादे करते हैं, नए सपने दिखाते हैं, सत्ता में आते हैं और लोगों को फिर से धोखा देते हैं। लेकिन आज पीएम मोदी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स की संस्कृति सिखा दी है। हम जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। हम वह भी पूरा करते हैं जिसका हमने वादा नहीं किया है!

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूर्वोत्तर मुख्यधारा से जुड़ा है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा बार पूर्वोत्तर आने वाले प्रधानमंत्री हैं मोदी जी। पूर्वोत्तर की सारी समस्याओं का समाधान मोदी सरकार ने ही किया। उन्होंने कहा कि 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली...अन्याय की नींव रखने वाली कांग्रेस पार्टी, भारत को तोड़ने में कोई कसर न छोड़ने वाली कांग्रेस पार्टी... आज भारत जोड़ो यात्रा करने चली है।

अखिलेश यादव पर चढ़ गया स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत : प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बहाने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा और कहा कि उन पर स्वामी का भूत सवार हो गया है। उन्होंने इसके लिए विक्रम बेताल का उदाहरण दिया। दरअसल सनातन धर्म को लेकर अक्सर विवादित बयानबाजी करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर भारतीय जनता पार्टी पहले से हमलावर है और अब कांग्रेस नेता ने भी निशाना साधा है। गाजियाबाद में मीडिया से बात करते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य से डरते हैं और यह जानते हुए कि वह बेड़ा गर्ग करा देंगे फिर भी पता नहीं उनकी क्या मजबूरी है। स्वामी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी है। अखिलेश यादव के ऊपर स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत चढ़ गया है। प्रमोद कृष्णम ने यह भी कहा कि अखिलेश जानते हैं कि यदि स्वामी इसी तरह बयानबाजी करते रहे तो यूपी में भाजपा फिर आएगी। बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने 1990 में कारसेवकों पर गोली चलाए जाने की घटना को सही ठहराया है। कासगंज में पत्रकारों से बात करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि, अराजक तत्वों ने जो तोड़फोड़ की थी और तत्कालीन सरकार, मुलायम सिंह यादव ने संविधान, कानून की रक्षा के लिए गोली चलवाई थी वह सरकार का कर्तव्य था। सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया था। दरअसल यह बात स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा नेता एसपी सिंह बघेल को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बोल रहे थे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने पंजाब को दी 4 हजार करोड़ रुपए की सौगात

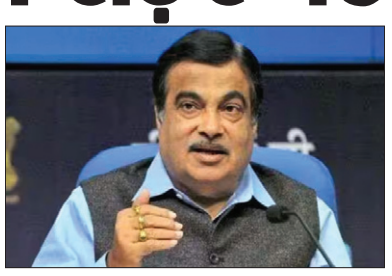

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब को 4 हजार करोड़ रुपए का तोहफा दिया। बता दें गडकरी जालंधर के आदमपुर एयरपोर्ट से पहुंचे। इस मौके मंच पर पंजाब बीजेपी प्रधान सुनील जाखड़ ने उनका स्वागत किया। होशियारपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गडकरी ने फगवाड़ा-होशियारपुर फोरलेन का उद्घाटन किया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आज पंजाब में 4 हजार करोड़ के नए प्रोजैक्ट की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि जब अटलजी प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने मुझे गांवों को जोड़ने के लिए कहा था। पंजाब राज्य का निर्माण होने बाद से 2014 से 2024 कई गुणा अच्छे रोड बीजेपी सरकार ने बनाकर दिखाए हैं। उन्होंने कहा पिछले 9 साल में पंजाब में एनएच की 2 हजार 540 लंबाई बड़ी है। राज्य व देश का विकास करना है, तब इंफ्रासट्रक्चर अच्छा बनाना होगा और अगर इंफ्रासट्रक्चर अच्छा होगा, तब उद्योग आएंगे, जिससे रोजगार मिलेगा। गडकरी ने कहा कि अमृतसर एयरपोर्ट से रामदास तक 2024 में 4 लेन हाईवे का काम पूरा हो जाएगा, जिससे श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर तक का रास्ता आसान हो जाएगा। सड़के अच्छी होंगी तब किसान भी खुशहाल होगा।

गडकरी ने ऐलान किया कि लुधियाना से बठिंडा तक ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा जिसकी लंबाई 75 कि.मी. होगी। इस प्रोजेक्ट पर 2 हजार करोड़ रुपए का खर्चा आएगा। इस हाईवे से लुधियाना से बठिंडा की दूरी 45 मिनट में तय होगी। ये प्रोजेक्ट 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अलावा इस हाईवे की कनैक्टीविटी हलवारा एयरपोर्ट तक भी होगी। एक्सप्रेस वे के साथ ग्रीन एक्सप्रेस वे भी बना रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने पंजाब सरकार से अपील कर कहा कि भूमि अधिग्रहण के काम में तेजी लाए। जमीन अधिग्रहण से सड़कें तेजी से बनेंगी। उन्होंने कहा कि हम किसानों को अन्नदाता से ऊर्जावान बनाएंगे। पराली जलाने की बजाय उससे इथेनॉल बनाया जाएगा। इथेनॉल से सभी वाहनों को चलाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरी कार भी इथोनॉल से चलती है। पेट्रोल की जगह इथेनॉल बनेगा। उन्होंने किसानों से पराली को न जलाने के अपील भी की है।

जिन प्रोजेक्ट बुधवार को उद्घाघटन किया गया। उनमें 596 करोड़ की लागत से लुधियाना में बना जीटी रोड और राष्ट्रीय राज्य मार्ग को जोड़ने वाले 4 लेन का लाडो व बाईपास शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गड़करी ने जालंधर, होशियारपुर सहित आसपास के इलाकों में 29 नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया है। जिसमें लुधियाना में जीटी रोड पर एनएच 5 को जोड़ने के लिए 4 लेन लाडोवाल बाईपास, लुधियाना शहर में 6 लेन फ्लाईओवर पर 2 आरओबी की उसारी, तववंडी भाई से फिरोजपुर सैक्शन के 4 लेन का निर्माण, करतारपुर, अमृतसर के गहरी मोडी गांव में आरओबी का निर्माण, जालंधर में कंगनीवाल गांव व तरनतारन बाईपास में आरओबी, जालंधर के दकोहा रेलवे क्रासिंग नजदीक अंडरपास का निर्माण, फगवाड़ा-होशियारपुर फोर लेन सड़क का नींव पत्थर, ऊना रोड होशियारपुर के ने बाईपास का नींव पत्थर, फिरोजपुर बाईसाप 4 लेन की निर्माण, अमृतसर, कपूरथला व लुधियाना में 9 सड़कों का प्रोजेक्ट, सुल्तानपुर लोधी-मक्खू सैक्शन का 4 लेन का निर्माण, फिरोजपुर के मधारे गांव में 2 लेन आरओबी का निर्माण शामिल हैं।

केजरीवाल भले जय श्रीराम बोलें, लेकिन कांग्रेस का साथ उनकी मजबूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल भले ही जय श्रीराम के नारे लगाएं लेकिन कांग्रेस का साथ उनकी मजबूरी है। जानकार बता रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की राजनीति कांग्रेस के वोटों में हिस्सेदारी से ही चलती है। इंडिया ब्लॉक के सीट बंटवारे में भी यही देखने को मिल रहा है। देश के जिन पांच राज्यों में कांग्रेस और आप गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं, वहां बीजेपी से मुकाबले से पहले दोनों अब तक आपस में ही लड़ते रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने 2013 में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ शानदार चुनावी जीत के साथ अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को चुनावों में तो हराया ही, उसी की मदद से दिल्ली में पहली सरकार भी बनाई, तभी तो आज भी दिल्ली कांग्रेस के नेता अरविंद केजरीवाल के साथ चुनावी गठबंधन के लिए खुले दिल से तैयार नहीं हो पाते। 2019 के आम चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन की खूब कोशिशें की, लेकिन तब फैसले का अधिकार फिर से शीला दीक्षित के हाथों में ही आ गया था।

लेकिन शीला दीक्षित अपने रुख पर कायम रहीं, और आम आदमी पार्टी के साथ चुनावी समझौता नहीं ही किया। नतीजे आये तो शीला दीक्षित का फैसला भी सही साबित हुआ। कांग्रेस ने दिल्ली की सभी सात सीटों पर आप को तीसरे स्थान पर धकेल दिया था। दिल्ली की ही तरह पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को ही बेदखल कर सत्ता हासिल की है, फिर भी दिल्ली और पंजाब की परिस्थितियां अलग देखने को मिली थीं। देखा जाये तो दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली थी, लेकिन 2022 के चुनाव में पंजाब में तो ऐसा लगा जैसे कांग्रेस ने पूरी पूरी मदद कर दी हो।

ठिठुरती दिल्ली का तापमान हुआ 7.1 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ती ठंड और कोहरे के चलते दिल्ली ठिठुर रही है। वहां लोगों की दैनिक दिनचर्या पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। काम धंधे पर निकलने वाले को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत जितना ही है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सर्दी की वजह से लोगों के जनजीवन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है।कोहरे और तेज सर्दी के कारण लोग परेशान हैं। ट्रेनें, बसें लेट हो रही है। इस वजह से आमजन भी ऑफिस व दुकानों पर देरी से पहुंच रहे हैं। बाजार देरी से खुल रहे हैं और जल्दी बंद हो रहे हैं। खरीदारों को भी खरीद फरोख्त में काफी परेशानी हो रही है। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो मौसमी औसत से छह डिग्री कम है। शहर में बुधवार सुबह 7:30 बजे सफदरजंग में सबसे कम दृश्यता 700 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम में 8:30 बजे दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई। भारतीय रेलवे के मुताबिक, कोहरे और शीत लहर के कारण कुल 18 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शहर भर के कई स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के आनंद विहार में पीएम2.5 का स्तर 307 पर बहुत खराब श्रेणी में और पीएम10 का 181 पर मध्यम श्रेणी में रहा। सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) 135 या मध्यम पर था। शून्य और 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा; 51 और 100 के बीच संतोषजनक; 101 और 200 के बीच मध्यम; 201 और 300 के बीच खराब; 301 और 400 के बीच बहुत खराब; तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के टर्मिनल 3 पर भी पीएम2.5 का स्तर 292 रहा, जो खराब श्रेणी है, जबकि पीएम10 का स्तर 166 पर मध्यम श्रेणी में था। बता दें कि आईएमडी कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है- उथला, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा। इनमें दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से कम होती है।

लोस चुनाव: नीतीश की पीएम दावेदारी को लेकर जदयू हुआ इंडिया गठबंधन पर हावी

पटना (एजेंसी)। दिल्ली बैठक में नीतीश कुमार की भूमिका को लेकर तस्वीर साफ नहीं होने से जदयू इंडिया गठबंधन खासकर कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। कुछ दिन पहले तक जदयू के नेता इशारों में नीतीश कुमार को संयोजक बनने की मांग तेज कर रहे थे, लेकिन अब जेडीयू नेताओं के सुर बदल गए हैं और नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की मांग कर रहे हैं। इन नेताओं की ओर से यह भी दावा किया जा रहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो एनडीए को 2024 में नहीं हराया जा सकता है।

दरअसल, जैसे ही जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नीतीश कुमार की ताजपोशी हुई है तब से ही जदयू इंडिया गठबंधन पर इस बात को लेकर दबाव और बढ़ा रहा है कि सीट बंटवारे में काफी देर हो चुकी है, जिसकी वजह से इंडिया गठबंधन की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं। जदयू के इस आक्रामक रवैये को लेकर चर्चा बेहद तेज है कि आखिरकार जदयू की आक्रामकता के पीछे वजह क्या है? दरअसल सूत्र बताते हैं कि इसके पीछे भी जदयू की खास रणनीति है। जदयू के सबसे बड़े नेता नीतीश कुमार राजनीति में बेहद हार्ड बार्गेनर माने जाते हैं। जब तक सीट बंटवारा नहीं हो जाता है तब तक वो इस तरह का माहौल बनाना चाहते हैं कि जदयू अपनी सीटिंग सीट से कोई समझौता नहीं करने वाला है। फिलहाल जिस तरह से जदयू नेता आक्रामक होकर सीट को लेकर बयान दे रहे हैं इससे ये तस्वीर साफ-साफ दिख भी रही है।

नीतीश कुमार की भूमिका भले ही इंडिया गठबंधन में तय नहीं किया गया हो, लेकिन नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद इंडिया गठबंधन को ये मैसेज देने की कोशिश की जा रही है कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं और इनकी भूमिका इंडिया गठबंधन में किसी भी नेता से ज्यादा बड़ी है। नीतीश कुमार की पार्टी के कड़े तेवर ने बिहार में भी महागठबंधन के सहयोगियों को ये साफ-साफ संदेश देने की कोशिश की है कि बिहार में भले ही जदयू तीसरे नंबर की पार्टी है, लेकिन बावजूद इसके बिहार की राजनीति खासकर महागठबंधन की राजनीति इसी के इर्द गिर्द घूमेगी जिसे नीतीश कुमार कार्यान्वित करेंगें। यही नहीं बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी भी फिलहाल नीतीश कुमार के पास ही रहेगी। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के आक्रामक तेवर की वजह से उनकी पार्टी के नेताओं में भी आक्रामकता आई है। बीते दिनों पार्टी में टूट का जो खतरा बताया जा रहा था, न सिर्फ उन अटकलों पर विराम लगा है, बल्कि पार्टी एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में जाने की तैयारी में जुट गई है। नीतीश कुमार की पार्टी के बयानों से ख़ासकर बड़े नेताओं के बयान से इस बात की सुगबुगाहट भी तेज है कि क्या भाजपा के साथ भी कोई संभावना है? इसे लेकर ऐसी अटकलों को जदयू के नेता खारिज कर रहे हैं, लेकिन सियासी हलके में जदयू के तेवर ने महागठबंधन की परेशानी फिलहाल तो बढ़ा ही दी है।

भारत आना चाहते थे मुइज्जू, लेकिन इंडिया आउट ने रुख बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भले ही भारत की यात्रा पर आना चाहते थे, लेकिन उनके इंडिया आउट के रुख ने मंसूबे साफ कर दिए। अब वह लाख चाहें लेकिन भारत यात्रा के प्रस्ताव पर शायद ध्यान नहीं दिया जाएगा। बता दें कि मालदीव के प्रशासन ने दिसंबर 2023 में उनकी भारत यात्रा के लिए एक प्रस्ताव भेजा था। सूत्रों के मुताबिक मालदीव ने दिसंबर 2023 में भारत आने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू के 17 नवंबर के शपथ ग्रहण समारोह से पहले तारीखों का प्रस्ताव दिया था। मालदीव सरकार अभी भी भारतीय पक्ष द्वारा तारीख की पुष्टि करने का इंतजार कर रही है। वर्तमान में मुइज्जू चीन की एक सप्ताह की यात्रा पर हैं और इससे पहले उन्होंने भारत की यात्रा करने के बजाय तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की, जैसा कि पिछले कई राष्ट्रपतियों द्वारा कार्यभार संभालने पर किया गया है। जानकारी के अनुसार मालदीव की ओर से एक प्रस्ताव था, और अगर भारत सहमत होता, तो भी वह नई दिल्ली को राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक विदेश यात्रा नहीं बनाता क्योंकि उन्होंने पहले गंतव्य के रूप में तुर्की को चुना था और राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 26 नवंबर को वहां थे। मुइज्जू की तुर्की यात्रा के बाद 30 नवंबर, 2023 को संयुक्त अरब अमीरात में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी 28 में उनकी भागीदारी हुई। चीन समर्थक और भारत विरोधी रुख की बात आती है तो मुइज्जू प्रशासन स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति और झुकाव पर एक संदेश भेजने की कोशिश कर रहा है। इसकी शुरुआत उनके चुनाव अभियान से हुई, जो इंडिया आउट चुनावी मुद्दे पर लड़ा गया। बड़े अक्षरों में इंडिया आउट लिखी लाल टी-शर्ट पहने राष्ट्रपति मुइज्जू के दृश्य अभी भी हर किसी की आंखों के सामने ताजा हैं। उन्होंने अपने देश से भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की, जो पूरी तरह से चिकित्सा और मानवीय प्रयासों में सहायता करने में शामिल थे।

राम मंदिर से गदगद अमेरिकी हिंदुओं ने ह्यूस्टन में निकाली रैली

ह्यूस्टन। अयोध्या में आयोजित होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले हिंदू अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने रविवार को ह्यूस्टन में एक विशाल कार रैली निकाली। यह रैली भजन और 'जय श्री राम के नारे लगाते हुए रास्ते में 11 मंदिरों में भी रुकी। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने मंदिर के पदाधिकारियों को 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया। भारत और अमेरिका के झंडे और राम मंदिर की छवि वाले भगवा बैनर लिए 500 से अधिक लोगों ने 216 कारों की लगभग पांच किलोमीटर लंबी कतार के साथ रैली निकाली। इस दौरान अपनी मोटरसाइकिल पर आठ पुलिसकर्मी भी रैली के साथ-साथ मौजूद रहे। ह्यूस्टन के समाज सेवी जुगल मालानी ने श्री मीनाक्षी मंदिर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और दोपहर बाद रिचमंड के श्री शरद अंबा मंदिर पहुंचने के बाद इसका समापन हुआ। ह्यूस्टन के व्यस्त मार्गों से होते हुये रैली ने लगभग 160 किलोमीटर की दूरी तय की और छह घंटे की रैली के दौरान करीब 11 मंदिरों पर भी रुकी। मंदिरों में लगभग दो हजार श्रद्धालु इक्ट्ठा हुए, जिनमें युवा और बुजुर्ग दोनों शामिल रहे। इस दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम दिखीं। मंदिरों में भजनों के साथ जुलूस का स्वागत किया गया। वीएचपीए ने कहा, ''विभिन्न मंदिरों में इक्ट्ठा हुए 2,500 से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा कार रैली प्रतिभागियों के प्रति दिखाई गई भक्ति और प्रेम अभिभूत करने वाला था। भगवान श्री राम ह्यूस्टन वासियों के हृदय में निवास करते हैं।

हाफिज सईद को लेकर बड़ा दावा पाकिस्तान में काट रहा है सजा

वाशिंगटन। मुंबई आतंकवादी हमले का सरगना और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा का प्रमुख हाफिज सईद पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है और आतंकवाद के वित्तपोषण के सात मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद 78 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने अद्यतन सूचना में यह जानकारी दी है।बीते माह भारत ने पाकिस्तान से संयुक्त राष्ट्र द्वारा पाबंद आतंकवादी सईद को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा था, जो आतंकवाद के विभिन्न मामलों में भारत में वांछित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति की संशोधित सूचना में कहा गया है कि सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति द्वारा दिसंबर 2008 में वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया सईद 12 फरवरी 2020 से पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है और आतंकवाद के वित्तपोषण के सात मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद 78 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा है।

2026 तक के लिए टल गया नासा का यह महत्वपूर्ण मिशन

वाशिंगटन। अमेरिका की चांद पर मानव को उतारने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फिर चांद पर इंसानों को भेजने की कोशिश की तैयारी काफी जोर-शोर से कर रहा था। अब खुद नासा ने ऐलान किया है कि वह फिलहाल इस मिशन को टाल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार नासा ने चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों की लैंडिंग को कम से कम 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया है। नासा इसी साल के अंत तक चार अंतरिक्ष यात्रियों को चांद पर भेजने वाला था। इसके लिए वह तैयारी में जुटा था। नासा अधिकारियों ने कहा कि आर्टेमिस तीसरे मिशन, अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार चांद पर मनुष्यों को उतारने के महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुंचने की योजना बनाई गई। लेकिन यह 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई है। देरी के प्राथमिक कारणों में स्पेसएक्स का स्टारशिप, विशाल रॉकेट और अंतरिक्ष यान सिस्टम विकसित करने का दृष्टिकोण शामिल है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की कक्षा से दक्षिणी ध्रुव तक ले जाने की उम्मीद है। 2023 में दो स्टारशिप परीक्षण उड़ानें विस्फोटों में समाप्त हुईं। नासा के अधिकारियों ने कहा कि वे चांद की सतह पर रहने के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पहने जाने वाले स्पेससूट की इंजीनियरिंग में भी देरी की उम्मीद कर रहे हैं। स्पेसएक्स के स्टारशिप विकास और स्पेससूट दोनों इसतरह के कारक थे जिन्हें नासा के महानिरीक्षक सहित सरकारी निगरानीकर्ताओं ने संभावित कारकों के रूप में बताया है, जो आर्टेमिस तीसरे मिशन के लिए देरी का कारण बन सकते हैं।

इजरायली अधिकारियों के साथ ब्लिंकन ने की गाजा संघर्ष पर चर्चा

जेरूसलम। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तेल अवीव में इजरायली अधिकारियों के साथ गाजा संघर्ष पर चर्चा की है। उन्होंने इजरायल-हमास के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा करते हुए इजरायली पक्ष से गाजा में नागरिकों की रक्षा करने का आग्रह किया। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में इज़राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन की यह इज़राइल की चौथी यात्रा है। फिलिस्तीनी क्षेत्र में मरने वालों की संख्या 23,000 से अधिक होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय समुदाय गाजा में इजरायली हमलों के बारे में चिंतित है। इस गंभीर मानवीय संकट के बीच लगभग 20 लाख लोग बेघर होकर अन्य जगह विस्थापित हुए हैं। ब्लिंकन के कार्यालय की ओर जारी एक बयान के अनुसार इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अपनी बैठक में ब्लिंकन ने आगे नागरिक क्षति से बचने और गाजा में नागरिक बुनियादी ढांचे की रक्षा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सात अक्टूबर जैसे हमले रोकने के इजरायल के अधिकार को भी दोहराया है।

सैन्य बस पर हुए आतंकवादी हमले में 9 की मौत

दमिश्क। सीरिया में सैनिकों को ले जा रही एक सैन्य बस हुए आतंकी हमले में 9 लोगों की मौत होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार यह बस मंगलवार को होम्स प्रांत के प्राचीन शहर पलमायरा के पास रेगिस्तान में एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने हमले के लिए आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराते हुए स्पष्ट किया कि मरने वालों में आठ सैनिक और एक नागरिक शामिल है। हालांकि पहले की रिपोर्ट में ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा था कि बस को इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों ने निशाना बनाया है। इसमें कहा गया है कि होम्स प्रांत के सुदूर ग्रामीण इलाके में विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र में टी-3 तेल स्टेशन के पास हमले में 14 सैनिक मारे गए और 19 अन्य घायल हो गए, घायलों को पलमायरा के तदमूर अस्पताल ले जाया गया। ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि सीरिया के रेगिस्तान में सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों में 2024 की शुरुआत से आईएस के हमलों में वृद्धि देखी गई है। इससे पहले मंगलवार को खबर आई थी कि उत्तरी प्रांत रक्का के अथराया रेगिस्तान में आईएस के हमले में एक सीरियाई सैन्य अधिकारी और एक सरकार समर्थक लड़ाके की मौत हो गई। स्थानीय रेडियो चैनल शाम एफएम के अनुसार, 5 जनवरी को होम्स के पूर्व रेगिस्तान में आईएस के एक अन्य हमले में दो सीरियाई सैन्यकर्मी मारे गए।

इक्वाडोर के साथ उत्तरी सीमा पर पेरू ने आपातकाल लगाया

लीमा (ईएमएस)। पेरू सरकार ने पड़ोसी देश में आपराधिक गिरोहों द्वारा हिंसा को लेकर मंगलवार को इक्वाडोर के साथ अपनी उत्तरी सीमा पर आपातकाल लगा दिया है। पीएम अल्बर्टो ओटारोला ने कहा कि आपातकालीन घोषणा में पुलिस बलों का समर्थन करने के लिए अनिर्दिष्ट संख्या में सेना के जवानों की तैनाती शामिल होगी। इससे पहले दिन में, नकाबपोश बंदूकधारियों का एक समूह दक्षिणी इक्वाडोर के शहर गुआयाकिल में एक प्रसारण के दौरान एक टीवी स्टूडियो में घुस गया और उसके कर्मचारियों को बंधक बना लिया। वहीं इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने घोषणा की कि उनका देश आंतरिक सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है और 22 गिरोहों को आतंकवादी संगठनों के रूप में वर्गीकृत करने का एक आदेश जारी किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, मैंने आंतरिक सशस्त्र संघर्ष की घोषणा करने वाले एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए और निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों को आतंकवादी संगठनों और जुझारू गैर-राज्य तत्वों के रूप में पहचाना गया है। यही वजह है ?कि आपातकाल लगाना जरूरी हो गया।

अमेरिका में बारिश बारिश के कारण बाढ़ के पानी में फंसी एक कार।

दिवंगत पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की मौत की सजा बरकरार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने दिवंगत पूर्व सैन्य शासक जनरल परवेज मुशर्रफ को राजद्रोह मामले में 2019 में एक विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के सूत्रधार और पाकिस्तान के अंतिम सैन्य शासक मुशर्रफ का लंबी बीमारी के बाद पिछले साल पांच फरवरी को निधन हो गया। वह अपने देश में मुकदमों से बचने के लिए 2016 से स्व-निर्वासन में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे थे। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के कार्यकाल के दौरान नवंबर 2007 में आपातकाल लागू करने के 'असंवैधानिक' निर्णय के लिए मुशर्रफ के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद एक विशेष अदालत ने 17 दिसंबर, 2019 को पूर्व सैन्य शासक को मौत की सजा सुनाई। शीर्ष अदालत ने पूर्व शासक द्वारा मौत की सजा के खिलाफ दायर अपील पर फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति की अपील को खारिज कर कहा, 'मुशर्रफ के उत्तराधिकारी कई नोटिस पर भी सुनवाई पर नहीं आए।' मुशर्रफ के वकील सलमान सफदर ने कहा कि अदालत द्वारा अपील पर सुनवाई करने का फैसला करने के बाद उन्होंने मुशर्रफ के परिवार से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन परिवार ने कभी उन्हें जवाब नहीं दिया। अदालत ने लाहौर उच्च न्यायालय के फैसले को भी ''अमान्य और शून्य'' घोषित कर दिया, जिसने विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को निलंबित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला कानून के खिलाफ था। शीर्ष अदालत ने 29 नवंबर, 2023 को पिछली सुनवाई में कहा था कि 12 अक्टूबर, 1999 को मुशर्रफ द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ को वैध ठहराने वाले न्यायाधीशों सहित उन सभी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

भारत के लिए क्यों इतना अहम है अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव?

वाशिंगटन (एजेंसी)। वर्ष 2024 चुनावों के लिहाज से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला वर्ष होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका सहित 50 देशों के दो अरब से अधिक मतदाता अपने मतदान करेंगे। सभी की निगाहें संयुक्त राज्य अमेरिका पर होंगी, जहां एक पूर्व राष्ट्रपति गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना करने के बावजूद फिर से चुनाव लड़ेंगे। एक ऐसा स्थान है जहां निवर्तमान राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्ती को नाजी कहते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने अपने उत्तराधिकारी पर पिछले चुनाव में हेराफेरी का आरोप लगाया। वर्तमान प्रतिष्ठान पूर्व राष्ट्रपति पर कई आपराधिक मामले दर्ज कर रहा है। विपक्ष ने सरकार पर लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति को मतदान से दूर रखने के लिए कानून को हथियार बनाने का आरोप लगाया है और राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की तैयारी करके जवाबी कार्रवाई कर रही है। शीर्ष अदालत हरकत में आ गई है, लेकिन उसका फैसला जो भी हो, ध्रुवीकृत समाज का एक बड़ा वर्ग इसे नाजायज और राजनीति से प्रेरित भी बता रहा है।

हम तीसरी दुनिया में बनाना रिपब्लिक की नहीं, बल्कि अमेरिका की बात कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश नीति अभिजात वर्ग खुद को लोकतंत्र के चैंपियन के रूप में देखता है। यह नियमित रूप से न केवल अन्य देशों के व्यापक राजनीतिक रुझान बल्कि उनके भीतर सूक्ष्म रुझानों पर भी निर्णय पारित करता है। वाशिंगटन लोकतांत्रिक मानदंडों के विरुद्ध कथित उल्लंघनों के लिए विदेशी सरकारों को दंडित करता है। लेकिन

अमेरिकी लोकतंत्र का क्या? दुनिया भर के राजनीतिक अभिजात वर्ग के लिए अमेरिकी आलोचना का शिकार हो रहे हैं। अमेरिका हालाँकि, जो मायने रखता है वह अमेरिका की आंतरिक गतिशीलता के परिणाम हैं। आखिरकार, इसके लोकतंत्र की गुणवत्ता के बावजूद, इसकी राजनीति द्वारा चुने गए विकल्प पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं।

21वीं सदी में अमेरिकी लोकतंत्र की कई संरचनात्मक समस्याएं खुले में हैं, जिसकी शुरुआत 2000 में पहले चुनाव से हुई जब फ्लोरिडा में वोटों की गिनती पर विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट को कदम उठाना पड़ा। वे समस्याएँ और तीव्र हो गई हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने घोषणा की है कि अमेरिकी लोकतंत्र और उसका संविधान खतरे में है। टाइम्स ने ट्रम्प को कार्यालय के लिए पूरी तरह से अयोग्य घोषित किया और निंदा की कि वह अमेरिका को भाग्यशाली विकल्प के साथ प्रस्तुत करते हैंय संयुक्त राज्य अमेरिका की निरंतरता के बीच एक राष्ट्र के रूप में जो %खुद और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए स्वतंत्रता का आशीर्वाद% और एक व्यक्ति के लिए समर्पित है। जिसने गर्व से कानून और संविधान की सुरक्षा और आदर्शों के प्रति खुला तिरस्कार दिखाया है।

जैसे-जैसे अमेरिका के साथ संबंधों में भारत की हिस्सेदारी बढ़ रही है, दिल्ली को भी अमेरिकी समाज के अध्ययन में निवेश करना चाहिए। शुरुआत के लिए आगामी राष्ट्रपति चुनावों से बेहतर कोई समय नहीं है। अमेरिकी चुनावों का पालन करने के लिए यहां चार दिशानिर्देश दिए गए हैं। भारतीयों के पास चुनाव में वोट नहीं होता है, इसलिए उम्मीदवारों के बीच पक्ष लेने के प्रलोभन में न पड़ें। और याद रखें भारतीय अमेरिकी अमेरिकी हैं। दूसरा, अमेरिका के आंतरिक तर्कों को चुटकी भर नमक के साथ लें। अमेरिकी राजनीति की विक्षिप्त शैली में हर प्रस्ताव को उसके चरम पर ले जाया जाता है। लेकिन देश में मौजूदा ध्रुवीकरण के बावजूद केंद्र काफी मजबूत है। तीसरा, ट्रम्प की वापसी के बारे में सभी निराशा के बावजूद यह मत भूलिए कि अमेरिकी राजनीति में परिवर्तन और निरंतरता दोनों हैं। यदि ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में वाशिंगटन को चीन और वैश्वीकरण पर पारंपरिक ज्ञान पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया, तो बिडेन उन नीतियों पर कायम रहे। यह समझना कि निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बाहरी पर्यवेक्षकों के लिए प्रमुख चुनौती है, जो 2016 और 2020 के चुनावों का आकलन करने में पूरी तरह से गलत थे।

सिंगापुर में भारतीय मूल के सैन्यकर्मी को दस साल की जेल और जुर्माना

सिंगापुर (एजेंसी)। एक भारतीय मूल के सैन्यकर्मी पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के प्रयास के आरोप लगे है। मामले की जांच होने पर आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। सिंगापुर दैनिक ने मंत्रालय के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा, एसएएफ अदालती सुनवाई के समापन पर आगे की कार्रवाई शुरू करेगा, जिसमें उसे सेवा से बर्खास्त करना भी शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि एसएएफ अपने सैनिकों को अनुशासन और सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों पर रखती है और अपराध करने वालों से कानून के अनुसार निपटा जाएगा। 16 साल से कम उम्र की नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने पर सुब्रमण्यम को 10 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सुब्रमण्यम थबुरन रंगासामी की 1 फरवरी को होने वाली सजा के दौरान दो अन्य आरोपों पर भी विचार किया जाएगा। वहीं, पीड़िता की पहचान पर रोक लगाने का आदेश है, जो अब 17 साल की है। जब वह 15 साल की थी तो सुब्रमण्यम ने पीड़िता के साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश की थी। कोर्ट में बताया गया कि दोनों के बीच व्हाटस एप पर बात होने लगी, लेकिन कोई भी मैसेज यौन प्रकृति के नहीं थे। हालांकि, घटना के दो दिन बाद 8 दिसंबर, 2021 को पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई क्योंकि उसे लगा कि सुब्रमण्यम ने उसका फायदा उठाया है। अभियोजक ने कहा कि आरोपी को कभी भी पीड़िता की उम्र को लेकर गुमराह नहीं किया गया और उसने पीड़िता पर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव नहीं डाला। प्रथम वारंट अधिकारी सुब्रमण्यम को उनकी गिरफ्तारी के बाद सभी कार्यों से निलंबित कर दिया गया है।

उप लोक अभियोजक सुनील नायर ने कहा कि घटना 6 दिसंबर, 2021 को स्कूल की छुट्टियों के दौरान हुई। पीड़िता की सुबह 11 बजे अपने स्कूल काउंसलर के साथ ऑनलाइन मीटिंग होनी थी, लेकिन वह प्राइवेसी को देखते हुए घर की बजाय एक बहुमंजिला कारपार्क में चली गई।

कार पार्क की चौथी मंजिल पर आरोपी सुब्रमण्यम अपनी मोटरसाइकिल पर काम के लिए निकलने का इंतजार कर रहा था। हालांकि, इस बीच पीड़िता सीढ़ियों से गिर जाती है, और जोर से चिल्लाने लगती है। आवाज सुनकर सुब्रमण्यम सीढ़ियों के पास पहुंचता है और पीड़िता की मदद करता है। इसके बाद दोनों कारपार्क की चौथी मंजिल की सीढ़ी पर बैठ जाते है और बाते करने लगते है। करीब एक घंटे बाद सुब्रमण्यम और लड़की यौन संबंध बनाने की कोशिश करते है, लेकिन विफल हो जाते है। दोनों के बीच फोन नंबर एक्सचेंज होता है और बातचीत बढ़ जाती है।

जर्मनी में सड़क पर उतरे किसान, बोले सब्सिडी में कटौती बर्दाश्त नहीं करेंगे

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी में भारत जैसा किसान आंदोलन शुरु हो गया है। यहां के किसान सब्सिडी में की गई कटौती से नाराज है। अपनी मागे मनमाने के लिए

किसान ट्रैक्टरों के साथ सड़कों पर उतर आए हैं। राजधानी बर्लिन समेत देश के दूसरे बड़े शहरों में ट्रैक्टर की लंबी लंबी कतारें नजर आ रही हैं। किसानों ने सड़कों पर जाम लगा दिया है। जिससे आवागमन बाधित हो रही है। किसानों के विरोध प्रदर्शन का असर जर्मनी समेत यूरोप के कई देशों पर पड़ रहा है।

दरअसल देश के किसान सरकार की तरफ से दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती से नाराज हैं, जिसके चलते वो सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान किसानों ने सड़कों पर खाद फैला दी है और ट्रैक्टरों और लॉरियों से सड़कों को जाम कर दिया है। विरोध के कारण फ्रांस, पोलैंड और चेक गणराज्य के साथ जर्मनी की सीमाओं पर भी भारी दिक्कत हो रही है। दूसरे देशों के सा आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

दरअसल पिछले साल दिसंबर में जर्मनी की सरकार ने किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती करने का फैसला किया। इस दौरान सरकार ने खेती के लिए इस्तेमाल हो रहे डीजल में टैक्स रिफंड के साथ ही टैक्टर पर दी जारी छूट को खत्म कर दिया। सरकार का मानना है कि इस कटौती से सरकारी पैसे की बचत होगी। इस कटौती से सरकार का मानना है कि वो करीब 90 करोड़ यूरो बचा लेगी। सरकार के इस फैसले से किसानों आक्रोशित हो गए। उन्होंने दिसंबर में ही प्रदर्शन करने का फैसला किया और सड़कों पर उतर आए. तब से लेकर अभी तक आंदोलन जारी है।कड़कड़ाती सर्दी के बीच आंदोलन सड़कों पर डटे हुए हैं। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। किसानों ने साफ कर दिया है कि अगर सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो उनका आंदोलन और भी तेज हो जाएगा। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार को चेतावनी भी दी, और कहा कि जल्द से जल्द उनकी मांगों को पूरा किया जाए।

चौथी बार प्रधानमंत्री पद की शेख हसीना ने ली शपथ

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में 7 जनवरी 2024 को हुए आम चुनावों में सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) ने शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद निवर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगातार चौथे कार्यकाल के लिए बुधवार को पद की शपथ ली।

रिपोर्ट के अनुसार, संसद अध्यक्ष शिरीन शर्मिन चौधरी ने शेख हसीना और अन्य नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। इसके अलावा समारोह में निर्वाचित निर्दलीय सांसदों और नवनिर्वाचित विधायकों को भी शपथ दिलाई गई।

चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित गजट अधिसूचना के अनुसार, सत्तारूढ़ एएल ने रविवार (7 जनवरी) को हुए चुनावों में 298 में से 223 सीटें जीतीं हैं। 2009 से पार्टी की लगातार यह चौथी जीत है। इसके पहले पार्टी ने 1996 से लेकर 2001 तक सरकार चलाई थी। यानी अब देश में हसीना की पार्टी एएल की पांचवीं बार सरकार बनी है।

शेख हसीना आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता बन गई हैं। परिणाम से पता चला कि स्वतंत्र उम्मीदवारों ने 61 सीटें जीतीं, जबकि जातीय पार्टी को 11 सीटें मिलीं और अन्य एएल सहयोगियों को दो सीटें मिलीं। इसके अलावा एक अन्य राजनीतिक समूह बांग्लादेश कल्याण पार्टी ने एक सीट पर जीत दर्ज की।

पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 225 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल की। कैबिनेट डिवीजन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एएल गुरुवार को अपनी नई कैबिनेट बनाएगी।

रविवार को बड़े पैमाने पर हिंसा और विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं और समर्थकों की गिरफ्तारी के बीच चुनाव हुए। एएल द्वारा चुनावों की अध्यक्षता के लिए एक स्वतंत्र कार्यवाहक सरकार की उनकी मांगों को खारिज करने के बाद बीएनपी ने चुनावों का बहिष्कार किया। विपक्षी दल ने लोगों से वोट न डालने का भी आह्वान किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) के अनुसार, 28 अक्टूबर 2023 को एक विपक्षी रैली के दौरान हिंसा हो गई थी। हिंसा में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 5,500 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले के संबंध में 10 हजार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था।

किम जोंग उन ने बताया अमेरिका उनका दुश्मन नंबर 1 नहीं कोई और

सियोल । नॉर्थ कोरिया के तनाशाह की नजर में अमेरिका कट्टर दुश्मन नहीं है। किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख दुश्मन बताया है। इतना ही नहीं, किम जोंग उन ने उकसाने पर साउथ कोरिया को नष्ट करने की धमकी भी दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, किम जोंग उन अप्रैल में दक्षिण कोरिया के संसदीय चुनावों और नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर हथियारों के परीक्षण में तेजी ला सकते हैं। उत्तर कोरिया की मीडिया ने कहा कि किम जोंग उन ने इस सप्ताह उत्तर कोरिया में आयुध कारखानों के निरीक्षण दौरों पर यह बयान दिया। किम ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ अपने संबंधों में उत्तर कोरिया की प्राथमिकता सबसे पहले आत्मरक्षा और परमाणु युद्ध रोकने के लिए सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना है। किम जोंग उन ने कहा, 'अगर उत्तर कोरिया के खिलाफ दक्षिण कोरिया अपने सैन्य बल का इस्तेमाल करने और उसकी संप्रभुता को खतरे में डालने की हिम्मत करता है, तब हमें अपने सभी साधनों और शक्तियों को जुटाकर द.कोरिया को नष्ट करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। बता दें कि किम जोंग ने उस वक्त में साउथ कोरिया के खिलाफ बयान दिया है, जब बीते सोमवार को उन्होंने अपना 40वां बर्थडे मनाया। तोपखाने से समुद्र में बमबारी के बीच किम ने नया साल मनाया था और अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने की प्रतिबद्धता जतायी थी। माना जाता है कि किम ने 2011 के अंत में सत्ता संभालने के बाद से अपने पूर्ववर्तियों के समान पूर्ण नेतृत्व स्थापित किया है। रीता ईश्वर नाम की इस म ?हिला का जन्म 16 मार्च, 1981 को हुआ था। रीता पाकिस्तान की पहली हिंदू महिला सांसद भी हैं और साल 2013 से 2018 तक पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की सदस्य रहीं। रीता मुस्लिम लीग (एफ) पार्टी से ताल्लुकात रखती हैं और उनका पाकिस्तान में अच्छा दबदबा भी है।

पाकिस्तान में बीते साल खूब हुआ खून-खराबा, 789 आतंकी हमलें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में बुधवार को एक टोल प्लाजा पर हुए आतंकवादी हमले में तीन पुलिसकर्मियों सहित करीब चार लोग मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने बुधवार सुबह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में लाची टोल प्लाजा पर हमला किया। हमले में तीन पुलिसकर्मियों सहित चार लोगों की मौत हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर हमले में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया।

प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरशद हुसैन ने हमले की निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की सेवाओं और बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ अतुलनीय संघर्ष में पूरा देश पुलिस के साथ है।

बता दें कि पिछले एक साल में पाकिस्तान में आतंकी हमलों में बढ़ोत्तरी देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधित आतंकवादी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ अपना युद्धविराम समाप्त करने के बाद पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तुनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है।

एक स्टडीज द्वारा जारी वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2023 में 789 आतंकी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 1,524 हिंसा से संबंधित मौतें और 1,463 घायल हुए, जो छह साल का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। केपी और बलूचिस्तान प्रांत हिंसा के प्राथमिक केंद्र रहे हैं जहां 90 प्रतिशत से अधिक मौतें हुईं और 84 प्रतिशत हमले हुए। इनमें आतंकवाद और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन की घटनाएं भी शामिल हैं।

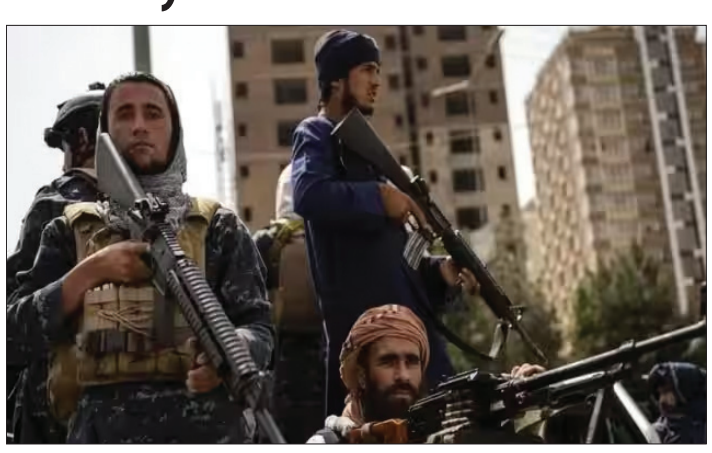

हीली के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 में भारत को हराया

2-1 से सीरीज जीती

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा है। वहीं इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने 2-1 से सीरीज जीत ली है। तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 147 रन बनाए थे। इसके बाद मिले 148 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एलिसा हीली के अर्धशतक से आसानी से हासिल कर लिया। हीली के अर्धशतक के अलावा बेन मूनी ने भी शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले भारतीय टीम की शुरुआत शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। दोनो ने ही पहले विकेट के लिए 39 रन बनाये। शैफाली 17 गेंदों पर 26 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। वहीं जेमिमा रोड्रिग्ज केवल 2 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। स्मृति मंधाना भी 27 रन ही बन पायीं। इसके बाद ऋषा घोष ने पारी संभालने का प्रयास किया। ऋषा ने 28 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की सहायता से 34 रन बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाजों ने मिलकर किसी प्रकार स्कोर 147 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अच्छी शुरूआत की। कप्तान हेली ने बेथ मूनी के साथ मिलकर पहली विकेट के लिए ही 85 रन बना दिए। हेली ने 38 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की सहायता से 55 रन बनाये। ताहिला मैकग्रा ने 20 रन बनाये। एलिसा पैरी शून्य पर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद बेथ मूनी और लीचफील्ड ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 29वें ओवर में 7 विकेट से जीत दिला दी।

हरमनप्रीत की कप्तानी में चार देशों के टूर्नामेंट में उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

हार्दिक होंगे उपकप्तान

नई दिल्ली ।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह 22 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में शुरु होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस टूर्नामेंट के लिए 26 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। इसमें जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम माने जा रहे इस टूर्नामेंट में भारत का मुकाबला फ्रांस, नीदरलैंड और मेजबान दक्षिण अफ्रीका से होगा।

हार्दिक सिंह को इस टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा अराइजीत सिंह हुंडल और बॉबी सिंह धामी को पहली बार सीनियर स्तर पर खेलने के लिए शामिल किया गया है। गोलकीपिंग की जिम्मेदार पवन , कृशन पाठक और पी आर श्रीजेश के पास रहेगीहै। टीम में अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की भी वापसी हुई है।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'ओलंपिक सत्र की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका दौरे से करने को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। इसमें हमें शानदार टीमों से खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हमने बड़ी टीम का चयन किया है जिससे सभी खिलाड़ियों को अवसर मिल सके और एफआईएच प्रो लीग से पहले मैं सभी को मैच हालात में खेलते देख सकूं। भारतीय टीम 22 और 24 जनवरी को फ्रांस से खेलेगी। वहीं उसका सामना 26 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका से और 28 जनवरी को नीदरलैंड से होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

- गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, कृशन पाठक और पवन
- डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरूण कुमार, सुमित, संजय, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम
- मिडफील्डर : विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विष्णुकांत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह
- फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, ललित उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

मोहाली ।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ यहां होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। भारतीय टीम अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ हमेशा जीती है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली भी इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। इन दोने के आने से भारतीय टीम और बेहतर हुई है। इस सीरीज में ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन कर आगामी टी20 विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। आगामी टी20 विश्व कप से पहले तीन मैचों की यह सीरीज भारत के लिए आखिरी है, ऐसे में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी तैयारियों को पक्का करना रहेगा।

इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों तिलक वर्मा, रिंकू सिंह सहित कई अन्य को भी अवसर दिया गया है। और वे भी सबका ध्यान खींचना चाहेंगे। सीरीज में अनुभवी सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण शामिल नहीं किये गये हें। रोहित और कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ दोनों बड़े स्कोर बनाकर विश्वकप के लिए तैयारी बेहतर करना चाहेंगे। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बगैर उतरेगी जो नवंबर में कमर की सर्जरी के बाद से अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हैं। अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जदरान ने कहा, 'वह पूरी तरह से फिट नहीं है। हमें उसकी कमी खलेगी और उसके नहीं होने से हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ेगा लेकिन हमें हर तरह के हालात के लिए तैयार रहना होगा। गत विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन से प्रेरित होकर अफगानिस्तान टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। राशिद की गैर मौजूदगी के बावजूद टीम के पास मुजीब जदरान, हजरतुल्लाह जाजई। और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे शानदार खिलाड़ी भी हैं। विराट और रोहित दोनों दर्शकों के पसंदीदा हैं और उनके खेलने से मोहाली में इस मैच को लेकर काफी रोमांच है। कप्तान रोहित शर्मा पावरप्ले में अपना आक्रामक अंदाज दोहराना चाहेंगे। दूसरी ओर कोहली बीच के ओवरों में बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ खेलना चाहेंगे। इस सीरीज में यशस्वी जायसवाल और तिलक वर्मा टीम में हैं लेकिन पारी की शुरूआत रोहित के साथ शुभमन गिल ही करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में गिल का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा और ऐसे में वह अच्छा स्कोर करना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका में रिंकू सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया और वह मध्यक्रम में चोटिल सूर्यकुमार और पांड्या की कमी पूरी करना चाहेंगे। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जितेश शर्मा या संजू सैमसन में से किसी एक को मिलेगी। पिछली दो श्रृंखलाओं में विकेटकीपिंग कर चुके जितेश को वरीयता मिलने की उम्मीद है। शिवम दुबे भी टीम में हैं और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर खेल सकते हैं। तेज गेंदबाजी का जिम्मा अर्शदीप सिंह, आवेश खान और मुकेश कुमार पर होगा।

स्पिन की जिम्मेदारी कुलदीप यादव संभालेंगे जबकि दूसरे स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर में से किसी एक को जगह मिलेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्सदीप सिंह, अवेश खान, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तान : इब्राहिम जादरान (कप्तान), अजमतुल्लाह उमरजई, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), करीम जनत, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, हजरतुल्लाह जाजई।

पेगुला ने पेरा को हराकर एडिलेड क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एडिलेड। एडिलेड इंटरनेशनल में बुधवार को एक ऑल-अमेरिकन मुकाबले में नंबर 2 सीड जेसिका पेगुला ने बर्नार्ड पेरा को 4-6, 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जेसिका पेगुला को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करने और डब्ल्यूटीए 500 इवेंट के दूसरे दौर में 69वीं रैंक वाली पेरा पर जीत हासिल करने के लिए 2 घंटे और 12 मिनट की जरूरत पड़ी। अपने पहले दौर में बाई के बाद पेगुला ने सीज़न के अपने दूसरे आयोजन में 2024 में जीत-हार का रिकॉर्ड 2-1 बना लिया। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ्ते के यूनाइटेड कप में गत चैंपियन अमेरिकी टीम के हिस्से के रूप में पेगुला ने अजला टोमलजानोविक को हराकर 1-1 से बढ़त हासिल की, लेकिन केटी बोल्टर से उसे हार का सामना करना पड़ा। अब उनका सामना गुरुवार को कैटरीना सिनियाकोवा और अनस्तासिया पावलुचेनकोवा के बीच होने वाले ऑल-क्वालीफायर मुकाबले की विजेता से होगा। सिनियाकोवा ही वह खिलाड़ी थीं जिन्होंने क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में पेरा को हराया था।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20सीरीज के लिए मैथ्यूज की श्रीलंकाई टीम में वापसी

कोलंबो ।

श्रीलंका ने अनुभवी खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है।

ऐसे में मैथ्यूज तीन साल के बाद इस प्रारूप में खेलते हुए नजर आयेंगे। दोनों टीमें एकदिवसीय सीरीज के समापन के बाद टी20 सीरीज खेलेंगी। इस सीरीज के सभी तीन मैच 14, 16 और 18 जनवरी को केट्टारामा में खेले जाएंगे।

इस सीरीज में कुसल परेरा, धनंजय डी सिल्वा, अकिला धनंजय, नुवान तुषारा और कामिन्दु मेंडिस जैसे खिलाड़ी भी शामिल किये गये हैं। वहीं कप्तान के तौर पर स्पिनर वानिंदु हसरंगा पहली बार उतरेंगे। पारी की शुरुआत अविष्का फर्नांडो करेंगे जबकि क्रम के बल्लेबाज नुवानिदु फर्नांडो और जेनिथ लियानाज में से किसी एक को उनके जोड़ीदार के तौर पर उतारा जा सकता है। डुनिथ वेलालेज, प्रमोद मदुशन और जेफरी वेंडरसे भी टीम में शामिल नहीं हैं। पथुम निसांका फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इन तीन ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से टीम आगामी विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

श्रीलंकाई टीम : वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चैरिथ असलांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, कुसल परेरा (विकेटकीपर), एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, कामिंडु मेंडिस, पथुम निसांका, महीश थीक्षाना , दुष्मंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, अकिला धनंजय।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में विराट , रोहित शीर्ष दस में शामिल

गेंदबाजी में अश्विन शीर्ष पर कायम

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)। की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा ऊपर आये हैं। विराट अब तीन पायदान ऊपर आकर टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गये हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर क्रिये अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। विराट ने भारतीय टीम की ओर से दौरे में सबसे ज्यादा 172 रन बनाए थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा को भी 4 स्थान का लाभ हुआ है उनकी एक बार फिर शीर्ष 10 में वापसी हुई है। वह दसवें नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह एक स्थान के लाभ के साथ ही चौथे नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजों में आर अश्विन शीर्ष पर हैं। विराट दक्षिण अफ्रीका दौरा शुरू होने से पहले टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 9वें नंबर पर थे। पहले ही मैच में उन्होंने 38 और 76 रन की पारियां खेल दीं। दूसरे मैच में विराट ने 46 रन बनाये। वहीं रोहित दौरा शुरु होने से पहले 14 वें स्थान पर थे। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी एक स्थान का लाभ हुआ है। वह एक स्थान के फायदे के साथ नंबर-4 पर पहुंच गए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर 3 पारियों में 12 विकेट लिए थे। वहीं भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 13 स्थान का लाभ हुआ है। वह 13 स्थान ऊपर आकर 17वें नंबर पर पहुंच गए। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के ही ऑफ स्पिनर आर अश्विन शीर्ष पर हैं। जबकि रवींद्र जडेजा पांचवें नंबर पर हैं। शीर्ष-5 गेंदबाजों में 3 भारतीय शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एक साथ के लाभ के साथ ही दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे स्थान पर खिसक गये हैं।

इंग्लैंड से खेलने को पहली प्राथमिकता देते हैं लिविंगस्टोन

केपटाउन । ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने कहा है कि लीग क्रिकेट की जगह पर इंग्लैंड टीम से खेलना उनकी पहली पसंद रहेगी। लिविंगस्टोन ने पिछले कुछ समय में टी20 क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इसके बाद भी ये क्रिकेटर अपने देश की टीम की ओर से खेलने को पहली प्राथमिकता देता है। लिविंगस्टोन वर्तमान समय में विश्व के सबसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड की ओर से 25 एकदिवसीय और 38 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स की ओर से खेला है। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग (एसए20) के दूसरे सत्र में वह एमआई केपटाउन की ओर से खेलेंगे। इस टीम में कैगिसो रबाडा और कप्तान कीरोन पोलार्ड जैसे स्टार बल्लेबाज भी शामिल हैं। वहीं लीग क्रिकेट और इंग्लैंड के प्रतिनिधित्व के बीच तालमेल बिठाने के बारे में पूछे जाने पर इस बल्लेबाज ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि इंग्लैंड की ओर से खेलना पहले आता है। हम साल की शुरुआत में अपना कैलेंडर देखते हैं और यह तय करते है कि हमारे पास कब लीग खेलने का समय है। अगर हमें लगता है कि यह हमारे लिए फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलने का एक अच्छा अवसर है, तो हम ऐसा करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि अगर हमें लगता है कि हमें आराम की जरूरत है और यह हमारे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाधा बन रहा है, तो हम शायद आराम करेंगे।

अगले माह श्रीलंका और आयरलैंड का दौरा करेगी अफगानिस्तान

काबुल । अफगानिस्तान की टीम अगले माह फरवरी में श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ सभी प्रारूपों में खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 2 फरवरी से 18 मार्च के बीच होने वाली इन दो अलग-अलग सीरीजों के आयोजन की घोषणा की है। टीम पहले 2 से 21 फरवरी तक एकमात्र टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों के लिए श्रीलंका जाएगी। इसके बाद 28 फरवरी से 18 मार्च तक यूएई में तीन मैचों की सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करेगी। अफगानिस्तान टीम श्रीलंका दौरे में 2 से 6 फरवरी तक कोलंबो में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद 9,11 और 14 फरवरी को वह तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। कोलंबो में तीन टी20 मैच 17, 19 और 21 फरवरी को दांबुला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सीईओ नसीब खान ने कहा है कि अगले कुछ महीनों तक अफगानिस्तान की टीम को काफी क्रिकेट खेलना है। इस प्रकार के सत्र से टीम और बेहतर होगी। इससे उसे आगामी टी20 विश्व कप में लाभ होगा।

संक्षिप्त समाचार

अफ्रीकी क्रिकेटर केशव महाराज को राम भजन देता है ऊर्जा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर केशव महाराज को भारत के खिलाफ खेली गई सीमित ओवरों की सीरीज और टेस्ट सीरीज में बल्लेबाजी से पहले स्टेडियम पर राम भजन सुनते देखा गया। इस संबंध में केएल राहुल ने टेस्ट सीरीज के दौरान केशव महाराज से पूछा भी था, लेकिन उस समय उन्होंने नहीं बताया था। अब 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया है कि वे जब भी मैदान में जाएं तो भक्ति गीत बजाएं। इसके जरिए वे अपने शानदार करियर के लिए भगवान को धन्यवाद देना चाहते हैं। महाराज ने भारत के खिलाफ विभिन्न प्रारूपों में पांच विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर ने हाल ही में 2023 वनडे विश्व कप में भी 10 मैचों में 4.15 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लिए थे। वे इस समय साउथ अफ्रीका के मुख्य स्पिनर बने हुए हैं। केशव महाराज ने बताया, जाहिर है, कुछ ऐसा जो मैंने मीडिया के सामने रखा और उस गाने को बजाने का अनुरोध किया। मेरे लिए, भगवान मेरा सबसे बड़ा आशीर्वाद रहे हैं, जो मुझे मार्गदर्शन और अवसर दे रहे हैं। इसलिए ऐसा कुछ है, जो बहुत कम है, लेकिन मैं ये कर सकता हूं और यह आपको आपके क्षेत्र में ले आता है। मैदान में चलते हुए पृष्ठभूमि में राम सिया राम बजता हुआ सुनना एक अच्छा एहसास है। हाल ही में एक क्लिप वायरल हुई थी, जिसमें केएल राहुल महाराज से पूछ रहे थे कि आप जब भी बल्लेबाजी करने आते हैं तो राम सिया राम बजाया जाता है, जिसके बाद महाराज ने हां में सिर हिलाया था। इसी तरह विराट कोहली का हाथ जोड़कर तीरंदाजी करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। यह गाना हिंदू पौराणिक कथाओं में भगवान राम को समर्पित है। इस समय ये ट्रेंडिंग में है, क्योंकि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होगा।

पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता बोले, रिंकू को टी20 विश्व कप में शायद ही अवसर मिले

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने कहा है कि आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को इसी साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में शायद ही अवसर मिले। दासगुप्ता के अनुसार इस मैच में छठे स्थान के लिए संजू सैमसन या जितेश शर्मा को अवसर मिल सकता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के पास कई अच्छे सीनियर खिलाड़ी थे। दासगुप्ता ने कहा, रोहित और कोहली को जब टी20 में अवसर मिलने बंद हुए तब मुझे हैरानी हुई। जबकि पिछी बार भी हुए टूर्नामेंट में हमें सीनियर खिलाड़ियों की कमी खली थी। साथ ही कहा कि अगर आप 2022 में हुए इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के मुकाबले की जगह अभी की टीम देखें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है पर मध्यक्रम में बदलाव नहीं हुआ। विराट नंबर 3 पर, सूर्यकुमार 4 पर, हार्दिक 5 पर फिर संजू सैमसन या जितेश शर्मा 6 पर है। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे कहा, टी20 विश्व कप के अनुसार देखें तो रिंकू को बाहर होना पड़ सकता है क्योंकि चोट से उबरने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या की वापसी होगी जिससे रिंकू और तिलक वर्मा को जगह नहीं मिल पायेगी। इसके अलावा आपको छठे नंबर के लिए या तो जितेश या फिर सैमसन को शामिल करना होगा।

ईशान मानसिक रुप से थके हैं या बोर्ड निकाल रहा नाराजगी ?

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को जिस प्रकार से अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर रखा गया है। उसपर कई दिग्गजों ने सवाल उठाये हैं। वहीं टीम प्रबंधन की ओर से कहा गया ईशान ने मानसिक थकान से उबरने आराम मांगा था। इस बल्लेबाज ने अब तक भारतीय टीम की ओर से दो टेस्ट, 27 एकदिवसीय और 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। विश्वकप में भी उन्हें कुछ ही मैच खेलने का मिले। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय सीरीज में भी ईशान किशन भारतीय दल का हिस्सा थे। इसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्हें टी20 दल में शामिल किया गया पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। ईशान किशन साउथ अफ्रीका दौरे से मानसिक थकान का हवाला देकर लौट गए थे। ऐसी खबरें आने लगीं कि ईशान को दल में रखने के बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पा रही थी जिसके चलते वह शायद परेशान थे। ये भी कहा जाने लगा कि ईशान अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से कुछ ज्यादा ही तनाव में आ गये थे। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि उनके दुबई में पार्टी करने की खबरों से भी क्रिकेट बोर्ड नाराज था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप 2023 के बाद जो पांच मैचों की टी20 सीरीज हुई थी, उससे ईशान किशन ने आराम मांगा था पर बीसीसीआई ने उनकी अर्जी को ठुकरा दिया था। सीरीज के तीन मैचों के बाद अंतिम दो मैच के लिए उन्हें आराम मिला। वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केवल टेस्ट सीरीज का हिस्सा बनना चाहते थे पर इस बार भी उन्हें ब्रेक नहीं दिया गया। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ईशान पहले टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। इससे साफ है कि ईशान और बीसीसीआई के बीच कुछ मतभेद जरुर हैं हालांकि बोर्ड की ओर से कहा जा रहा है कि वह मानसिक रुप से थका हुआ है और आराम चाहता है।

प्रतिभाशाली कलाकार हैं विजय सेतुपति

अभिनेत्री कटरीना कैफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वे साउथ अभिनेता विजय सेतुपति के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबर्दस्त क्रेज है। फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर और दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। वही, अब कटरीना कैफ ने विजय के साथ काम करने के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने विजय के अभिनय की प्रशंसा की।

कटरीना ने विजय को कास्ट करने के बारे में बात की और कहा, श्रीराम राघवन ने मुझे नहीं बताया था कि वे विजय को कास्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि, जब उन्होंने मुझे बताया कि वे विजय को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट कर रहे हैं, तो मैंने उनका नाम गूगल पर सर्च किया। मैं विजय के फिल्म में हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित थी। जहां अन्य लोग उनकी कास्टिंग को असामान्य कह रहे हैं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा, मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे दो कलाकार एक बहुत ही असामान्य कहानी के लिए एक साथ आ रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैंने पहली बार विजय को फिल्म क्लास ऑफ 83 में नोटिस किया था। विजय और श्रीराम दोनों ने उनसे कहा, उनकी फिल्म 83 नहीं, 96 है। कटरीना ने कहा, सॉरी 96, मुझे वास्तव में फिल्म 96 बहुत पसंद आई थी, इसमें ऐसे कई सीन थे, जो मुझे अभी तक याद हैं। उनकी अभिनय प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कटरीना ने कहा, वे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जो भी करते हैं बहुत ईमानदारी और निडर होकर करते हैं। उनके पास जीवन के प्रति एक अनोखा दृष्टिकोण है और वे उनके प्रदर्शन में दिखता है।

स्मिता पाटिल और रेखा जैसी पॉपुलैरिटी हासिल करना चाहती हूं

साउथ इंडस्ट्री की श्रिया रेड्डी हाल ही में सलार फिल्म में नजर आई थीं। इस फिल्म में वे विलेन राजा मन्नार की बिटिया राधा राम मन्नार के रोल में दिखीं। राधा भी अपने पिता की तरह खानसार की सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती हैं। श्रिया हिंदी फिल्मों में स्मिता पाटिल और रेखा जैसी पॉपुलरिटी हासिल करना चाहती हैं। पेश हैं उनसे बातचीत के कुछ प्रमुख अंश।

सलार में आपकी कास्टिंग कैसे हुई?

मुझे इस इंडस्ट्री में 16 साल हो गए हैं। इस किरदार के लिए डायरेक्टर प्रशांत नील जी को एक स्ट्रॉन्ग हेडेड नजर आने वाली एक्ट्रेस की तलाश थी। एक ऐसी एक्ट्रेस जिसे स्क्रीन पर देखकर लोग डरें। हालांकि शुरूआत में जो उन्होंने मुझे इस किरदार का ब्रीफ दिया था, उससे मैं सहमत नहीं थी। फिर बाकी कई राउंड के डिस्कशंस के बाद मैं उस किरदार के मिजाज को एक्सेप्ट कर पाई।

रियल लाइफ में आप इस किरदार के कितने करीब हैं?

मैं भी उसी की तरह स्ट्रॉन्ग हेडेड हूं। मैं भी उसी तरह अपनी बात पूरी मजबूती से रखती हूं। प्रशांत नील खासकर इस किरदार के लिए एक पर्टिकुलर बॉडी लैंग्वेज चाहते थे। प्रशांत चाहते थे कि राधा के रोल में मैं खास तरह से ही डायलॉग बोलूं। आलम ये था कि मैं सेट पर पूरे टाइम सीरियस ही बनी रहती थी। शूट के ब्रेक में किसी से बात नहीं करती थी। यहां तक कि पूरे शूट में मैंने प्रभास से भी बात नहीं की। ऐसा इसलिए किया ताकि मैं कैरेक्टर में बनी रहूं। खुद प्रशांत नील की ओर से साफ इंस्ट्रक्शंस थे कि राधा कभी स्माइल नहीं करती तो मैं भी न करूं। मैंने वही किया।

ऐसा किरदार परफॉर्म करते वक्त आप मन में किसके बारे में सोचती थीं?

मन में तो किसी के बारे में नहीं सोचती थी। मगर हां, उस तरह की सख्त और ताकतवर शख्सियत के लिए जयललिता जी या फिर इंदिरा गांधी जी से काफी इंस्पिरेशन लिए। इंदिरा जी की जो पॉइज थी, वो कमाल की थी। उनका फेस सॉफ्ट था, मगर जब वो बोलतीं तो फिर समझ आता था कि क्या कमाल बोलती थीं। जब वो बोला करती थीं तो उन्हें सुनने के सिवाय और कोई ऑप्शन नहीं होता था। मैं स्मिता पाटिल जी की भी बड़ी फैन रहीं हूं। उनका लुक कमाल का था। सब कहा करते थे कि मेरा लुक और स्किन कलर उनके जैसा है। इन सारी इम्पावरिंग पर्सनैलिटी का मुझ पर कमाल का प्रभाव रहा है।

रोमांटिक जॉनर की फिल्मों में आप किस तरह का काम करना चाहेंगी?

फिल्म सिलसिला में जो रेखा जी का किरदार था। अगर मुझे मौका मिले तो मैं इस तरह का किरदार जरूर करना चाहूंगी। वैसे मैं स्मिता पाटिल जी से रेजोनेट करती हूं। अगर मैं कभी भी शबाना आजमी जी की तरह पांच से दस फीसदी भी एक्ट कर पाई, तो खुद को बहुत खुशनसीब समझूंगी।

सलार 2 तो शुरू नहीं हुई है ना?

जी हां। उसमें मेरे ख्याल से अभी वक्त लगेगा। सलार 2 जरूर होगी। मगर ये तो प्रशांत और होम्बले फिल्म्स ही जानते हैं कि कब होगी? चूंकि पार्ट वन पूरी नहीं हुई है तो उसे पूरा करने के लिए पार्ट टू तो बनेगी ही।

क्या आप कभी सलार टाइप एक्शन करना चाहेंगी?

जी बिल्कुल। मैं फिजिकली फिट भी हूं। मैं जरूर चाहूंगी कि पर्दे पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाती नजर आऊं। प्रशांत नील से इनसिस्ट करूंगी कि पार्ट टू में वो मुझे भी प्रभास जैसा एक्शन करने का मौका दें।

बॉलीवुड में काम करना चाहेंगी? मुंबई में रहना पसंद करेंगी?

मैं फिल्म इंडस्ट्री को डिवाइड नहीं करती। हालांकि सलार साउथ से बनी, मगर इस फिल्म को नॉर्थ में भी खूब प्यार मिला। आजकल सभी इस फिल्म के बारे में बातें कर रहें हैं। मुझे न सिर्फ हिंदी, बल्कि जहां कहीं से भी अच्छे रोल मिलेंगे, मैं जरूर करना चाहूंगी।

फरवरी में विजय देवरकोंडा संग सगाई करेंगी रश्मिका मंदाना

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड सहित कई फिल्मों में एक साथ देखा गया है। फिल्मों में उनकी केमिस्ट्री ने ऑनलाइन लाखों दिल जीते। प्रोफैशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ में भी दोनों में काफी अच्छी बॉन्डिंग है। दोनों को अक्सर कई जगह साथ देखा गया है जिससे उनकी डेटिंग अफवाहों के बारे में और अधिक अटकलें लगाई जाती हैं। वहीं अब खबर आ रही हैं कि नेशनल क्रश कही जाने वाली रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा संग अपने रिश्ते को नया नाम देने जा रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना के घर शहनाई बजने वाली है। वे एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ घर बसाने की तैयारी में हैं। कहा तो ये भी जा रहा है कि रश्मिका और विजय फरवरी में सगाई कर सकते हैं। हालांकि सामने आ रही खबरों को लेकर किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। विजय और रश्मिका की पहली मुलाकात फिल्म गीता गोविंदम की शूटिंग के समय हुई थी। ऐसा कहा गया है कि इस फिल्म के समय ही दोनों कपल्स एक-दूसरे के नजदीक आए थे। काम की बात करें तो रश्मिका के लिए बीता वर्ष करियर के लिहाज से काफी खास रहा। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में उन्होंने रणबीर कपूर की पत्नी गीतांजलि के किरदार में दर्शकों का खूब दिल जीता। रश्मिका इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ पुष्पा 2 की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं विजय देवराकोंडा फैमिली स्टार में मृणाल ठाकुर के साथ नजर आएंगे।

जल्द ही इंडस्ट्री को छोड़ना चाहती हैं कंगना रनौत

कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। रनौत को अक्सर इंडस्ट्री के मुद्दों और फिल्मों पर अपनी राय देते देखा जाता है। इसी कड़ी में कंगना रनौत ने सोमवार को अपने पोस्ट से हर किसी को हैरान कर दिया। अभिनेत्री ने एक बयान देते हुए कहा कि वह अपनी फिल्मों के लिए पेड निगेटिविटी के कारण जल्द ही इंडस्ट्री को छोड़ने पर विचार कर रही हैं। अभिनेत्री का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर ताड़तोड़ वायरल हो रहा है। कंगना रनौत ने एक्स पर एक ट्वीट कर कुछ ऐसा लिख दिया, जिसे सोशल मीडिया यूजर्स रणबीर कपूर की हालिया रिलीज फिल्म एनिमल से जोड़कर देख रहे हैं। सोमवार को एक्स पर बोलते हुए, कंगना ने कहा कि दर्शक महिलाओं की पिटाई वाली फिल्मों को प्रोत्साहित करते हैं, जहां उन्हें जूते चाटने के लिए कहा जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उन लोगों के लिए भी हतोत्साहित करने वाला है, जो महिला सशक्तिकरण पर फिल्में बना रहे हैं। कंगना ने यह भी संकेत दिया कि वह अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ वर्षों को किसी सार्थक काम में लगाने के लिए फिल्मों से अपना करियर बदल सकती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अक्षय कुमार, सलमान खान, रणबीर कपूर के साथ फिल्में करने से इनकार कर दिया, इसलिए नहीं कि उनसे उनका कोई व्यक्तिगत विरोध था।

अभिनेत्री ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि क्या दर्शकों को फिल्मों में महिलाओं को ऐसे चित्रित करने में कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल, सोमवार को एक यूजर ने एक्स पर कंगना की फिल्म तेजस की तारीफ करते हुए लिखा, तेजस, जी 5 पर स्ट्रीम हो रही है। कंगना अभिनीत इतनी बेहतरीन फिल्म। समझ नहीं आ रहा कि फिल्म क्यों नहीं चली। करण जौहर और गैंग उनका करियर बर्बाद करना चाहते हैं। जरुर देखिये। इसे रीट्वीट करते हुए कंगना रणौत ने लिखा, मेरी फिल्मों पर पेड निगेटिविटी भारी पड़ती है।

शिल्पा शेट्टी ने ठुकराई थी रोहित की फिल्म गोलमाल

शिल्पा शेट्टी जल्द ही रोहित शेट्टी के निर्देशन और प्रोडक्शन में बन रही सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज के जरिए शिल्पा और रोहित शेट्टी पहली बार साथ काम करेंगे, हालांकि दोनों सालों पहले फिल्म गोलमाल में साथ काम कर सकते थे। शिल्पा ने बताया कि उन्हें 2006 की फिल्म गोलमाल ऑफर हुई थी, लेकिन बिग ब्रदर जीतने के बाद उन्होंने फिल्म ठुकरा दी थी। वहीं उन्होंने ये भी बताया है कि उनके और रोहित शेट्टी के पिता सालों पहले फिल्म यादों की बारात में साथ काम कर चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में शिल्पा ने बताया है कि सालों पहले रोहित शेट्टी ने उन्हें सुपरहिट फिल्म गोलमाल ऑफर की थी, लेकिन उन्होंने बिग ब्रदर जीतने के बाद वो फिल्म ठुकरा दी थी। शिल्पा ने कहा, मैं रोहित से कहती रहती थी कि हमारा साथ काम करना तय है। हम सालों पहले साथ काम करने वाले थे। उसने मुझे गोलमाल ऑफर की थी। लेकिन मैंने उस समय बिग ब्रदर जीता था और मैं ट्रैवलिंग में बिजी थी। लेकिन मैं बहुत दुखी हुई थी। जब आप किसी फिल्म को इतना सफल होते देखते हैं, तो आप चाहते हैं कि आप भी उस फिल्म में होते। लेकिन मुझे खुशी है कि अब हम इंडियन पुलिस फोर्स जैसे बेहतरीन प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं। इसी इंटरव्यू में शिल्पा शेट्टी ने ये भी बताया है कि उनके पिता सुरेंद्र शेट्टी और रोहित के पिता एम.बी. शेट्टी दोस्त थे। उन्होंने कहा है, मेरे पिता फिल्मों के दीवाने थे और उन्होंने यादों की बारात में रोहित शेट्टी के पिता को असिस्ट किया था। शेट्टी अंकल और मेरे पापा अच्छे दोस्त रहे हैं, मेरे पिता यादों की बारात और शायद फिल्म रफू चक्कर की एक्शन टीम का हिस्सा थे। बताते चलें कि कॉप ड्रामा सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को खुद रोहित शेट्टी प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं सीरीज को रोहित और सुशांत प्रकाश मिलकर डायरेक्ट किया है। इस सीरीज में शिल्पा शेट्टी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म का प्रीमियर 19 जनवरी से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

कोंकणा ने अपने अगले निर्देशन प्रोजेक्ट को लेकर बात की

बॉलीवुड में कोंकणा सेन शर्मा की अपनी एक अलग पहचान है। उन्होंने न सिर्फ अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता, बल्कि अपनी निर्देशन क्षमता का भी लोहा मनवाया। कोंकणा ने साल 2016 में ए डेथ इन द गंज फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म को न सिर्फ दर्शकों ने पसंद किया, बल्कि समीक्षकों ने भी इसे खूब सराहा। इसके बाद कोंकणा ने साल 2023 में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज 2 में द मिरर का भी निर्देशन किया। फिल्हाल कोंकणा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज किलर सूप को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में कोंकणा ने अपने अगले निर्देशन प्रोजेक्ट को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पास एक वेब सीरीज और एक फिल्म का आइडिया है, लेकिन वे उसे तब तक आगे नहीं बढ़ाना चाहती, जब तक की लह खुद उसको लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाती। कोंकणा ने कहा, मैं एक वेब सीरीज के आइडिया पर काम करने की कोशिश कर रही है। मेरे पास एक फीचर फिल्म के लिए भी एक आइडिया है, लेकिन मैं खुद पर कोई दबाव डालना नहीं पसंद करती। अगर यह अच्छा नहीं हुआ तो मै खुद इसे छोड़ दूंगी।